THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

**वर्ष-30 अंक :** 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.2 2082 शनिवार, 22 नवंबर-2025**

**प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर * **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

NEW
RENAULT KIGER
अब नए GST फ़ायदों के साथ
3 YEARS WARRANTY
RE-021-LT
discover more
100 ps टर्बो टॉप वेरिएंट ₹9.14 L*में
वेंटिलेटेड लेदरेट सीट्स
मल्टी-सेंस ड्राइव मोड्स
पहले से बेहतर X-ट्रॉनिक CVT
*the prices mentioned above are ex-showroom prices for the Emotion Turbo MT variant as per new GST reforms and are exclusive of local taxes. all Renault vehicles now come with a standard warranty of 3 years or 100 000 km, whichever comes first. the price/features mentioned in this advertisement may vary depending on the model/variant and features in the car. the final price valid will be the one on the date of purchase. corporate/PSU/defence personnel/government employee/professional benefits applicable on each model are basis eligibility of the customer and based on submission of required proof by the customer. for detailed terms and conditions, please visit www.renault.co.in
Renault recommends Castrol
renault.co.in

**SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD:** RENAULT **GACHIBOWLI** Ph: 9289220863, RENAULT **HITECH CITY** Ph: 9311733970, RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

## नशे में धुत चालक ने दौड़ाई कार पुलिसवाले को मारी टक्कर; सब इंस्पेक्टर बुरी तरह घायल

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के कालकाजी थाना इलाके में बीती देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कालकाजी थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर सचिन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति फिलहाल नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यूपी नंबर की एक कार तेज रफ्तार में आ रही थी जिसे एक युवक शराब के नशे में चला रहा था। वाहन ने अचानक नियंत्रण खो देकर सब इंस्पेक्टर सचिन की गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियों की दिशा ही बदल गई और वे पास के बिजली के खंभों से जा टकराईं। हादसे के बाद बिजली के खंभे हवा में लटके रह गए। गनीमत रही कि वे जमीन पर नहीं गिरे, वरना क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता था और कई लोग इसकी चपेट में आ सकते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# 'विधायकों-सांसदों के साथ शिष्टाचार से पेश आएं'

### सरकार का सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी विभागों, अर्ध-सरकारी कार्यालयों और सरकारी नियंत्रण वाले निकायों को निर्देश जारी किए हैं। इनमें उनसे कहा गया है कि वे विधानसभा के विधायकों और सांसदों के साथ पूर्ण सम्मान और शिष्टाचार के साथ पेश आएं। इस पहल का मकसद राज्य में अच्छा प्रशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाना है।

इस परिपत्र (सर्कुलर) में अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जब विधायक और सांसद सरकारी कार्यालयों का दौरा करें, तो उनका सम्मानपूर्वक अभिवादन करें और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनें व संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार उन्हें सहायता प्रदान करें। इसमें कहा गया है कि इन प्रतिनिधियों से टेलीफोन पर बातचीत भी विनम्र और शिष्टाचारपूर्वक की जानी चाहिए।

**'दो महीने के भीतर जवाब और तीन महीने में पत्राचार की हो समीक्षा'**

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हर कार्यालय को यह निर्देश दिया गया है कि वे विधायक और सांसदों से प्राप्त सभी पत्राचार के लिए एक अलग रजिस्टर बनाएं और दो महीने के भीतर जवाब दें। अगर समय पर जवाब देना संभव न हो, तो मामले को विभाग प्रमुख तक पहुंचाया जाए और संबंधित विधायक को आधिकारिक रूप से सूचित किया जाए। विभाग प्रमुखों को भी हर तीन महीने में ऐसे सभी पत्राचार की समीक्षा करनी होगी।

**'प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों में गणमान्य व्यक्तियों को किया जाए आमंत्रित'**

यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों में केंद्रीय और राज्य मंत्री, संरक्षक मंत्री, स्थानीय विधायक, सांसद, महापौर, जिला परिषद अध्यक्ष और नगरपालिका अध्यक्ष सहित सभी संबंधित गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाए। इन कार्यक्रमों में उचित बैठने की व्यवस्था का पालन किया जाना अनिवार्य है।

**'सांसदों-विधायकों और नागरिकों के साथ बैठक करें'**

इसके अलावा, विभाग प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रत्येक महीने के पहले और तीसरे गुरुवार को दो घंटे विशेष रूप से सांसदों, विधायकों और स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक के लिए सुरक्षित रखें। हालांकि, आपातकालीन मामलों को निर्धारित समय के बाहर भी निपटाया जा सकता है। सरकार ने यह सलाह दी है कि विधान सत्रों के दौरान स्थानीय स्तर के बड़े कार्यक्रमों से बचा जाए, ताकि संसदीय कार्यों पर अधिक फोकस किया जा सके।

**'विधायी कल्याण से जुड़ी जानकारी निशुल्क प्रदान की जाए'**

सर्कुलर में विधान सभा की विशेषाधिकार समिति की सिफारिशों का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया गया है और उल्लंघन होने पर मौजूदा लोक सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई निर्धारित की गई है। इसमें कहा गया है कि केवल सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्रतिबंधित मामलों को छोड़कर विधायी कल्याण से संबंधित जानकारी विधायकों और सांसदों को निःशुल्क प्रदान की जानी चाहिए।

## भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठियों की भीड़ बढ़ रही

### बीएसएफ आइजी ने हवाई निरीक्षण कर हालात का लिया जायजा

कोलकाता, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल में एसआइआर की घोषणा के बाद से ही हर दिन बड़ी संख्या में घुसपैठिए सीमा पार करके वापस बांग्लादेश लौटने की कोशिश रहे हैं। इसके चलते बांग्लादेश की सीमा से लगे बंगाल के विभिन्न सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठियों की भीड़ बढ़ रही है। इसको देखते हुए गृह मंत्रालय ने बीएसएफ को हमेशा अलर्ट पर रहने को कहा है। इन सबके बीच बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आइजी) अनीश प्रसाद ने गुरुवार को हेलीकॉप्टर से दक्षिण बंगाल के जिलों से लगती भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हालात का निरीक्षण किया। बीएसएफ सूत्रों ने यह जानकारी दी। दक्षिण बंगाल फ्रंटियर पर पांच जिलों- मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना से बांग्लादेश के साथ लगती कुल 915 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रखवाली का दायित्व है।

बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि आइजी ने इस पूरे बॉर्डर के हालात का हवाई निरीक्षण किया। उच्च पदस्थ एक सूत्र ने बताया कि अब इस सीमा के पूरे हालात पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट भेजी जाएगी। बीएसएफ के अनुसार, इन्हीं पांच जिलों से होकर सबसे ज्यादा घुसपैठिए बिना बाड़ वाले क्षेत्र से अवैध तरीके से सीमा पार कर वापस अपने देश जाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि गृह मंत्रालय ने बल के पूर्वी कमान मुख्यालय को पहले ही यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इस सीमा से कोई अवैध घुसपैठ न हो और चरमपंथी संगठनों के सदस्य मौके का फायदा न उठा सकें।

## पूर्व विधायक पीवी अनवर और चार अन्य के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, ऋण हेराफेरी का मामला

मलप्पुरम, 21 नवंबर (एजेंसियां)। (केरल) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को केरल में पूर्व विधायक पीवी अनवर और चार अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई केरल वित्तीय निगम (केएफसी) के ऋण गबन मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने अनवर (58 वर्षीय), उनके चालक रियाद और केरल वित्तीय निगम के तीन अधिकारियों अब्दुल मनाफ, टी मिनी और मुनीर अहमद के खिलाफ धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की है। ईडी सूत्रों के अनुसार, केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (वीएसीबी) की ओर से हाल ही में मलप्पुरम केएफसी कार्यालय में ऋण गबन से जुड़ा भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद एजेंसी ने यह जांच शुरू की है। अधिकारियों ने बताया कि 2015 में केएफसी मलप्पुरम ने गिरवी का बिना उचित मूल्यांकन किए अनवर के चालक रियाद को व्यवसाय के लिए 7.5 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत कर दिए थे। कुछ महीनों के भीतर ऋण की वापसी बंद हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि कुछ महीनों के भीतर ऋण की वापसी रुक गई। बाद में उसी गिरवी के आधार पर अनवर की कंपनी पीवीआर डेवलपर्स को दो और ऋण (3.05 करोड़ रुपये और 1.56 करोड़ रुपये) मंजूर किए गए, जिस जमानत पर पहले 7.5 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। कुल मिलाकर, कथित ऋण गबन के कारण केरल वित्तीय निगम को 22.30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ईडी ने सुबह करीब सात बजे अनवर के एडावन्ना स्थित आवास और उनके व्यावसायिक परिसरों पर छापेमारी शुरू की, जिसमें जिले का एक मनोरंजन पार्क भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि साथ ही रियाद और केएफसी अधिकारियों के आवासों पर भी एक साथ छापेमारी की गई।

पिछले महीने ईडी ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (वीएसीबी) मामले में शिकायतकर्ता मुरुगेश नरेंद्रन का बयान दर्ज किया। लंबुर से पूर्व विधायक अनवर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से अलग हो गए थे और इस साल की शुरुआत में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव में मैदान में उतरे थे।

## दवा की दुकानों पर बड़ी कार्रवाई, गंभीर खामियों के चलते 8 मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित

छिंदवाड़ा, 21 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर और सीएमएचओ के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने परासिया ब्लॉक सहित शहर के कई इलाकों में मेडिकल स्टोर्स की जांच की। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों पर गंभीर अनियमितताएं पकड़ी गईं, जिसके बाद विभाग ने 8 मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। औषधि निरीक्षक दल की जांच में पाया गया कि कुछ दुकानों में एक्सपायरी दवाएं रखी गई थीं, कई दुकानों के स्टॉक रजिस्टर अपडेट नहीं थे, वहीं कुछ मेडिकल स्टोर्स पर लाइसेंस शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा था। विभाग ने इन दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई की गई।

## दिल्ली विस्फोट पर बोले फारूक अब्दुल्ला

### 'आतंकी नहीं करते कश्मीरियों का प्रतिनिधित्व, निर्दोषों को न दें सजा '

श्रीनगर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि लाल किले के पास आतंकी हमले में लिप्त आतंकी व उनके साथी कश्मीरियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

देश के दुश्मनों के साथ कश्मीरियों को नहीं खड़ा किया जा सकता और न उनके अपराधों की सजा निर्दोष कश्मीरियों को दी जा सकती है। इसलिए देश भर में रहने वाले, पढ़ने वाले और रोजी रोटी कमाने वाले कश्मीरियों कोई तंग न करें, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को सुनिश्चित बनाना चाहिए। आज यहां एक संक्षिप्त बातचीत में डा फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह यह बहुत दुख की बात है जब कुछ गुमराह और आतंकी तत्वों हरकतों से पूरे कश्मीरी समुदाय के प्रति शक और दुश्मनी का माहौल बनता है।

**कश्मीरियों ने कभी भी आतंकी हिंसा और आतंकियों के एजेंडे को सही नहीं ठहराया है**

कश्मीरियों ने हमेशा भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने में अच्छा योगदान दिया है। लाल किले केपास हमला करने वाला और उसके साथी कश्मीरियों के प्रतिनिधि नहीं हैं। उनके गुनाह के लिए आम कश्मीरियों को सजा नहीं मिलन चाहिए।

जम्मू कश्मीर के लोग, खासकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और पढ़ने वाले हमारे युवा, सुरक्षित महसूस करें,इसलिए हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में कश्मीरियों की सुरक्षा के संबधित सरकारों को ठोस उपाय करने चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री से अपील करते हए कहाकि वे कानून लागू करने वाली एजेंसियों को किसी भी तरह के भेदभाव या टारगेटेड हैरेसमेंट के खिलाफ़ नज़र रखने के लिए साफ़ निर्देश जारी करें, ताकि यह पक्का हो सके कि बढ़े हुए तनाव के समय में बेगुनाह नागरिकों को शिकार न बनाया जाए। उन्होंने आगे कहा, "हमें एक देश के तौर पर एक साथ खड़ा होना चाहिए, न्याय और निष्पक्षता हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत बने रहने चाहिए।

## 700 से ज्यादा साइबर अपराधी गिरफ्तार

### 1000 करोड़ की ठगी का खुलासा; 48 घंटे तक पुलिस ने चलाया ऑपरेशन

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। देशभर में बीते कुछ समय से साइबर ठगी के मामलों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। साइबर ठगों ने आम लोगों की मेहनत की कमाई के न जाने कितने अरबों रुपयों को धोखे से हड़प लिया है। अब साइबर ठगी करने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है।

दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर ऑपरेशन साइबर हॉक (साइहॉक) चलाया है। इस ऑपरेशन के दौरान कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ लिया है। आइए जानते हैं दिल्ली पुलिस के इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से।

दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन साइबर हॉक (साइहॉक) चलाकर 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक, साइबर अपराधियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस के इस ऑपरेशन में स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट, क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और दिल्ली के 15 जिलों की पुलिस शामिल रही है। दिल्ली पुलिस का ये ऑपरेशन करीब 48 घंटे यानी दो दिनों तक लगातार चला है।

दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन साइबर हॉक (साइहॉक) साइबर अपराधियों के लिए काल बनकर सामने आया है। इस ऑपरेशन के तहत पुलिस ने अब तक 700 से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा है। पुलिस द्वारा पकड़े गए अपराधी एक बड़े साइबर नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस की जांच में करीब 1,000 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल का भी खुलासा हुआ है। इन नेटवर्क्स के जरिए साइबर अपराधियों द्वारा करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की जा रही थी।

# उपराज्यपाल ने पुलिस को दिए निर्देश

### अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री पर सख्त निगरानी की जाए

**नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।**

दिल्ली के उपराज्यपाल ने लाल किला क्षेत्र में हाल ही में हुए विस्फोट के मद्देनजर, पुलिस को अमोनियम नाइट्रेट जैसे खतरनाक रसायनों के निश्चित सीमा से अधिक की बिक्री का रिकॉर्ड बनाए रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जारी किया गया है।फरीदाबाद के धौज स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल को पकड़ने में कुछ और समय सुरक्षा एजेंसियों को लगता तो इनका नेटवर्क कई गुणा बढ़ सकता था। डॉ। मुज्जमिल, डॉ। उमर व डॉ। शाहीन आदि इस नेटवर्क को तेजी से फैला रहे थे। इस काम में उनकी मदद इलाके का मौलवी इश्तियाक मोहम्मद खुलकर करने लगा था। वह इलाके के रहने वाले 10 से अधिक लोगों की मुलाकात इस मॉड्यूल के डॉक्टरों से करा चुका था।

**सबसे अहम भूमिका में था डॉ मुजम्मिल**

अल फलाह यूनिवर्सिटी के इस टेरर मॉड्यूल में फिलहाल सबसे अहम भूमिका डॉ। मुजम्मिल की थी। वो ही पाकिस्तानी हैंडलर से सबसे अधिक संपर्क में रहता था। उसी के पास हवाला नेटवर्क के जरिये रुपये आते थे। यहां तक कि विस्फोटक व हथियार इकट्ठा कर उन्हें सुरक्षित ठिकानों पर छुपाने की जिम्मेदारी भी डॉ। मुज्जमिल के पास ही थी। धौज और फतेहपुर तगा गांव के दोनों लोकेशन पर मिले 2900 किलो से अधिक विस्फोटक को उसने ही यहां छुपाया हुआ था। इन दोनों लोकेशन को उसने ही किराये पर लिया था।

**दोस्त बनाकर खरीदी सिम**

जांच एजेंसी के सूत्रों की माने तो धौज के रहने वाले सब्बीर को एनआईए ने हिरासत में लिया है। सब्बीर की गांव में ही मोबाइल की दुकान है। करीब 8 महीने पहले डॉ। मुजम्मिल अपना मोबाइल रिपेयर कराने सब्बीर की दुकान पर गया था। इसके बाद डॉ। मुजम्मिल कई बार धौज में सब्बीर की दुकान पर गया और यहीं से उसने कई मोबाइल सिम खरीदी थी। साथ ही, धौज के रहने वाले इकबाल मद्रासी से भी डॉ। मुजम्मिल ने बिना कोई आईडी दिए कमरा किराए पर लिया था। मद्रासी की मुलाकात अस्पताल में सितंबर महीने में बुखार की दवाई लेने के दौरान डॉ। मुज्जमिल से हुई थी।

**यूनिवर्सिटी से किसी भी महिला डॉक्टर या छात्रा को नेटवर्क में शामिल नहीं कर पाए आरोपी**

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डॉ। शाहीन ने अपनी टीम में लड़कियों को शामिल करने का भी प्लान तैयार किया था। इसके तहत उसने कुछ लड़कियों की लिस्ट भी बनाई थी, जिसका जिक्र उसकी डायरी में भी है। इसके अलावा, किसको कितने पैसे की मदद करनी है, इसका फैसला भी डॉ। शाहीन और उमर नबी मिलकर ही करते थे। शाहीन लड़कियों की टीम बनाने में कामयाब नहीं हुई और वे यूनिवर्सिटी से किसी भी महिला डॉक्टर, स्टॉफ या छात्रा को अपने नेटवर्क में शामिल नहीं कर पाए।

## कंबोडिया से आए यात्रियों से 20 लाख अवैध सिगरेट बरामद, एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की कार्रवाई

अमृतसर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बड़ी तस्करी को नाकाम करते हुए 1,22,400 स्टिक अवैध सिगरेट बरामद की हैं। बरामद माल की कुल कीमत करीब 20.81 लाख आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय की गई जब दो यात्री मलेशियन एयरलाइन की फ्लाइट एमएच118 में कंबोडिया से अमृतसर पहुंचे।

जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों को उनके सामान में संदिग्ध माल मिलने पर विस्तृत तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध सिगरेट मिली। दोनों यात्रियों के खिलाफ कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि यह सिगरेट स्थानीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचने के लिए तस्करी कर लाई जा रही थी।कस्टम विभाग ने कहा कि हवाई अड्डे पर निगरानी और कड़ी की जाएगी, ताकि ऐसी तस्करी की कोशिशों को रोका जा सके।

## पेड़ काटने के मामले में एचसी का कड़ा रुख सात अधिकारियों को किया तलब

जबलपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भोपाल में पेड़ काटने के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की युगलपीठ ने गंभीर आदेश जारी करते हुए कहा है कि हाईकोर्ट की अनुमति के बिना किसी भी पेड़ को नहीं काटा जाना चाहिए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने शिफ्टिंग के नाम पर पेड़ों की कटाई से संबंधित अखबार में प्रकाशित खबर को गंभीरता से लेते हुए यह आदेश दिया। याचिका पर सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पश्चिमी-मध्य रेलवे जोन के महाप्रबंधक और भोपाल नगर निगम आयुक्त को अनावेदक बनाने का आदेश देते हुए सात अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से तलब किया। इसमें अजय श्रीवास्तव, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी, अंडर सेक्रेटरी, विधानसभा सेक्रेटेरिएट, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर-कम-अंडर सेक्रेटरी, विधानसभा सेक्रेटेरिएट, कमिश्नर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, भोपाल, प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, विधानसभा सेक्रेटेरिएट और जनरल मैनेजर, वेस्ट सेंट्रल रेलवे शामिल हैं।

याचिका की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। यह मामला भोपाल के समीप भोजपुर-बैरसिया रोड के निर्माण के लिए 488 पेड़ काटे जाने से जुड़ा है। अखबार में प्रकाशित खबर के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण के लिए लोनिवि रायसेन ने बिना अनुमति के पेड़ों की कटाई की। नियमानुसार, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत राज्य सरकार को पेड़ काटने के मामलों के लिए एक समिति गठित करनी होती है और किसी भी परियोजना के लिए पेड़ काटने की अनुमति इस समिति से लेना अनिवार्य है। हालांकि, राज्य सरकार द्वारा गठित 9 सदस्यीय समिति या वृक्ष अधिकारी से कोई अनुमति नहीं ली गई।

## अमृतपाल की पैरोल पर पंजाब सरकार को हाईकोर्ट का आदेश

### एक हफ्ते में फैसला करने को कहा; संसद सत्र में शामिल होना चाहते हैं

चंडीगढ, 21 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से सांसद अमृतपाल सिंह ने संसद सत्र में शामिल होने के लिए अस्थायी पैरोल की याचिका लगाई है, जिस पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया है कि अमृतपाल की पैरोल मांग पर उचित आदेश पास किया जाए। कोर्ट ने कहा कि विंटर सेशन 1 से 19 दिसंबर तक है, इसलिए सरकार एक हफ्ते में निर्णय दे। यानी अगला कदम अब पंजाब सरकार को तय करना है। अमृतपाल सिंह ने अपनी याचिका में कहा है कि मेरी हाजिरी का इंतजाम किया जाए या फिर सेशन में शामिल होने का इंतजाम किया जाए। हालांकि पिछली बार यह मामला अदालत में पहुंचा था। उस समय लोकसभा की तरफ से बताया गया गया था ऐसे मामलों को लेकर एक कमेटी बनाई है। पहले, चीफ जस्टिस ने यह सवाल उठाया था कि जब तक डिटेंशन पर रोक नहीं लगती, वह संसद में कैसे शामिल होंगे। वकील ने कहा कि यह मामला अलग है और राहत सिर्फ धारा 15 के तहत मांगी गई है। अमृतपाल सिंह इस समय राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। उनकी तरफ से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जेल में ही अमृतपाल ने जीता चुनाव वकील ईमान सिंह खारा के माध्यम से दाखिल याचिका में कहा गया है कि अप्रैल 2023 से प्रिवेंटिव डिटेंशन में रहने के बावजूद अमृतपाल सिंह ने 2024 के लोकसभा चुनाव में खडूर साहिब सीट से लगभग 4 लाख वोटों के साथ जीत दर्ज की और अब भी करीब 19 लाख मतदाताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को निर्देश जारी करने की मांग की है कि उन्हें पैरोल पर रिहा किया जाए या कम से कम संसद सत्र के दौरान उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

याचिका में बताया गया है कि 17 अप्रैल 2024 को उनके खिलाफ तीसरा डिटेंशन ऑर्डर जारी किया गया था। जब वह डिब्रूगढ़ की केंद्रीय जेल में बंद थे। इसके बाद सलाहकार बोर्ड ने उनके निरंतर बंद रखने के लिए पर्याप्त आधार पाए और 24 जून को डिटेंशन को तीसरी बार के लिए बढ़ा दिया गया। अमृतपाल सिंह ने सैशन में भाग लेने के मकसद से पैरोल के लिए 13 नवंबर को एप्लिकेशन भेजी गई थीं, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

## रिटायर्ड आर्मी कर्नल से 56.05 लाख रुपये ठगे

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां जालसाजों ने मुंबई पुलिस ऑफिसर बनकर एक 83 वर्षीय रिटायर्ड आर्मी कर्नल से ऑनलाइन ठगी की। ठगों ने मुंबई पुलिस के अफसर बनकर उन्हें गिरफ्तारी की धमकी दी और कुल 56.05 लाख रुपये ठग लिए। मामले में मुंबई पुलिस ने बताया कि कर्नल को 27 अक्तूबर को एक कॉल आया, जिसमें खुद को इंस्पेक्टर संजय पिसे बताने वाले व्यक्ति ने कहा कि उनके नाम पर जारी सिम कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है। जब कर्नल मुंबई जाकर पूछताछ नहीं कर सके, तो उन्हें वीडियो कॉल के जरिए वरिष्ठ अधिकारी कविता पोमाने और बाद में एक अन्य अधिकारी विश्वास से जोड़ा गया।

**ऑनलाइन जांच का दिखाया डर**

पुलिस के अनुसार ठगों ने कर्नल को ऑनलाइन जांच का डर दिखाकर व्यक्तिगत, पारिवारिक और बैंक विवरण ले लिए और हर तीन घंटे में उनका लाइव लोकेशन मांगा। ठगों ने व्हाट्सएप पर बैंक डिटेल्स शेयर करने के लिए कहा और 'आरबीआई वेरिफिकेशन का बहाना बनाया। कर्नल ने ठगों के कहने पर चार बैंक अकाउंट्स के विवरण साझा किए और पहले छह लाख और पांच लाख रुपये ट्रांसफर किए।

इसके बाद उन्होंने म्यूचुअल फंड और निवेश भी निकाले और 35.05 लाख और 10 लाख रुपये और ट्रांसफर किए। जब उन्होंने पैसे लौटाने की मांग की, ठगों ने कहा कि आरबीआई फंड वेरिफाई कर रहा है और तीन दिन में पैसा वापस मिलेगा। कर्नल की शिकायत पर सेंट्रल सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन में आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की सेक्शन 418(4) धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com


## जो भी देश के लिए कर सकता था वो किया, इस संतुष्टि के साथ जा रहा : सीजेआई गवई

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि वह लगभग चार दशक लंबे अपने कानूनी और न्यायिक सफर के अंत में पूरे संतोष और तृप्ति के साथ 'न्याय के छात्र' के तौर पर इस संस्था को छोड़ रहे हैं। गौरतलब है कि सीजेआई गवई का सुप्रीम कोर्ट में आज आखिरी दिन था। वे इस दौरान विदाई समारोह के लिए गठित बेंच के साथ कार्यवाही पर बैठते हुए भावुक नजर आए। >14


वर्ष-30 अंक : 236 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.2 2082 शनिवार, 22 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये


# लेबर कोड लागू करने का ऐतिहासिक फैसला : पीएम

## एक साल की नौकरी के बाद ग्रेच्युटी, एपॉइंटमेंट लेटर जरूरी, 40+वालों को फ्री हेल्थ चेकअप

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने शुक्रवार को ऐतिहासिक फैसला लिया है। उसने चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इन संहिताओं के जरिए 29 पुराने श्रम कानूनों को एक साथ मिलाकर सरल बनाया गया है। इस बड़े बदलाव से गिग वर्कर्स (अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले) को भी सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।

सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र (एपॉइंटमेंट लेटर) देना अनिवार्य होगा। हर क्षेत्र में न्यूनतम मजदूरी तय की जाएगी। इसका भुगतान समय पर होगा। यह कदम देश के श्रमिकों को सशक्त बनाने और भारत की आर्थिक तरक्की को तेज करने के लिए उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने सोशल मीडिया पर कहा कि ये कोड हमारे लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए एक मजबूत नींव का काम करेंगे। इनसे सबको सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, मजदूरी समय पर मिलेगी, काम करने की जगह सुरक्षित होगी और बेहतर मौके मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा। भारत की आर्थिक रफ्तार को मजबूत करेगा। यह भविष्य के लिए एक ऐसा माहौल बनाएगा जो रोजगार बढ़ाने, उत्पादकता बढ़ाने और विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को तेज करेगा।

### आजादी के बाद सबसे बड़े सुधार

प्रधानमंत्री मोदी ने इस सुधार को आजादी के बाद से अब तक के सबसे बड़े और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधारों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे श्रमिकों को बहुत ज्यादा ताकत देगा। साथ ही, यह नियमों का पालन करना भी आसान बनाएगा और 'कारोबारी सुगमता' को बढ़ाएगा। >14

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैदराबाद पहुंचीं

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार दोपहर दो दिन के दौरे पर हैदराबाद पहुंचीं। तेलंगाना के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जीएचएमसी मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी, चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव, डीजीपी शिवधर रेड्डी, हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर दसारी हरिचंदना, हैदराबाद सीपी सज्जनार और अन्य लोगों ने बेगमपेट एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रपति का पूरे सम्मान के साथ राजभवन ले जाया गया, जहां गवर्नर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दौरा सिकंदराबाद में राष्ट्रपति निलयम में आयोजित भारतीय कला महोत्सव 2025 में उनके शामिल होने की शुरूआत है। कला महोत्सव पश्चिमी भारत पर केंद्रित है, जिसमें गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा राज्य और दादरा नगर हवेली और दमन और दीव केंद्र शासित प्रदेश अपनी खास संस्कृति, शिल्प और खाने के साथ-साथ साहित्य भी दिखाएंगे। राष्ट्रपति 22 नवंबर को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी जाने से पहले राजभवन में रात भर रुकेंगी।

## यह भारत की विकसित होती चेतना का प्रमाण : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू के लेखन के व्यापक डिजिटल आर्काइव के उद्घाटन की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक ताकतवर मार्गदर्शक है। राहुल ने जोर देकर कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री के लेखन केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा का प्रमाण हैं। इसमें देश के साहस, दुविधाओं और आकांक्षाओं की झलक मिलती है। डिजिटल आर्काइव की अहमियत को लेकर अपने विचार रखते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और सफलताओं पर गहरी दृष्टि प्रदान करते हैं। उन्होंने लिखा, नेहरू के लेखन सिर्फ इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का लेखा-जोखा हैं। हमारी लोकतांत्रिक यात्रा, उसका साहस, उसकी चिंताएं, उसके सपनों को समझने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली मार्गदर्शक हैं।

## यूपी, गुजरात, तेलंगाना में एटीएस की कार्रवाई

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आईएसकेपी (इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत) मॉड्यूल के तीनों आतंकियों के कबूलनामे से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इनके तार सीधे पाकिस्तान से जुड़े होने की बात सामने आई है। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में रहने वाले आतंकी मोहम्मद सुहैल के घर पर यूपी एटीएस की रेड में आईएसआईएस का काला झंडा बरामद हुआ। वहीं हैदराबाद के डॉक्टर मोहम्मद इस्हाक उर्फ डॉ. अहमद के घर से डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनमें उसने आईएसकेपी के सरगना अबू खलीजा को बाया (कसम) दी थी कि वह भारत में एक बड़ा काम करेगा। जांच में पता चला है कि दो महीने पहले सुहैल और तीसरा आतंकी आजाद मिलकर डॉ. अहमद के पास एक पार्सल लेकर पहुंचे थे। उस पार्सल में डेढ़ लाख रुपये नकद थे। यह रकम एक पाकिस्तानी एजेंट के कहने पर भेजी गई थी। दूसरा पार्सल भी इन्हीं दोनों ने दिया था, जिसमें हथियार थे। गुजरात एटीएस ने इसी पार्सल के आधार पर डॉ. अहमद को पकड़ा और फिर सुहैल व आजाद तक पहुंची। पाकिस्तानी एजेंट से मिले पैसे कहां से आएं, इसकी जांच तेज कर दी गई है। डॉ. अहमद के बारे में और खुलासा हुआ कि डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह तेजी से कट्टरपंथी बन गया। शादी के सिर्फ दो महीने बाद ही उसकी पत्नी को उसकी सोच का पता चल गया और उसने उसे छोड़ दिया।

## उडुपी कोचीन शिपयार्ड से नौसेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी लीक, दो आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरू, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां मालपे में पुलिस ने भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन से जुड़ा है। जांच की शुरूआत तब हुई जब उडुपी कोचीन शिपयार्ड के सीईओ ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मालपे पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 की धाराओं 3 और 5 के तहत केस दर्ज किया गया।

### दो आरोपियों की गिरफ्तारी :

मामले में कार्कला सबडिविजन की एएसपी हर्षा प्रियामवदा के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम ने जांच शुरू की। इसके बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश सुल्तानपुर निवासी 29 वर्षीय रोहित और उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के ही निवासी 37 वर्षीय संत्री के रूप में हुई है।

## दुबई एयर शो में बड़ा विमान हादसा

### भारतीय फाइटर जेट तेजस क्रैश

दुबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई एयर शो में शुक्रवार को आयोजित उड़ान प्रदर्शन के दौरान भारतीय तेजस लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय समय अनुसार दोपहर 2:10 बजे तेजस प्रदर्शन के दौरान डेमो उड़ान भर रहा था, तभी अचानक विमान अनियंत्रित हो गया और नीचे गिर कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और कुछ ही पलों में काले धुएं का गुबार हवा में फैल गया।

हादसे के बाद पायलट की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है और यह भी साफ नहीं है कि उन्होंने समय रहते इजेक्ट किया या नहीं। वहां मौजूद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में लोग दुबई एयर शो देखने आए थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। भीड़ ने विमान को नीचे गिरते देखा और फिर अचानक उठते धुएं के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुबई की स्थानीय मीडिया के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद हेलिकॉप्टर्स और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाया गया। करीब 45 मिनट में पूरे घटनाक्रम को संभाल लिया गया। कार्यक्रम दोबारा शुरू होगा या नहीं, इस पर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है। एयर शो अधिकारियों ने दुर्घटना वाले क्षेत्र को तुरंत सील कर दिया और सभी उड़ान कार्यक्रम अस्थायी रूप से रोक दिए। >14

## वृंदावन में दिनदहाड़े परिक्रमा मार्ग पर बच्ची का अपहरण बचाने आए गार्ड पर हमला

वृंदावन, 21 नवंबर (एजेंसियां)। (मथुरा)। परिक्रमा मार्ग स्थित गौरी गोपाल आश्रम के बाहर दोपहर उस समय खलबली मच गई, जब दो युवक एक पांच वर्षीय बच्ची को खींचकर ले जाने लगे। आश्रम में सिक्योरिटी ड्यूटी दे रहे रोहताश ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो आरोपितों ने उस पर ईंट से हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में चोट आई। शोर मचने पर आश्रम कर्मचारी बाहर आए और युवकों को पकड़ने की कोशिश की, युवक लड़की को छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने होटल रूम लगाने वाले समेत तीन युवकों को हिरासत में लिया है। अलीगढ़ के टप्पल निवासी एक महिला ने वृंदावन थाने में बताया कि दोपहर में आश्रम में कथा सुनने के दौरान उसकी बेटी खेल रही थी। कथा खत्म होने पर पता चला कि उसको अज्ञात लड़के खींचकर ले गए हैं।

# आरजेडी ने निकाली वंशवाद वाले मंत्रियों की लिस्ट

## बीजेपी ने बताया क्या होता है परिवारवाद

**पटना, 21 नवंबर (एजेंसियां)।**

बिहार में मंत्रियों के शपथ को लेकर आरजेडी की तरफ से वंशवादकरने का आरोप लगाया गया। वहीं बिहार भाजपा अध्यक्ष और बिहार मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि विपक्ष ने आज तक परिवारवाद की परिभाषा नहीं समझी है। परिवारवाद का मतलब होता है कि प्रधानमंत्री का बेटा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का बेटा मुख्यमंत्री... जनता समझ रही है कि परिवारवाद का असली मतलब क्या है।

इसी बीच राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर बिहार के मंत्री और जेडी(यू) नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यह लोगों के भरोसे का प्रतीक है। इतनी बड़ी जीत तब तक नहीं होती जब तक जनता गठबंधन और उसके नेता नीतीश कुमार पर पूरा भरोसा न करे। पिछले 20 सालों में, उन्होंने लगातार काम किया है।

### राजनीति के इतिहास की हिट जोड़ी है

विजय कुमार ने कहा कि इससे लोगों का भरोसा बढ़ा है। लोगों को भरोसा है कि जब तक बिहार उनके हाथों में है, राज्य सुरक्षित है और यह तेज़ी से तरक्की करेगा। यह जोड़ी भारतीय राजनीति के इतिहास की सबसे हिट जोड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच की समझ और उनके किए गए काम से बिहार तेज़ी से तरक्की कर रहा है। आने वाले समय में बिहार और भी तेजी से तरक्की करेगा।

आरजेडी की तरफ से कहा गया कि यह नीतीश कुमार के रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद हुआ है।

नीतीश के अलावा नई कैबिनेट में कुल 25 नेताओं ने शपथ ली। खास बात यह है कि हैम(एस) के लगभग 80% नए चुने गए, एमएलए सीनियर नेताओं के रिश्तेदार हैं, जिसमें जीतन राम मांझी की बहू, सास और दामाद सीटें जीत रहे हैं।

बीजेपी के 12.35% जीतने वाले एमएलए के परिवार से संबंध हैं, जिनमें सम्राट चौधरी और नीतीश मिश्रा शामिल हैं। जेडी(यू) के 11 जीतने वाले राजनीतिक परिवारों से हैं।

### नया बिहार बनाऊंगा

आरजेडी ने की तरफ से कहा गया कि मैं कसम खाता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो वंशवाद की राजनीति के कट्टर विरोधी हैं। उन्हीं के खास प्यार और आशीर्वाद से मैं बिहार की राजनीति से वंश को खत्म करूंगा और एक नया बिहार बनाऊंगा।

## नई सरकार के शपथ ग्रहण की अगली सुबह बिहार में विपक्षी दल के नेता की हत्या

मोतिहारी, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही एक बार फिर अपराधियों का तांडव शुरू हो गया है। जिले के दरपा थाना क्षेत्र के तिनकोनी गांव में शुक्रवार की अहले सुबह वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे कामेश्वर सहनी शौच कर लौटने के बाद अपने दरवाजे पर हाथ धो रहे थे। उसी दौरान बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधी पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक कामेश्वर सहनी वीआईपी पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष थे और उनका पूर्व में आपराधिक इतिहास भी रहा है। जानकारी के मुताबिक, वे पहले नक्सली के रूप में भी जाने जाते थे और उनके ऊपर आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। हत्या की जानकारी मिलते ही दरपा थाना पुलिस सहित आसपास के कई थानों की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

रक्सौल के एसडीपीओ मनीष आनंद भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुटे हुए हैं। मोतिहारी के प्रभारी एसपी विनय तिवारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

## आरएसएस ने शुरू किया दुनिया का सबसे बड़ा गृह सम्पर्क अभियान

# 80 हजार कार्यकर्ता मैदान में

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने घर-घर तक पहुंच बनाने के मकसद से एक व्यापक गृह सम्पर्क अभियान शुरू कर दिया है। संगठन की ओर से इसे दुनिया का सबसे बड़ा गृह संपर्क अभियान बताया जा रहा है। आपको बता दें कि ये अभियान संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के तहत शुरू किया गया है। इस व्यापक संपर्क कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लगभग 80 हजार कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। जानते हैं कि इस अभियान में क्या कुछ किया जा रहा है।

**कैसे किया जाएगा संपर्क?**

आरएसएस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को भारत माता की तस्वीर और संघ का साहित्य भेंट कर रहे हैं। संगठन की ओर से अवध क्षेत्र में ही 40 लाख घरों से संपर्क करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस संपर्क अभियान में 80 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे जो कि 20 हजार टीम में विभाजित किए जाएंगे। लखनऊ में इस अभियान की शुरुआत की जा चुकी है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गृह संपर्क अभियान के तहत संघ के सदस्यों ने पद्मश्री से सम्मानित लोक गायिका मालिनी अवस्थी और लेखिका विद्या बिंदु सिंह से मुलाकात की और उन्हें संघ का साहित्य भेंट किया है।

**कब तक चलेगा अभियान?**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लखनऊ प्रभाग के विभाग कार्यवाह अमितेश सिंह ने जानकारी दी है कि गृह संपर्क अभियान को पूरे लखनऊ शहर में औपचारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है। लखनऊ प्रभाग में 49 नगर, 413 बस्तियां और 1,652 उप-बस्तियां हैं। अमितेश सिंह ने बताया- हर बस्ती और उप-बस्ती में पांच योग्य कार्यकर्ताओं की टीम बनाई गई हैं। कुल 4,956 टीम 14,868 कार्यकर्ताओं के साथ पूरे लखनऊ में घरों में जाएंगी। उन्होंने बताया है कि संघ का ये गृह संपर्क अभियान एक महीने का है और 21 दिसंबर तक चलेगा।

## आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, भाजपा विधायक के भाई की मौत

बाराबंकी, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हैदरगढ़ भाजपा विधायक दिनेश रावत पर टूटा दुखों का पहाड़। सगे भाई मिथलेश रावत की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सैफई के पास सड़क हादसा हुआ है। पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह ने जानकारी देते हुए बताया विधायक सहित अन्य परिवारजन घटना स्थल पर पहुंच रहे। सुबह पांच बजे के आसपास हुई घटना। कोठी के ग्राम मीरापुर निवासी दिनेश कुमार रावत हैदरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक हैं।

इनकी पत्नी आरती रावत सिद्धौर की ब्लाक प्रमुख हैं। छोटा भाई मिथिलेश रावत की शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर इटावा के पास सैफई में सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही मिथिलेश मौत हो गई। मिथिलेश रावत देवस्थान दर्शन कर वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

## बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

# पार्टी पर लगाए गंभीर आरोप

### 'नैतिकता और निडरता को बनाया पैमाना'

पटना, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) में एक तरफ जहां कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया तो दूसरी ओर अब पार्टी के नेताओं की नाराजगी सामने आने लगी है। बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सरवत जहां ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी से नाराज होकर उन्होंने इस्तीफा दिया है। शुक्रवार (21 नवंबर, 2025) को मीडिया से उन्होंने बातचीत में कहा कि 2025 में सिर्फ 8 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व रहा, जो दुखद है। उन्होंने कहा कि मुझे बिहार महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष बने 28 महीने हो गए।

महिला कांग्रेस की जो हमारी बहन हैं, बिहार के 38 जिलों की जो महिला जिलाध्यक्ष हैं, हम सब मिलकर बूथ स्तर पर गए। महिलाओं की जो समस्या थी उसको उठाया। महिला कांग्रेस हमेशा सड़क पर रही। बहुत सारी महिलाओं को उम्मीद थी कि टिकट मिलेगा। पहली बार ऐसा हुआ कि महिला अध्यक्ष को भी टिकट नहीं मिला।

सरवत जहां फातिमा ने एक्स पोस्ट में इस्तीफा पत्र शेयर करते हुए लिखा है, राजनीति करने के कई पैमाने हैं, लेकिन अपने 25 वर्षीय राजनीतिक सफर में, मैंने केवल नैतिकता और निडरता को अपना पैमाना बनाया है। उन्होंने आगे लिखा, विगत विधानसभा चुनाव के टिकट वितरण में महिलाओं को कांग्रेस पार्टी में केवल 8% प्रतिनिधित्व मिला। इसका परिणाम ये रहा की दोनों सदन में हमारी पार्टी की महिला नेतृत्व शून्य पे आ गिरी।

इसके कारण अनेक हैं, लेकिन अपने पद की गरिमा और अपनी पार्टी के मूल सिद्धांत जो महिला सशक्तिकरण की ओर केंद्रित हैं, मैं इस विडंबना की नैतिक जिम्मेदारी लेना आवश्यक समझती हूं। महिला नेतृत्व की स्थिति को ले कर मेरे मन में पीड़ा भी है और आत्म-विवेचना भी और इसी मूल कारणवश मैं बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा दे रही हूं। अंत में कहा, मैंने अपने निजी और राजनीतिक जीवन में हमेशा आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी को अपना आदर्श माना है। उनकी नैतिकता और पद और कुर्सी के लिए उनका निर्मोही होना, मेरे लिए हमेशा उनके दृढ़ नेतृत्व का प्रतीक बना।

## सीएम योगी गंगा पूजन संग करेंगे मेले से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा, शनिवार को प्रस्तावित है आगमन

प्रयागराज, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 22 नवंबर को प्रस्तावित प्रयागराज दौरे को लेकर अफसरों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सीएम शनिवार को माघ मेले से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। कहीं कोई कमी न रह जाए, इसके लिए मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा और मेलाधिकारी ऋषिराज तैयारियों की समीक्षा। साथ ही निरीक्षण व संबंधित विभागों संग बैठक की। सीएम शनिवार को प्रयागराज आएंगे और संगम नोज पर गंगा पूजन करेंगे। उनके वीआईपी घाट जाने और अन्य घाटों पर तैयारियों के निरीक्षण का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। सीएम हनुमान मंदिर में दर्शन भी करेंगे।

इसके बाद संबंधित विभागों के अफसरों संग मेले से संबंधित तैयारियों की समीक्षा बैठक करेंगे। मेला क्षेत्र में पहुंचने से पहले वह सिविल लाइंस स्थित होटल कान्हा श्याम में एक कार्यक्रम और रामबाग में शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी के आवास पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होंगे। कार्यक्रम के मद्देनजर जेटी का निर्माण शुरू करा दिया गया है। जेटी पर अधिकतम 30 लोगों को उपस्थित रहने की अनुमति होगी। वहां, सीएम संग प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी रहेंगे। अफसरों ने बृहस्पतिवार को संगम पर उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां सीएम का गंगा पूजन प्रस्तावित है। अफसरों ने जमीन के समतलीकरण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम के हेलिकॉप्टर के लिए परेड मैदान पर हेलिपैड बनाया जा रहा है।

# बृजभूषण को सपा नेता की खुली चुनौती

## बोले- अगर मां का दूध पिया है तो निर्दलीय चुनाव लड़कर दिखाएं

बलरामपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता रमाकांत दुबे ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए ऐसा बयान दिया है, जिसके बाद सियासत गरम हो गई हैं। सपा नेता ने उन्हें चुनौती दी अगर उनमें दम है तो वो निर्दलीय चुनाव लड़कर दिखाएं तो पता चल जाएगा कि दबदबा कहां है? सपा नेता रमाकांत दुबे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। जिसमें वो सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के महारैली में जनसभा को संबोधित करते दिखाई दे रहा हैं। सपा नेता ने कहा बृजभूषण शरण सिंह पर निशाना साधते हुए सपा सरकार के दिनों की भी याद दिलाई और कहा कि तुम्हारी इज्जत तो समाजवादियों ने ही बचाई थी।

### बृजभूषण शरण सिंह को दी चुनौती

सपा नेता ने मंच से कहा- आप लोग मीडिया में बहुत सुनते हैं दबदबा है। दबदबा रहेगा।। अरे दबदबा वालों।। दलाल।। जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, सपा की ताकत थी तब तुम बीजेपी को छोड़कर सपा में शामिल हुए, तब तुम्हारी इज़्ज़त समाजवादियों ने बचाई।। और तुम्हें जिताकर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि आज तुम फिर चले गए हो वहां पर और चाटुकारिता करते हो, और कहते हो कि दबदबा था।।दबदबा रहेगा। मैं तुम्हें चैलेंज करता हूं अगर तुम्हारी मां ने दूध पिलाया है, तुम निर्दलीय किसी भी विधानसभा सीट देवीपाटन मंडल से चुन लो।। अभी तुमको औकात पता चल जाएगा कि दबदबा कहां चला गया।

### कौन हैं सपा नेता रमाकांत दुबे?

बता दें कि सपा नेता रमाकांत दुबे बलरामपुर के रेहरा बाज़ार क्षेत्र के अधीनपुर गाँव के रहने वाले हैं। वो बलराम पुर सीट से टिकट के दावेदार भी रह चुके हैं। उनकी बहू शिल्पीराज अनुसूचित जाति समुदाय से आती हैं। जबकि वो ब्राह्मण समाज से हैं। साल 2005 में वो निर्दलीय जिला पंचायत सदस्य भी रह चुके हैं और ग्राम प्रधान का चुनाव भी लड़ चुके हैं।

## 1 सीट जीतते ही बीएसपी का जोश हाई

### अब नोएडा में मायावती दिखाएंगी ताकत

नोएडा, 21 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव और पंचायत चुनाव से ठीक पहले उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर से गर्माने वाली है। जी हां... बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती नोएडा में एक विशाल रैली करने जा रही हैं। लखनऊ में आयोजित हुई महारैली की सफलता, बिहार चुनाव में एक सीट जीतने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश हाई है। इस बीच, मायावती अपने गृह जनपद गौतमबुद्ध नगर में 14 साल बाद शक्ति प्रदर्शन करेंगी।

इतना ही नहीं, मायावती 6 दिसंबर को होने वाली रैली में अपनी ताकत दिखाएंगी और विरोधियों को साफ-साफ संदेश देंगी कि उनका कोर वोटर आज भी उनके पास है, वो उनके पास से खिसका नहीं है। गौतमबुद्ध नगर में होने वाली मायावती की रैली न सिर्फ बसपा की संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन

माना जा रहा है, बल्कि इसे मायावती के 'राजनीतिक कमबैक' की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इस रैली के जरिए मायावती नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और बुलंदशहर में अपने खोए वोटरों को साधने की तैयारी में है।आपको बता दें कि लखनऊ में 9 अक्टूबर को कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर हुई रैली में उम्मीद से ज्यादा भीड़ जुटी थी, जिसने बीएसपी खेमे को एक नई ऊर्जा दी है। लगातार कमजोर पड़ते जनाधार को लेकर उठ रही चर्चाओं के बीच मायावती ने इस रैली के जरिए संदेश दिया था कि बसपा का कैडर आज भी सक्रिय और संगठित है।

# पीके ने धमकी के साथ लोगों से 1-1 हजार मांगे

## बोले- जो नहीं देगा उससे नहीं मिलूंगा; दिल्ली वाला फ्लैट छोड़कर सारी संपत्ति जनसुराज को डोनेट की

बेतिया, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली हार का पश्चाताप करने के बाद प्रशांत किशोर ने अपना मौन तोड़ा है। उन्होंने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा- सरकार ने 10-10 हजार रुपए देकर वोट खरीदे हैं। इन लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर वोट खरीदे। 6 महीने में महिलाओं को 2-2 लाख नहीं मिले तो एक-एक मंत्री और अफसर का घेराव करूंगा।'

**जनता एक-एक हजार से मदद करे, नहीं देने वालों से नहीं मिलूंगा**

प्रशांत किशोर ने बिहार को बदलने के लिए जनता से एकक-एक हजार रुपए की मदद मांगी है। उन्होंने कहा, 'जिसने हमारी मदद नहीं की, उन लोगों से मैं नहीं मिलूंगा। मैं एक साल में एक हजार मांग रहा हूं, चाहे तो ज्यादा भी दे सकते हैं।' 'लोगों के मन में सवाल है कि 3 साल मैं बिहार में घूमा, पैसे खत्म हो गए। अब कहां से पैसे आएंगे। मैं जनता को बता दूं, मैं अगले 5 साल तक जो कमाऊंगा उसका 90% पैसा जनसुराज में लगाऊंगा। पिछले 20 साल में मैंने जो भी संपत्ति अर्जित की है। दिल्ली वाला घर छोड़कर मैं अपनी सारी संपत्ति जनसुराज को डोनेट कर रहा हूं।'

**आपराधिक छवि वालों को मंत्री बनाया गया**

प्रशांत किशोर ने कल बनी नीतीश कैबिनेट पर कहा, 'आपराधिक छवि वाले नेताओं को मंत्री बनाया गया है। ऐसे लोगों को मंत्री बनाया गया, जो पढ़े-लिखे तक नहीं है। वो सिर्फ इसलिए मंत्री बन गए, क्योंकि उनके पिता मंत्री थे।' 'नीतीश मंत्रिमंडल, घाव पर नमक लगाने जैसा है। नीतीश कुमार ने हर उस व्यक्ति को मंत्री बनाया गया है, जिस पर भ्रष्टाचार, अपराध का आरोप है। नीतीश कुमार, मोदी ने बिहार की जनता को बता दिया, हमने वोट खरीद लिया है। अब अपनी मर्जी चलाएंगे।'

**गांधी आश्रम में किया 24 घंटे का मौन व्रत**

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित गांधी आश्रम में 24 घंटे का मौन व्रत किया। पीके पूरी रात धरना स्थल पर बैठे-बैठे हीं सो गए, सुबह-सुबह भी वो सोते नजर आए। बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ी जनसुराज का चुनाव में खाता तक नहीं खुला। इतना ही नहीं पार्टी के 98 फीसदी कैंडिडेट की जमानत तक जब्त हो गई।

**विरोध नहीं, आत्ममंथन का उपवास**

जन सुराज की ओर से बताया गया, यह मौन उपवास किसी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा नहीं है, बल्कि प्रशांत किशोर के आत्ममंथन और जनता के संदेश को अंदर से समझने का प्रयास है।

बताया गया कि वे पिछले कई दिनों से संगठन की आगे की दिशा और मिशन 2025 पर मंथन कर रहे थे, जिसके बाद उन्होंने इस शांतिपूर्ण उपवास का फैसला लिया।

**एनडीए पर वोट खरीदने का लगाया आरोप**

जन सुराज नेता सह भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे ने गुरुवार को कहा, प्रशांत किशोर ने बिहार में ईमानदारी लाने का प्रयास किया। लोगों ने देखा कि कोई सच में गरीबी, पलायन और अशिक्षा पर बात कर रहा है, तो कुछ लोगों ने लोकतंत्र में सबसे घृणित काम वोट खरीदने का रास्ता अपना लिया। जिस राज्य में खुद गरीबी है, वहीं बिहारियों की अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया गया।

## 'पाकिस्तान के हर शहर में तिरंगा लहरा रहा होता'

## अखिलेश के विधायक ने आखिर क्यों कहा ऐसा?

लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)। सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने नीतीश कुमार के दसवीं बार सीएम बनने पर कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना लागू की गई थी और उसमें हर महिला को दस हजार दिए गए थे। यह योजना किसी भी हाल में बंद नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी में आधे से अधिक विधायक अपराधी हैं। हमने कई बार मांग की है कि यूपी के टॉप 20 अपराधियों की लिस्ट जारी की जाए। अगर बीजेपी सरकार में हिम्मत है तो यह लिस्ट जारी कर दे। बीजेपी सरकार की लापरवाही के कारण हरदोई में दो दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए हैं।

लखनऊ में उनका इलाज चल रहा है। इस घटना की न्यायिक जांच हो और दोषियों के प्रति कड़ी कार्रवाई की जाए। सपा विधायक ने कहा कि भारत की सेना बहादुर है। एक दिन में 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया था, लेकिन इसके बाद अमेरिका ने युद्धविराम का ऐलान कर दिया। केंद्र की सरकार कमजोर है। अगर देश की सेना को खुली छूट मिली होती तो पाकिस्तान के हर शहर में तिरंगा लहरा रहा होता।

**गठबंधन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए हुआ**

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने के अबू आजमी के ऐलान पर रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव हुआ, लेकिन महागठबंधन ने सपा को एक भी सीट नहीं दी। इसके बाद भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 26 रैलियां की और 20 से अधिक स्टार प्रचार बनाए। महाराष्ट्र में बीएमसी और नगर निकाय के चुनाव होने वाले हैं। अगर महागठबंधन पर्याप्त सीट नहीं देता तो हम अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएमसी, नगर निकाय चुनाव या जिला पंचायत चुनाव के लिए गठबंधन नहीं हुआ है। गठबंधन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए हुआ है। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं दी, लेकिन पूरा प्रदेश बीजेपी को दे दिया।

**अमेरिका में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते**

रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। बिना विपक्षी नेताओं की मीटिंग के एसआईआर लागू किया गया। पूरा देश और विपक्षी पार्टियां मांग कर रही थीं कि चुनाव बैलेट पेपर से हो, लेकिन चुनाव ईवीएम से कराए जा रहे हैं। अमेरिका में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते। एसआईआर को लेकर कई प्रदेशों में आंदोलन चल रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शनिवार, 22 नवंबर, 2025 5

सुविचार

जो बाहर की सुनता है वो बिखर जाता है,
जो भीतर की सुनता है वो संवर जाता है!

# मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तेलंगाना को इन्वेस्टमेंट हब बनाएगा : भट्टी

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क तेलंगाना देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य है। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना इन्वेस्टमेंट के लिए स्वर्ग है। उप-मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां प्रजा भवन में कॉर्पोरेट कंपनियों के रिप्रेजेंटेटिव के साथ एक खास मीटिंग की। मीटिंग में डेलॉइट, ईवाई, केपीएमजी, बीसीजी, पीडब्लूसी, और दूसरे ऑर्गनाइज़ेशन के रिप्रेजेंटेटिव शामिल हुए। लोगों की सरकार 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी में बदलने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अच्छे मौसम और ज्योग्राफिकल हालात के साथ-साथ, कम लागत वाले और बहुत स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स तेलंगाना की इकॉनमिक ग्रोथ और इन्वेस्टमेंट के माहौल में अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इन्वेस्टर्स को समझाया कि देश का कोई दूसरा राज्य ऐसा इकोसिस्टम नहीं देता है। आउटर रिंग रोड के साथ-साथ नए बन रहे रीजनल रिंग रोड से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। रीजनल रिंग रोड के पूरा होने के बाद, राज्य के बड़े जिले आपस में जुड़ जाएंगे। आउटर रिंग रोड और रीजनल रिंग रोड के बीच 39 रेडियल रोड बनाने का प्लान तैयार किया गया है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि इन रेडियल रोड के किनारे फार्मा, आईटी, हैंडलूम, एग्रो और दूसरे इंडस्ट्रियल पार्क बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी, आईआईआईटी और दूसरे सेंट्रल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, जाने-माने यूनिवर्सिटी, सैकड़ों इंजीनियरिंग कॉलेज और बड़े इंस्टीट्यूशन पहले से ही हैदराबाद में हैं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आईटी और फार्मा हब ग्लोबल स्टैंडर्ड के हिसाब से डेवलप हुए हैं। राज्य में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत है। यह कहते हुए कि सरकार इंडस्ट्रीज़ को बिना रुकावट 24 घंटे अच्छी क्वालिटी की बिजली सप्लाई कर रही है, उन्होंने इन्वेस्टर्स को बताया कि सरकार यह पक्का करने के लिए कदम उठा रही है कि भविष्य में बिजली की कोई कमी न हो। इसी के तहत, सरकार ग्रीन एनर्जी की ओर बढ़ रही है। तेलंगाना, जो लाइफलाइन नदियों कृष्णा और गोदावरी के बीच बसा है, वहां पानी की कोई कमी नहीं है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि न सिर्फ घरेलू इस्तेमाल के लिए बल्कि इंडस्ट्रियल पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही बनाया जा चुका है। तेलंगाना पुलिस देश के सबसे अच्छे लॉ एनफोर्समेंट सिस्टम में से एक है। मजबूत लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति के साथ, इंटरनेशनल इन्वेस्टर तेलंगाना में पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। इसी तरह, राज्य सरकार 30,000 एकड़ में फ्यूचर सिटी डेवलप कर रही है, जिसमें स्किल यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एरीना, आईटी और एआई सेंटर जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर होंगे। फ्यूचर सिटी से अमरावती होते हुए बंदर पोर्ट तक ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए सभी अप्रूवल मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि यह हाईवे इंडस्ट्रियल एक्सपोर्ट में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भट्टी विक्रमार्क ने सभी से तेलंगाना की विकास यात्रा में पार्टनर बनने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी के सहयोग से तेलंगाना राइजिंग 2047 एक बड़ी सफलता होगी।

## मंचेरियल में जंगली जानवर का हमला, 20 भेड़ों की मौत

मंचेरियल, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार देर रात पाथा मंचेरियल के बाहरी इलाके में स्थित एक शेड में अज्ञात जंगली जानवर के हमले में 20 भेड़ें मारी गईं। इस घटना से क्षेत्र के पशुपालकों में दहशत फैल गई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, रात के समय एक जंगली जानवर ने भेड़ों के झुंड पर हमला किया और लगभग 20 भेड़ों को मार डाला।

भेड़ों के मालिक ने सुबह शेड पहुंचकर मृत मवेशियों को देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। पशुपालक ने बताया कि मृत भेड़ों की कीमत लगभग 3 लाख रुपये के आसपास है। सूचना मिलने पर वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायज़ा लिया। अधिकारियों ने आशंका जताई कि हमला लकड़बग्घे या तेंदुए द्वारा किया गया हो सकता है। उन्होंने बताया कि जांच पूरी होने के बाद किसान को मुआवजा प्रदान किया जाएगा। वन विभाग ने स्थानीय पशुपालकों से रात में मवेशियों की सुरक्षा बढ़ाने और जंगली जानवरों से सावधानी बरतने की अपील की है।

## हैदराबाद में वामपंथी दलों का विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वामपंथी दलों ने शुक्रवार को शहर में विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि 'ऑपरेशन कगार' के तहत फर्जी मुठभेड़ें की जा रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार अपराध-विरोधी कार्रवाई के नाम पर पुलिस मुठभेड़ों का दुरूपयोग कर रही है। प्रदर्शन लोअर टैंक बांड स्थित डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा के पास आयोजित किया गया, जिसमें भाकपा के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव सहित विभिन्न वामपंथी संगठनों के नेता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां हाथ में लेकर नारे लगाए। नेताओं ने मांग की कि सरकार तुरंत ऐसी मुठभेड़ों को रोके और पुलिस कार्रवाई में जवाबदेही सुनिश्चित करे। उन्होंने हाल की सभी घटनाओं की पारदर्शी जांच और कानून प्रवर्तन में लोकतांत्रिक अधिकारों तथा उचित प्रक्रियाओं के पालन की मांग भी उठाई। वामपंथी दलों का कहना है कि इन कार्रवाइयों से मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और सरकारी एजेंसियों पर निगरानी जरूरी है।

# राज्यपाल ने फेस्टिवल ग्राउंड में अलग-अलग जगहों का दौरा किया

### तेलंगाना-नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट टेक्नो-कल्चरल फेस्टिवल का दूसरा दिन

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हाईटेक्स में तेलंगाना-नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट टेक्नो-कल्चरल फेस्टिवल के दूसरे दिन, विज़ुअल और परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स का जबरदस्त संगम, क्रिटिकल डिस्कशन और शानदार परफ़ॉर्मेंस देखने को मिलीं, जिसने पूरे शुक्रवार को दर्शकों को उत्साहित और जोड़े रखा। इस दिन महिला सशक्तिकरण, साहित्य, सिनेमा और परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स पर फोकस करने वाले एक साथ सेशन हुए, जिसमें तेलंगाना और नॉर्थ-ईस्ट दोनों राज्यों के जाने-माने स्पीकर, लेखक, स्कॉलर और प्रैक्टिशनर एक साथ आए। इन सेशन में रीजनल क्रिएटिविटी, कल्चरल पहचान और सोशल ट्रांसफ़ॉर्मेशन पर गहरी समझ वाले नजरिए पेश किए गए। गवर्नर जिष्णु देव वर्मा (जो इस अनोखी कल्चरल पहल के पीछे दूरदर्शी हैं) ने फेस्टिवल ग्राउंड में अलग-अलग जगहों का दौरा किया। उन्होंने कलाकारों, पेंटर, अधिकारियों और एक्टिविस्ट से बात की, उनके काम की तारीफ की और दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा दिया। खुद एक जाने-माने कवि और लेखक, गवर्नर ने आज के लिटरेरी और कल्चरल बातचीत में उनके सार्थक योगदान के लिए लेखकों और पैनलिस्ट की तारीफ की। शुक्रवार को फैशन शो में ज़बरदस्त परफॉर्मेंस भी देखने को मिलीं, जबकि मशहूर तेलुगु कवि और गीतकार गोरेटी वेंकन्ना ने तेलंगाना की लोक परंपराओं और निजी कहानियों को शानदार तरीके से पेश करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे गहरे इमोशनल जुड़ाव के पल बने। महिला सशक्तिकरण का सेशन अपने दमदार और निजी अनुभवों के लिए सबसे अलग रहा, जिसने दिल से ध्यान और सहानुभूति खींची। इस बीच, नॉर्थ ईस्ट के पार्टिसिपेंट्स ने इंदिरा महिला शक्ति बाज़ार वी-हब, भरोसा सेंटर और प्रज्वला का दौरा किया, जिससे क्रॉस-रीजनल जुड़ाव और गहरा हुआ। पुल्लाला गोपीचंद बैडमिंटन एकेडमी और जीएमसी बालयोगी स्टेडियम में दोनों क्षेत्रों के अर्जुन और द्रोणाचार्य अवॉर्डी की स्पोर्ट्स एक्टिविटीज़ हुईं, जहां एथलीटों ने अलग-अलग खेलों में मुकाबला किया और अपनी खेल यात्रा की प्रेरणा देने वाली कहानियां शेयर कीं। इन इवेंट्स के साथ, प्रसाद मल्टीप्लेक्स में एक खास फिल्म फेस्टिवल में तेलंगाना और नॉर्थ ईस्ट का सिनेमा दिखाया गया, जिसने इस समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में एक सिनेमाई पहलू जोड़ा। यह फेस्टिवल तेलंगाना और नॉर्थ ईस्टर्न राज्यों की विरासत, इनोवेशन और साझा उम्मीदों का जश्न मनाते हुए, विविधता के बीच एकता को बढ़ावा देने के अपने मिशन को दिखाता है।

## सिंगरेणी आज 'डायल योर सीएमडी' होस्ट करेगा

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के चेयरमैन एन. बलराम शनिवार को शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच हर महीने 'डायल योर सीएमडी' प्रोग्राम करेंगे। यह इंटरैक्टिव सेशन ऑर्गनाइज़ेशन में प्रोडक्शन, प्रोडक्टिविटी, सेफ्टी और मेडिकल सर्विस पर फोकस करेगा। सिंगरेनी के सभी इलाकों के वर्कर सीधे कॉल करके अपने सुझाव या परेशानियां बता सकते हैं। पार्टिसिपेंट दिए गए समय में 040-23311338 पर कॉन्टैक्ट कर सकते हैं।


## CLASSIFIEDS

### CHANGE OF NAME

I,Shobha Vishnu Khapane Mother of Mr khapane Atul Vishnu presently residing at Vill+PO-Vhannur, Teh-Kagal, Dist- Kolhapur (Maharashtra) PIN-416216 have changed my name from Shobha to Shobha Vishnu Khapane vide affidavit dt 20 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad

I, Shekappa Maruti Padolkar Father of Mr Padolkar Dattatray Shekappa presently residing at Vill - Padolkarwadi,Po+ Teh- Mangalwedha , Distt- Solapur (maharashtra) PIN- 413322 have changed my name from Padolkar Shekappa Maruti to Shekappa Maruti Padolkar vide affidavit dt 20 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Chaya Shekappa Padolkar Mother of Mr Padolkar Dattatray Shekappa presently residing at Vill - Padolkarwadi,Po+ Teh- Mangalwedha , Distt- Solapur (maharashtra) PIN-413322 have changed my name from Chaya to Chaya Shekappa Padolkar vide affidavit dt 20 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad..

I, Sagata Ram Father of Vikash Vagela presently residing at Genhu, Somaniyon Ki Dhani, Post: Barmer, District; Barmer, Rajasthan-344001, have changed my Son's name from Vikash Vghela to Vikash Vagela vide affidavit dt 20 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad.

I, Geeta Devi Spouse of Sagata Ram, presently residing at Genhu, Somaniyon Ki Dhani, Post: Barmer, District; Barmer, Rajasthan-344001, have changed my name from Gita Devi to Geeta Devi vide affidavit dt 20 Dec 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad..

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।


# राजामौली के समर्थन में उतरे राम गोपाल वर्मा

### कहा- भारत में नास्तिक होना अपराध नहीं, संविधान देता है अधिकार





हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने निर्देशक एस.एस. राजामौली का बचाव किया है और कहा है कि किसी को भी ईश्वर में विश्वास न करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 हर व्यक्ति को अपनी आस्था या विश्वास न रखने का अधिकार देता है।

राम गोपाल वर्मा की यह प्रतिक्रिया उस विवाद के बाद आई, जो राजामौली के हालिया बयान के कारण शुरू हुआ। फिल्म 'वाराणसी' के टाइटल लॉन्च के दौरान राजामौली ने कहा था कि वह भगवान में विश्वास नहीं करते, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उन पर निशाना साधा।

शुक्रवार को एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि नास्तिक होना कोई अपराध नहीं है और राजामौली अपने विचार रखने का पूरा अधिकार रखते हैं। उन्होंने आलोचकों से पूछा कि अगर एक फिल्ममेकर को भगवान में विश्वास न होने पर भी भगवान पर आधारित फिल्म नहीं बनानी चाहिए, तो क्या गैंगस्टर फिल्मों के निर्देशक गैंगस्टर होते हैं और हॉरर फिल्म बनाने वाले भूत होते हैं? वर्मा ने आगे कहा कि भगवान में विश्वास न करने के बावजूद राजामौली ने बहुत बड़ी सफलता हासिल की है, जो कई आस्थावान लोगों को परेशान करती है। असली समस्या यह है कि उन्होंने बिना धार्मिक आस्था के ही इतना नाम कमाया। अंत में वर्मा ने कहा कि ईश्वर और राजामौली दोनों ठीक हैं, समस्या सिर्फ उन लोगों को है जो इस सफलता को सहन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान 'वाराणसी' के जरिए राजामौली को और सफलता देंगे, और बाकी लोग ईर्ष्या करते रह जाएंगे। जय श्री राम, उन्होंने अपनी पोस्ट का अंत इस वाक्य से किया।

# तेलंगाना नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट फेस्टिवल में शानदार कल्चरल झलक दिखाई जाएगी

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नॉर्थ ईस्ट कनेक्ट फेस्टिवल शनिवार को हाईटेक्स एग्जीबिशन सेंटर में अपने फेज़ I के आखिरी दिन में है। इसमें फाइन आर्ट्स एग्जीबिशन, इंटर-रीजनल लिटरेरी एक्सचेंज, परफॉर्मेंस और पॉलिसी डिस्कशन की पूरी लिस्ट होगी, जो तेलंगाना और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के इवेंट के कमिटमेंट को दिखाती है। यह प्रोग्राम, जो हाईटेक्सऔर प्रसाद मल्टी प्लेक्स में कई जगहों पर होगा, शाम को एक फॉर्मल क्लोजिंग सेरेमनी के साथ खत्म होगा, जिसमें माननीय गवर्नर और सभी हिस्सा लेने वाले राज्यों के बड़े लोग शामिल होंगे। दिन की शुरूआत सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक फाइन आर्ट्स सेगमेंट के साथ होगी, जिसमें हाईटेक्स हॉल 2 और स्टेट आर्ट गैलरी में पेंटिंग और फोटोग्राफी एग्जीबिशन होंगी।

ये क्यूरेटेड प्रेजेंटेशन नॉर्थ-ईस्ट और तेलंगाना के आर्टिस्ट और फोटोग्राफर को एक साथ लाते हैं, जो विजिटर्स को इस इलाके की विज़ुअल परंपराओं को बनाने वाली मिली-जुली कल्चरल पहचान का एक बड़ा नज़ारा दिखाते हैं। लिटरेरी सेगमेंट सुबह 10 बजे सेमिनार हॉल 2 में शुरू होगा, जिसमें ट्रांसलेशन, मार्जिनल वॉयस, शॉर्ट फिक्शन, लैंग्वेज पॉलिटिक्स और मीडिया कल्चर पर सेशन होंगे।

ये पैनल साहित्य अकादमी अवॉर्डी, जाने-माने लेखक और दोनों क्षेत्रों की उभरती आवाज़ों को एक साथ लाते हैं। सेमिनार हॉल 1 में होने वाला एक पोएट्री रीडिंग, दिन की कार्यवाही में एक लिरिकल डायमेंशन जोड़ता है, जो भारतीय लिटरेरी लैंडस्केप के भीतर अलग-अलग पोएटिक ट्रेडिशन को हाईलाइट करता है। परफॉर्मिंग आर्ट्स में, हाईटेक्स हॉल 2 नॉर्थईस्ट और तेलंगाना के बैक-टू-बैक बैंड परफॉर्मेंस होस्ट करेगा, जिसमें डेलोंग पडोंग, थिएटर बैंड और रूडी वॉलंग बैंड शामिल हैं। त्रिपुरा को रिप्रेजेंट करने वाले आईएएस डॉ. प्रदीप कुमार चक्रवर्ती का एड्रेस सेगमेंट को एंकर करेगा। इस बीच, विमेंस एम्पावरमेंट ट्रैक ह्यूमन-ट्रैफिकिंग मॉडल और इंटर-स्टेट पार्टनरशिप से निपटने पर पैनल के साथ अपनी पॉलिसी-फोकस्ड चर्चा जारी रखेगा, जिसे डॉ. सुनीता कृष्णन और आईएएस दाना किशोर मॉडरेट करेंगे। फिल्म फेस्टिवल सेक्शन में प्रसाद मल्टीप्लेक्स में असमिया और तेलुगु फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी, जिसके साथ मिलकर काम करने वाले सिनेमाई इकोसिस्टम बनाने पर एक पैनल डिस्कशन होगा। स्पोर्ट्स सेगमेंट में, पुलेला गोपीचंद, भाईचुंग भूटिया, सैखोम मीराबाई चानू, निखत जरीन और लैशराम सरिता देवी समेत एक जाने-माने पैनल खेल की भावना: तेलंगाना और नॉर्थ ईस्ट को जोड़ना थीम पर चर्चा करेंगे। फेस्टिवल का पहला फेज़ शाम 5.30 बजे एक क्लोजिंग सेरेमनी के साथ औपचारिक रूप से खत्म होगा, जिसमें प्रार्थना, डेलीगेट्स के विचार, योगदान देने वालों का सम्मान और खास नतीजों की घोषणा शामिल है। शाम को इस टेक्नोकल्चरल पहल के पहले फेज के खत्म होने के साथ खत्म होगा, जिसका मकसद अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करना है।


**पूर्व तट रेलवे**

निविदा सूचना सं.VSKP-ELG-TL-AC-25-26-7, दिनांक : 14.11.2025

स्थान सहित कार्य का नाम : तीन वर्षों के लिए विशाखापट्टनम कोचिंग डिपो में LHB ट्रेन के कोच एवं पैन्ट्री कारों में पैन्ट्री इलेक्ट्रिकल इक्विपमेन्ट के लिए वार्षिक रख-रखाव ठेका।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 42,03,629.04, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 84,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि : स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 03 वर्ष (LOA की तारीख से 15 दिन के बाद प्रारंभ नहीं होगा)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक : 08.12.2025 को 1330 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

मण्डल रेलवे प्रबंधक(Elect-G), विशाखापट्टनम

PR-808/Q/25-26

**पूर्व तट रेलवे**

निविदा सूचना सं.WAT-TRS-OT-14-2025-26

स्थान सहित कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/ विशाखापट्टनम में 03 वर्षों की समयावधि हेतु भारतीय रेलवे में सभी फीडिंग यूनिट/रेलवे कार्यशालाओं को कवर करने वाली सड़क द्वारा रेलवे सामग्रियों का परिवहन।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 69,45,750/-, EMD (रुपये में) : 1,38,000/-, निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये में) : 11,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 36 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 08.12.2025 को 1500 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRS), वाल्टियर

PR-807/Q/25-26


# आईबोम्मा पायरेसी वेबसाइट के संचालक रवि पर कसा शिकंजा

### हैदराबाद पुलिस ने विदेशी नागरिक अधिनियम की धाराएं भी जोड़ीं, पूछताछ जारी



हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु फिल्मों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने वाली पायरेसी वेबसाइट आईबोम्मा के संस्थापक रवि के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। हैदराबाद पुलिस ने अब उनके खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम की धाराएं भी लगा दी हैं।

रवि पर पहले ही आईटी एक्ट, फिल्म पायरेसी, आर्थिक धोखाधड़ी, निजी सामग्री के गलत इस्तेमाल और गोपनीयता उल्लंघन सहित कई मामले दर्ज हैं। अब पता चला है कि वह भारत का नागरिक नहीं है और कैरिबियन देश सेंट किट्स एंड नेविस की नागरिकता रखता है। इसी आधार पर पुलिस ने विदेशी अधिनियम की धाराएं शामिल कीं, जिसके तहत उन्हें 7 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

अदालत से 5 दिन की पुलिस हिरासत मिलने के बाद साइबर क्राइम टीम रवि को चंचलगुडा जेल से बशीरबाग स्थित सीसीएस कार्यालय लेकर आई और पूछताछ शुरू कर दी। अधिकारी बैंक लेन-देन, एनआरआई खातों और क्रिप्टो वॉलेट के जरिए धन के उपयोग की जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ से पायरेसी नेटवर्क की फंडिंग और अंतर्राष्ट्रीय कनेक्शन का खुलासा हो सकता है। पूछताछ आगे भी जारी रहेगी।


**CHANGE OF NAME**

I, AMUDHA M, R/o. House No.1084, 6th Cross, Prakash Nagar, Rajaji Nagar, North Bangalore, Bengalore, Karnataka - 560021, have changed my name from AMUDHAM to AMUDHA M and my DOB is 03.03.1963, vide Affidavit dt: 09.09.2025, at Hyderabad.


## छह किसानों व बीआरएस कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

कामारेड्डी, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गुरुवार को रामारेड्डी मंडल में पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनसूया (सीतक्का) के काफिले की आवाजाही में बाधा डालने के आरोप में छह किसानों और बीआरएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रदर्शनकारी किसान धान बोनस के त्वरित वितरण और समय पर धान खरीद सुनिश्चित करने की मांग को लेकर विरोध कर रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, मंत्री अनसूया पर्वतारोही मालवत पूर्णा के घर शोक संवेदना व्यक्त करने जा रही थीं, तभी किसानों और बीआरएस नेताओं ने उनका काफिला रोक लिया।

# दो प्रतिष्ठित टॉलीवुड स्टूडियो को नोटिस

### व्यापार लाइसेंस शुल्क का नहीं किया है भुगतान

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने इस महीने की शुरूआत में दो प्रतिष्ठित टॉलीवुड स्टूडियो, अन्नपूर्णा स्टूडियो और रामानायुडू स्टूडियो को नोटिस जारी किया है, क्योंकि उन्होंने अपने व्यापार लाइसेंस शुल्क का भुगतान नहीं किया है। जीएचएमसी अधिकारियों ने बताया कि अन्नपूर्णा स्टूडियो के प्रबंधन को 7 लाख रुपये के बकाया ट्रेड लाइसेंस शुल्क के लिए नोटिस जारी किया गया है। प्रबंधन ने अन्नपूर्णा स्टूडियो परिसर में बिना अनुमति के बिग बॉस सीजन 9 के लिए एक अस्थायी आयोजन किया और रियलिटी शो चला रहा है।

अधिकारी ने बताया कि नोटिस का जवाब देने वाले प्रबंधन ने हाल ही में 7 लाख रुपये का व्यापार लाइसेंस शुल्क अदा किया है। जीएचएमसी कर शाखा विभाग द्वारा जारी नोटिस में स्टूडियो को जीएचएमसी की अनुमति के बिना अनधिकृत रूप से परिसर स्थापित करने का कारण बताने तथा एक निश्चित अवधि के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा गया है। जीएचएमसी के सूत्रों ने बताया कि अन्नपूर्णा स्टूडियो को 11.52 लाख रुपये का शुल्क देना था, लेकिन वह केवल 49,000 रुपये का भुगतान कर रहा है। इस बीच, रामानायुडू स्टूडियो को 1.92 लाख रुपये का भुगतान करना था, लेकिन वह केवल 1,900 रुपये ही दे रहा है। रामानायुडू स्टूडियो प्रबंधन को पूरा ट्रेड लाइसेंस शुल्क चुकाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।


**पूर्व तट रेलवे**

**ओवर हेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकरण की सार्वजनिक अधिसूचना** प्रारूप-10.01

पूर्व तट रेलवे के निम्न वर्णित सेक्शन के पूरा हो चुके सेक्शन स्थित रेलवे लाइनों एवं परिसरों का उपयोग करने वाले सभी जनों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 Hz, AC ओवर हेड ट्रैक्शन वायर निर्दिष्ट सेक्शन के अंतर्गत विनिर्धारित तिथि को अथवा तत्पश्चात ऊर्जीकृत किया जाएगा । दिनांक 22.11.2025 से या उसके बाद उक्त ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन हर समय के लिए ऊर्जीकृत एवं सक्रिय रहेगा तथा कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के पास न जाये और न ही उसके आसपास कोई कार्य करे।

| लाइन का विवरण | आरकेएम | लंबाई का विवरण |
| --- | --- | --- |
| नई विद्युतीकृत लाइन यानी लाइन नंबर 01 और लाइन नंबर 02 के साथ-साथ लाइन नंबर 1 और 2 के दोनों छोर यानी लक्ष्मीपुर रोड एवं रायगड़ छोर पर 04 संख्यक क्रॉसओवर को मेसर्स यूएआईएल, टिकिरि, KR लाइन, टिकिरि, पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मंडल द्वारा टिकिरी यार्ड में चालू किया गया। | 3.295 टीकेएम | रूट 1: ORL/1-83/30=1305 मिटर (L-1 एवं L1-L2 x-लक्ष्मीपुर रोड छोर के ऊपर) रूट 2: 82/22-टिकिरि/ 1078=1391 मिटर (L-2 एवं L2-L3 x-लक्ष्मीपुर रोड छोर के ऊपर) L1-L2 X/ओवर: 83/14-83/28=270 मिटर (रायगड़ छोर) R2-R3 X/ओवर: टिकिरि/ 1070-83/36=328.5 मिटर (रायगड़ छोर) |

**AC 25 KV ट्रैक्शन की शुरूआत "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"** प्रारूप-10.02

यह सर्वसाधारण की सूचना हेतु अधिसूचित किया जाता है कि मेसर्स यूएआईएल, टिकिरि, KR लाइन, टिकिरि, पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मंडल द्वारा टिकिरी यार्ड में नई विद्युतीकृत लाइन यानी लाइन नंबर 01 और लाइन नंबर 02 पर 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सेक्शन के ऊपर 25,000 वोल्ट एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरूआत" से संबंधित ऊर्जित ट्रैक्शन वायर के संपर्क में या खतरनाक तरीके से नजदीक आने से रोकने के लिए सड़क स्तर से 4.78m की स्पष्ट ऊँचाई पर सभी समपारों पर स्पष्ट हाईट गेज लगा दिया गया है।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि वे वाहनों में माल लदान के दौरान ऊपर निर्दिष्ट ऊँचाई का ध्यान रखें तथा देखें कि सड़क वाहनों में ढोये जाने वाला भार किसी भी परिस्थिति में हाइट गेज का अतिक्रमण न करे।

**अधिक ऊंचाई के लोड से खतरा निम्नानुसार हैं :**

(I) हाइट गेज के लिए खतरनाक है तथा परिणामस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन के लिए भी बाधक है ।

(II) वाहनों में ढोये जानेवाली सामग्री अथवा उपकरण अथवा खुद वाहन हेतु खतरा ।

(III) कन्डक्टर के संपर्क में आने से या खतरनाक निकटता की वजह से आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

PR-813/Q/25-26

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD)/वाल्टियर

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 22 नवंबर- 2025

# नीतीश की दसवीं शपथ का 'अग्निपथ'


राज कुमार सिंह

नीतीश कुमार द्वारा 20 साल में 10 वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ बिहार की जटिल राजनीति का भी आईना है। सबसे लंबे समय तक बिहार का मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड उनके नाम है, पर कई बार बीच कार्यकाल जोड़ीदार बदल कर शपथ लेनी पड़ी। नीतीश बिहार में लगातार अपरिहार्य बने हुए हैं। नया अप्रत्याशित जनादेश भी समीकरण पूरी तरह नहीं बदल पाया। नीतीश के जदयू की सीटें 43 से बढ़ कर 85 हो गयीं, लेकिन भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बन गयी। फिर भी बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने का भाजपा का सपना अधूरा है। नीतीश को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने से परहेज के बावजूद भाजपा ने एक बार फिर उनकी ताजपोशी करवा दी तो उसके भी कारण हैं। जदयू बिना भी राजग बहुमत से मात्र पांच सीटें दूर रह गया था। महागठबंधन की चुनावी दुर्गति के चलते पालाबदल का विकल्प भी नीतीश के पास नहीं, पर 240 लोकसभा सीटोंवाली भाजपा को केंद्र में अपनी सरकार के स्थायित्व के लिए जदयू और तेलुगू देशम पार्टी के सांसदों के समर्थन की दरकार है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भी चंद महीने दूर है, जहां बदलाव का भाजपा का सपना अभी तक अधूरा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे प्रकरण की पुनरावृत्ति से मित्र दलों में भाजपा की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते। आखिर बिहार का अप्रत्याशित जनादेश राजग की एकजुट आक्रामक राजनीति-रणनीति की सामूहिक जीत है। इसलिए बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने का सपना साकार करने के लिए थोड़ा और इंतजार करने में ही भाजपा ने ज्यादा समझदारी समझी। इस तर्क में ज्यादा दम नहीं कि भाजपा के पास बिहार में मुख्यमंत्री लायक कोई कद्दावर नेता नहीं। वह जमाना गया, जब 'कद' से 'पद' मिलता था। अब तो 'पद' से 'कद' बनता है। कई राज्यों में बिना कद के ही नेताओं को यह पद मिल चुका है। बेशक जनता दल तोड़ लालू यादव के साये से अलग दल बना कर बिहार की राजनीति में यह मुकाम हासिल कर लेना नीतीश की बड़ी उपलब्धि है।

अगर बुजुर्ग नीतीश भविष्य में भी वंशवाद से बचे रहे तो उनके कार्यकर्ताओं और समर्थकों में अपने प्रति मित्रता भाव भाजपा के लिए दूरगामी राजनीति में फायदेमंद ही साबित होगा। इसलिए नीतीश और भाजपा एक-दूसरे के लिए मजबूरी न सही, जरूरी अभी भी बने हुए हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री पद की दसवीं बार शपथ बिहार के 'सुशासन बाबू' के लिए 'अग्निपथ' से कम साबित नहीं होनेवाली।

भाजपा यह अहसास कराती रहेगी बड़ा दल होते हुए भी उसने उन्हें बार-बार मुख्यमंत्री बनाया है। 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुए नयी सरकार के शपथ ग्रहण में सबसे ज्यादा 14 मंत्री भाजपा कोटे से हैं। जदयू के हिस्से फिलहाल आठ मंत्री पद ही आये हैं। ऐसे में अधिक संख्या के साथ-साथ मलाईदार माने जानेवाले मंत्रालयों पर भाजपा की दावेदारी रहेगी और विधानसभा अध्यक्ष पद पर भी। चिराग पासवान का कद भी बिहार की राजनीति में बढ़ गया है। न तो चिराग की महत्वाकांक्षाएं किसी से छिपी हैं और न ही भाजपा से निकटता। नीतीश की शपथवाले दिन पटना में चिराग के 'शेर' वाले पोस्टर अनायास नहीं। चिराग की पार्टी लोक जनशक्ति (रामविलास) के हिस्से दो मंत्री पद आये हैं। नीतीश से खट्टे-मीठे रिश्तोंवाले उपेंद्र कुशवाहा और जीतनराम माझी भी बदले परिदृश्य में अलग राग नहीं आलापेंगे। दोनों के हिस्से एक-एक मंत्री पद आया है, जिस पर उन्होंने अपने-अपने बेटे को आसीन करा दिया है। राजग की जीत में निर्णायक भूमिका निभानेवाली महिलाओं को मंत्रिमंडल में फिलहाल 11 प्रतिशत जगह मिली है। 26 मंत्रियों में से तीन महिलाएं हैंः लेशी सिंह, श्रेयसी सिंह और रमा निषाद। मंत्रिमंडल में एकमात्र मुस्लिम चेहरा मोहम्मद जमा खान हैं। क्षेत्रीय संतुलन के लिए मंत्रिमंडल विस्तार की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। फिलहाल मंत्रिमंडल में मगल, मिथिला और अंग क्षेत्र का दबदबा है। इन्हें मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री मिले हैं।

उम्र के साथ लचीले होते गये नीतीश पर सबको साधते हुए चलने का दबाव रहेगा और चुनाव में किये गये वायदों पर अमल का भी। बिहार के जनादेश में चुनाव से पहले लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये ट्रांसफर करने और सरकार बनने पर दो लाख रुपये तक मिलने की आस की निर्णायक भूमिका रही है। एकतरफा जनादेश में ऐसे ही अन्य लोक लुभावन वायदों का भी योगदान रहा, जिन्हें पूरा कर पाना आसान हरगिज नहीं। लोक लुभावन योजनाएं (खासकर महिला केंद्रित) चुनाव जिताने में लगातार निर्णायक साबित हो रही हैं। इसीलिए 20 साल के शासन के बाद भी नीतीश को बिहार में अपने काम से ज्यादा वायदों का सहारा लेना पड़ा। वायदे तो विरोधियों ने भी कम नहीं किये थे, पर सत्ता में मौजूदगी और बेहतर साख से बाजी राजग के हाथ रही। अब चुनावी वायदों पर अमल की चुनौतियों से दो-चार होना पड़ेगा। सवाल सिर्फ नीतीश का नहीं है, हमारे राजनेता चुनावी बिसात बिछाते समय अर्थशास्त्र को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। बिहार की बदहाल अर्थव्यवस्था किसी से छिपी तो नहीं है। उसीके चलते तो वह गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और पलायन के दुष्चक्र में फंसा हुआ है।

फिर भी सत्ता की खातिर ऐसे वायदे कर दिये गये, जिन्हें पूरा कर पाना राज्य की अर्थव्यवस्था के बल पर तो संभव नहीं। आलम यह है कि हर बिहारी पर लगभग 27 हजार रुपये का कर्ज है और रोज लगभग 63 करोड़ रुपये ब्याज चुकाने में ही चले जाते हैं।

महिलाओं को दो लाख रुपये की सहायता राशि के अलावा एक करोड़ नौकरी और रोजगार का वायदा भी किया गया है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज, फैक्टरी और 10 औद्योगिक पार्क का वायदा है, तो 50 लाख नये मकान, मुफ्त राशन और 125 यूनिट मुफ्त बिजली का भी। चार नये शहरों में मेट्रो ट्रेन चलाने और ईबीसी जातियों को 10 लाख रुपये तक की सहायता का वायदा भी है। लगता है, जो 20 साल में नहीं किया जा सका, वह पांच साल में कर देने का इरादा है। माना कि केंद्र में भी राजग सरकार है, जो खुले हाथ से मदद दे सकती है, लेकिन देश में और भी राज्य हैं, जहां डबल इंजन की सरकार है और उनमें से कुछ में विधानसभा चुनाव अभी होने हैं। तब क्या रहा-सहा आधारभूत ढांचागत विकास भी चुनावी वायदों की भेंट चढ़ जायेगा और उन पर अमल के लिए कर्ज ले कर घी पीनेवाली प्रवृत्ति सिर चढ़ कर बोलेगी? जाहिर है, वह स्थिति दूरगामी दृष्टि से तो बिहार के हित में नहीं होगी।

## हार के बाद विपक्ष में हाहाकार

बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी महागठबंधन को मिली करारी हार ने राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की चूलें हिला दी है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दल, अब सार्वजनिक तौर पर अपने ही गठबंधन की खिल्ली उड़ाने लगे हैं। जिसे देखो वही विपक्ष की खोखली रणनीति पर अपना गुस्सा निकाल रहा है। महागठबंधन में देश में जितने भी दल हैं सब के सब गठबंधन की नाकामी का ठीकरा कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के सिर पर ही फोड रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की हुई करारी हार को कोई भी दल पचा नहीं पा रहा है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में इसने एनडीए का गणित ऐसा बिगाड़ा था कि बीजेपी अपने दम पर केंद्र की सत्ता में नहीं आ सकी। उक्त हार से सबक लेते हुए एनडीए की रणनीति ने विधानसभा चुनाव में बड़े-बड़े दावे करने वाले विपक्षी दलों को ऐसी पटकनी दी कि उन्हें अपनी लंगोटी बचानी मुश्किल पड़ गई। बिहार चुनाव में हार के बाद उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के निशाने पर कांग्रेस और राहुल गांधी आ चुके हैं। पार्टी के प्रवक्ता आनंद दुबे टीवी चैनलों पर घूम-घूम कर उनकी मिमिक्री कर मजाक उड़ा रहे हैं। दुबे का वीडियो सुर्खी बन चुका है। एक जगह वह कह रहे हैं, कि जब हम भंडारे में जाते हैं तो खाना खत्म हो जाता है और जब बाहर आते हैं तो चप्पल गायब हो जाता है। आम आदमी पार्टी (आप) यूं तो औपचारिक तौर पर इंडी गठबंधन से बाहर हो चुकी है। लेकिन,राष्ट्रीय स्तर पर उसके नेता हर महत्वपूर्ण मसले पर विपक्षी दलों को नसीहत देते फिर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय से ही इंडी अलायंस से 'आप' का रिश्ता कैसा रहा है, यह भी किसी से छुपा नहीं रह गया है। बिहार में नोटा को भी जिस पार्टी से 6 गुना ज्यादा वोट मिले हैं, उसने भी कांग्रेस और खासकर राहुल को बुरी तरह से लपेट कर सहयोगी दलों को सावधान करना शुरू कर दिया है। पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने एक टीवी डिबेट में कहा, 'यह हाई टाइम है कि कांग्रेस के सभी अलांयस पार्टनर यह मान लें कि....एक है 'रागा (राहुल गांधी) टच', उन्होंने छू दिया तो डूबना तय है। इंडी गठबंधन में दरार तभी नजर आ गई थी, जब झारखंड मुक्ति मोर्चा को सहयोगियों की बेरुखी की वजह से बिहार चुनाव लड़ने का मंसूबा त्यागना पड़ा था। पार्टी ने बड़े सहयोगी दलों पर उसके साथ किए वादे का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया था। उसके बाद से पार्टी के नेताओं ने कहा है कि गठबंधन में क्षेत्रीय दलों के साथ 'जूनियर पार्टनर' की तरह बर्ताव होता है। इससे दुखी हो कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी इंडी गठबंधन में अपनी भागीदारी को लेकर फिर से विचार कर रही है। कांग्रेस से शिकायत यूपी में समाजवादी पार्टी को भी कम नहीं है। पार्टी के नेता कह रहे हैं कि अखिलेश यादव ने बिहार में महागठबंधन के पक्ष में कई रैलियां कीं, कई स्टार प्रचारक भेजे, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी गई। बिहार में महागठबंधन को जिस तरह से हैंडल किया गया है, उसको लेकर पार्टी इंडिया अलायंस में सीरियस कोर्स करेक्शन की बात कहने लगी है। यह राज्यों में प्रभावशाली क्षेत्रीय दलों को अहमियत दिए जाने पर जोर दे रही है, जो सीधे-सीधे कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए किसी सियासी चेतावनी से कम नहीं मानी जा रही है।

## विधायिका और कार्यपालिका के बीच न्याय का संतुलन


आरके जैन

जब सुप्रीम कोर्ट की पाँच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने 20 नवंबर 2025 को अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया, तो पूरे देश में एक साथ दो ध्वनियाँ गूँज उठीं-एक, जो राहत की लंबी साँस की तरह थी, और दूसरी, जो खामोश, ठंडी आशंका की। यह कोई सामान्य आदेश नहीं था; यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में वह दुर्लभ क्षण था जब न्यायपालिका ने न केवल राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों पर नुकीली, संतुलित और निर्भीक चोट की, बल्कि उस प्राचीन संतुलन को हमेशा के लिए बदल डाला, जिसकी संरचना सदियों से अडिग मानी जाती थी। यह फैसला राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143(1) के तहत भेजे गए संदर्भीय प्रश्नों पर दिया गया था, जिसकी जड़ अप्रैल 2025 में तमिलनाडु राज्यपाल के खिलाफ आए फैसले में थी।

कोर्ट ने साफ-साफ कहा-राज्य विधेयकों पर कोई निश्चित समय-सीमा नहीं लगाई जा सकती, लेकिन अनंत काल तक टालना भी अब मंजूर नहीं। एक ही साँस में दो बड़े संदेश दिए गएः कार्यपालिका को उसकी स्वतंत्रता वापस मिली, विधायिका को उसकी गरिमा लौटाई गई। कोर्ट ने कहा, "हमारे संविधान में न तो पॉकेट वीटो की कोई जगह है, न ही विधेयकों को हमेशा-हमेशा के लिए लटकाने का अधिकार किसी को है।" यह वाक्य जितना शांत था, उतना ही भयंकर।

केरल के दो-तीन साल से लंबित विश्वविद्यालय विधेयकों से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब के दर्जनों कानूनों की किस्मत एक पल में बदल गई। कोर्ट ने अप्रैल 2025 के अपने ही फैसले में स्वीकार किए गए "स्वतः सहमति" के सिद्धांत को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। सबसे बड़ी बात यह थी कि कोर्ट ने समय-सीमा तय करने से साफ़ इनकार कर दिया। न 30 दिन, न 6 महीने, न एक साल। उसकी जगह उसने एक लचीला, पर अडिग सिद्धांत रखा-"हर मामले के तथ्यों के अनुसार उचित समय।" कोर्ट ने कहा, "राज्यपाल को खुद तय करना होगा कि कितना विलंब उचित है, , क्योंकि हम देख रहे हैं।" यह कोई ढील नहीं थी; यह न्यायिक बुद्धिमत्ता का चरम रूप था। कोर्ट की बातों में न केवल कठोरता थी, बल्कि एक मौन चेतावनी भी- जैसे हर शब्द अपने आप में शक्ति और विवेक का संदेश दे रहा हो। पीठ ने स्पष्ट कर दिया- राज्यपाल शक्ति का कोई स्वतंत्र भंडार नहीं हैं। वे पुल हैं, बाँध नहीं। वे केंद्र के एजेंट नहीं, संविधान के प्रति जवाबदेह अधिकारी हैं। अगर मंत्रिमंडल की सलाह के खिलाफ चलेंगे तो न्यायिक समीक्षा का दरवाज़ा हमेशा खुला रहेगा। कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा, "राज्यपाल न तो मौन दर्शक बन सकते हैं, न अवरोधक, और न ही खुद को सुपर-विधायिका समझ सकते हैं।" यह कोई साधारण वाक्य नहीं था; यह एक युग का अंतिम निशाना था। इसी तरह राष्ट्रपति के लिए भी अनुच्छेद 201 के तहत अनिश्चित विलंब अब न्यायिक समीक्षा के दायरे में आएगा। फिर भी सवाल उठते हैं-जब कोई तय समय-सीमा नहीं है, तो "उचित समय" कौन तय करेगा? क्या हर बार न्यायालय की चौखट पर दौड़ना पड़ेगा? क्या यह जिम्मेदारी बोझ नहीं बढ़ाएगी? ये प्रश्न वाजिब हैं। लेकिन कोर्ट ने जानबूझकर यही रास्ता अपनाया। क्योंकि समय-सीमा निर्धारित करना राज्यपाल को केवल घड़ी की सुई बना देता, जबकि संविधान निर्माताओं ने जान-बूझकर वह घड़ी हटा दी थी-ताकि असाधारण हालात में असाधारण विवेक काम कर सके। कोर्ट ने न तो किसी सख्त, तंग समय-सीमा को मान्यता दी, न ही असीमित स्वविवेक का रास्ता खुला छोड़ा-बल्कि भारत के अपने अनोखे तीसरे मार्ग की दिशा दिखाई, जो संतुलन और जिम्मेदारी का प्रतीक है। सबसे गहरी बात यह है कि यह फैसला सहकारी संघवाद को पुनर्जीवित करता है। पिछले दशक में राज्यपालों का कार्यालय जिस तरह राजनीतिक हथियार बन गया था, उसने केंद्र-राज्य संबंधों को जहर दे दिया था। अब कोर्ट ने साफ कर दिया-विधेयक रोकना कोई राजनीतिक हथियार नहीं, संवैधानिक दायित्व है।

## दरवाजे तक पहुंची कट्टर आतंक की मानसिकता


विवेक रंजन श्रीवास्तव

इतिहास के पन्ने पलटें तो यह भ्रम टूट जाता है कि आतंकवाद किसी अनपढ़ की देन है । दुनिया ने दो दशक पहले वह दिन देखा था जब अमेरिका की धरती पर आकाश की ऊंचाइयों में उड़ते हवाई जहाज पढ़े लिखे जाहिल लोगों के हाथों ही मौत के औजार बन गए थे । वे युवक मशहूर विश्वविद्यालयों में पढ़े थे, तकनीकी ज्ञान रखते थे, पश्चिमी समाज को समझते थे और उसी समझ का सहारा लेकर उन्होंने उस समाज पर वार किया था जिसने उन्हें प्रगति के अवसर दिए थे। शिक्षा और आधुनिकता की चमक के भीतर छिपे कट्टरपन ने दिखा दिया कि पढ़ा लिखा होना विवेक का पर्याय नहीं होता, बल्कि कभी कभी यह कट्टर मानसिकता को और अधिक सुसंगठित कर देता है। उसी कट्टरपंथी इतिहास की धमक हमारे दरवाजे तक आ पहुंची है। दिल्ली में लाल किले के पास जो ब्लास्ट की वारदात हुई, उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि घर का दीपक भी आग फैला सकता है।

डॉक्टर, जो जीवनदाता माने जाते हैं, जिनके पास जाते हुए मरीज अपना भय किनारे रख देता है, जिनके सफेद कोट को पवित्रता की पहचान माना जाता रहा है, वही अगर सामाजिक विश्वास को भेदने लगें तो यह न केवल सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि समाज की आत्मा के लिए भी पीड़ादायक है। ऐसी वारदात किसी एक व्यक्ति के अपराध से आगे बढ़कर व्यवस्था के भीतर छिपे उन दरारों का संकेत देती है जिनसे होकर कट्टर विचार मन में प्रवेश कर जाते हैं और धीरे धीरे किसी को ऐसी राह पर ले जाते हैं जहाँ वह अपनी शिक्षा और ज्ञान को विनाशकारी उद्देश्य में लगा देता है। जहां वह खुद अपनी जान की परवाह नहीं करता। दुनियां की सारी व्यवस्था इसी सिद्धांत पर आधारित है कि हरेक को उसकी जान प्यारी होती है। सारी बीमा योजनाये ही इसी सिद्धांत पर निर्भर हैं। यह मामला अधिक गंभीर इसलिए है क्योंकि पढ़े लिखे लोग जब कट्टर भावनाओं के बहाव में आ जाते हैं तो वे योजनाएं बनाते हैं, नेटवर्क तैयार करते हैं और अपनी योग्यता का दुरूपयोग करके उस गलत रास्ते को मजबूत करते हैं जिस पर हिंसा की फसल उगती है। शिक्षा उन्हें साधन देती है, लेकिन यदि मन विचलित हो जाए तो वही साधन विनाश के सूत्र बन जाते हैं। डॉक्टरों जैसे पेशेवरों के पास सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक सुरक्षा और ज्ञान की शक्ति होती है। इस कारण वे अपने आसपास के लोगों को भी प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। उनके भीतर कट्टरता का बीज यदि पनपता है तो यह साधारण अपराध की तुलना में कहीं अधिक घातक है। ऐसे लोगों के अपराध ज्यादा बड़े इसलिए माने जाने चाहिए क्योंकि वे समझ बूझ कर अपने कुटिल मकसद को अंजाम देते हैं। वास्तविक समस्या यह है कि हम शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित मान बैठे हैं।

हमने यह मान लिया कि ज्ञान का होना अपने आप में नैतिकता और विवेक का प्रमाण है। जबकि सच्चाई यह है कि मन के भीतर पैदा होने वाले खालीपन को कोई डिग्री नहीं भर सकती। जब पहचान खो जाती है, जब जीवन के तनाव दिशाहीन करते हैं, जब समाज से संवाद टूट जाता है, तब व्यक्ति ऐसे विचारों के लिए संवेदनशील हो जाता है जो उसे असंतोष का कोई झूठा समाधान देकर आकर्षित करते हैं। यही वह घड़ी होती है जहां आतंकवादी संगठन अपनी धूर्तता से ऐसे दिमागों को जाल में फंसाते हैं। समाज को अब यह स्वीकार करना होगा कि रोकथाम केवल सुरक्षा एजेंसियों का काम नहीं है। विश्वविद्यालयों को ऐसे वातावरण की आवश्यकता है जहां विचारों की पारदर्शिता हो, जहां संवाद की संस्कृति जीवित रहे, जहां असहमति को शत्रुता न समझा जाए। शिक्षा संस्थानों में नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं को उतना ही महत्व मिलना चाहिए जितना तकनीकी कौशल को।

डॉक्टरों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता और नियमित संवाद सत्र आवश्यक हैं ताकि भीतर जमा तनाव कट्टर सोच की खाद न बन जाए। धर्म और समुदाय के क्षेत्र में भी पारदर्शिता की जरूरत है। पुरानी धार्मिक किताबो की सही व्याख्या आवश्यक है। धार्मिक गुरुओं का यह दायित्व है कि वे अपने अनुयायियों में संवाद की रीति विकसित करें, जिज्ञासाओं को दबाने के स्थान पर उन्हें विवेकपूर्ण दिशा दें। समाज के भीतर ऐसे मंच विकसित होने चाहिए जहां व्यक्ति अपने मन की उलझनें खुले रूप में व्यक्त कर सके। कट्टरपंथ किसी धार्मिक तर्क से नहीं, बल्कि अकेलेपन, अवसाद, या उपेक्षा से जन्म लेता है।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि डिजिटल दुनिया ने कट्टरताओं को पंख दे दिए हैं। पढ़ा लिखा व्यक्ति तकनीकी दक्षता के कारण गलत सूचनाओं और उग्र विचारों के प्रभाव में तेजी से आ सकता है। इसलिए डिजिटल साक्षरता केवल तकनीक सीखना नहीं, बल्कि यह समझना भी होना चाहिए कि कौन सी सूचना हमें विवेक से दूर ले जा रही है और किस विचार के पीछे छिपा उद्देश्य हमारी पहचान को गलत दिशा में मोड़ रहा है। समाज में पुनर्स्थापन की व्यवस्था भी होनी चाहिए ताकि यदि कोई व्यक्ति गलत राह पर चल पड़ा है, तो उसे केवल दंड नहीं, बल्कि वापस लौटने की संभावना भी दी जाए। भय से नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण से ही व्यवस्था मजबूत होती है।

दिल्ली की घटना एक चेतावनी है कि आतंकवाद अपने रूप बदल रहा है। अब वह वंचितों या हिंसा को पेशा बनाने वालों तक सीमित नहीं रहा। वह सम्मानित पेशों के भीतर भी घुस सकता है, उनके रूप में छिप सकता है और समाज के विश्वास को हथियार बना सकता है। इसीलिए हमें अपने घर, अपने शिक्षण संस्थानों और अपने समाज की उन दरारों को पहचानना होगा जिनसे होकर कट्टरता भीतर प्रवेश करती है। तब ही हम उस भविष्य को सुरक्षित रख सकेंगे जहाँ डॉक्टर अस्पतालों में जीवन बचाते हुए दिखें, न कि विस्फोटक योजनाओं में संलिप्त हो। शिक्षा को ज्ञान का दीपक तब ही माना जा सकेगा जब उसके साथ मन का उजाला भी जुड़ा हो।

## ईएमआई पर लोकतंत्र


डॉ. सुरेश कुमार

मिसिरबाबू, आपको एक बार फिर लख-लख बधाइयाँ! आप उस राष्ट्रीय सर्कस से बच निकले हैं जिसका नाम है 'बिहार विधानसभा सत्र'। मुबारक हो कि आप अभी भी अपने विवेक की सीट पर सुरक्षित हैं, न कि 'ज़ोरदार नारेबाज़ी' की भगदड़ में वेल ऑफ़ द हाउस के मुँहाने पर खड़े हैं। जहाँ हज़ारों लोग 'जनता के मुद्दे' भूलकर एक-दूसरे पर 'व्यक्तिगत वार' करने की ईएमआई बाँध चुके हैं, वहाँ आप मौन होकर लोकतंत्र की इज्जत बचा रहे हैं। क्या बेहतरीन क़िस्मत और क्या मज़बूत आत्म-संयम! आप उस 'सदन के शोर-शराबे' में कुचले नहीं गए, जहाँ देशभक्ति का सर्टिफ़िकेट अब आपके चीख़ने की क्षमता से तय हो रहा है। बड़ी बात है। निज़ाम ने 'विकास' और 'विवाद' का ऐसा कॉकटेल बनाया, और टीवी चैनलों ने आपकी आवाज़ दबाकर 'सत्ता बनाम विपक्ष' का ड्रामा बेचने के सौ तरीक़े ईजाद किए, फिर भी आपकी 'शालीनता की पूंजी' सुरक्षित है!

आजकल की विधानसभाओं में एक नया ट्रेंड चल पड़ा है, मिसिरबाबू। सदन में 'जनता की सेवा' कम होती है, मगर 'भावनात्मक ड्रामा' और 'पारिवारिक कलह' का सीधा प्रसारण ज़्यादा होता है। बिहार चुनाव के बाद हमने देखाः नेताजी की बेटी ने ट्विटर पर राजनीतिक 'संन्यास' की घोषणा कर दी! यह किसी गंभीर नीतिगत मतभेद के कारण नहीं, बल्कि 'अपनों' द्वारा दरकिनार किए जाने के दुःख में था। यह संन्यास नहीं, बल्कि एक 'डिजिटल धमकी' है। सोचिए, एक विधायक (जो अभी तक विधायक नहीं बना) की कुर्सी छोड़ने की ख़बर, किसान के क़र्ज़ माफ़ी की ख़बर से ज़्यादा टीआरपी बटोर रही है। अब विधानसभा, लोकतंत्र का मंदिर कम और एक बड़ा 'पारिवारिक रियालिटी शो' ज़्यादा बन गई है। बाहर जनता को सड़क, पानी, बिजली चाहिए, और अंदर नेताजी के घर की लड़ाई को संसद-टीवी पर 'ब्रेकिंग न्यूज़' बना दिया जाता है!

चुनाव होते ही सबसे पहला काम क्या होता है, मिसिरबाबू? हार स्वीकारना? नहीं! नया ट्रेंड हैः 'ईवीएम और वोट-चोरी' का रोना। बिहार चुनाव में विपक्ष ने 200 से अधिक सीटें हारने के बाद भी यही किया। उनका तर्क है कि हमारी रैलियों में भीड़ थी, हमारी जनसभाओं में हुजूम था, तो फिर यह हार हुई कैसे? ज़रूर यह 'तकनीकी गड़बड़ी' है! यह 'वोट-चोरी' नहीं, बल्कि 'जनता-विरोधी निर्णय' को स्वीकारने का साहस न होना है। नेताजी यह नहीं कहेंगे कि हमारा नेतृत्व कमज़ोर था, हमारा चेहरा फीका पड़ गया। वे सीधे कहेंगेः निज़ाम ने 'सीक्रेट इन्फ़ोर्मेंट' का इस्तेमाल करके यादव और मुस्लिम समुदायों के वोट हटा दिए हैं! यह चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' है, जहाँ आप हार को पचा नहीं पाते, तो उस पर 'डिजिटल हैकिंग' का आरोप लगा देते हैं।

वोट से ठीक पहले सीधे आपके खाते में 'सरकारी मेहरबानी' ट्रांसफर करवाना। सरकार इसे 'कल्याणकारी योजना' कहती है, पर यह सीधे-सीधे 'वोट खरीदो, पुण्य कमाओ' की स्कीम है। अब विधानसभा में यह सवाल नहीं पूछा जाता कि स्कूल क्यों नहीं बना? सवाल यह होता है कि 'मेरी सरकार ने तुम्हें कितना दिया?' यह राजनीति नहीं, एक 'थोक उपभोक्तावाद' है, जहाँ नागरिक 'वोटर' नहीं, बल्कि 'ग्राहक' बन जाता है, जो अगले कैश-बैक ऑफर का इंतज़ार करता है। और आप जैसे विवेक वाले लोग बस 'नोटा' का बटन दबाकर अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं। बिहार के चुनावी नतीजों के बाद भी अजीबोगरीब सस्पेंस जारी है। गठबंधन ने प्रचंड जीत हासिल कर ली, मगर मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस पर दिल्ली-पटना में खींचतान चलती रहती है। एक नेता दूसरे नेता को 'सबसे बड़े नेता' का टैग देता है, मगर मन ही मन दोनों जानते हैं कि यह कुर्सी 'शतरंज की बिसात' पर रखी है। यह जनता के लिए नहीं, बल्कि 'आंतरिक सौदेबाजी' के लिए है। एक तरफ 'जंगलराज' को नकारने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, दूसरी तरफ 'सबसे ज़्यादा आपराधिक रिकॉर्ड वाले विधायक' चुनकर विधानसभा में पहुँच जाते हैं। यह दिखाता है कि हमारी विधानसभाएँ 'आदर्शों' से नहीं, बल्कि 'आंकड़ों' और 'आपराधिक दबदबे' से चलती हैं। मिसिरबाबू, अपनी सीट पर आप जितना शांत बैठे रहेंगे, उतनी ही तेज़ी से आप 'डिजिटल विस्मृति' की ओर बढ़ेंगे। आपका विवेक आपको संसद-कूप में कूदने से बचा रहा है, मगर क्या यह आपकी राजनीतिक ज़िंदगी बचा पाएगा? ईएमआई का जाल भी यहीं है, सोशल प्रेशर भी, ट्रोल करने वाली फ़ौज भी यहीं है, और 'चिल्लाने वाली ब्रिगेड' की अगली भर्ती भी जल्द शुरू होगी। उसका 'राजनीतिक बुलडोज़र' भी यहीं है।

## बाल साहित्य और बच्चे


राजकुमार जैन राजन

यदि हम चाहते हैं कि देश का भविष्य उज्ज्वल हो तो हमें बालकों के व्यक्तित्व विकास की ओर ध्यान देना होगा क्योंकि आज के बच्चे ही कल देश के कर्णधार होंगे। बच्चों का जिज्ञासु मन कल्पना की उड़ान भरता है। उसके शांत मन में उथल - पुथल भी जारी रहती है।मन में उठते स्वभाविक सवालों अथवा जिज्ञासाओं को अभिभावक या अध्यापक अक्सर टाल जाते हैं। परिणामतः बच्चे के व्यक्तित्व के स्वतंत्र विकास का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला होती है और माता - पिता उस बालक के प्रथम शिक्षक। बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण का बीजारोपण परिवार से ही होता है।

शिक्षित और संस्कारवान अभिभावक व शिक्षक बालकों में काफी हद तक संस्कार सृजन का प्रयास करते हैं। उनकी जिज्ञासाओं को शांत करते हैं। उन्हें संयमित और धैर्यवान बनने की प्रेरणा देते हैं।यह अभिभावक, शिक्षक तथा उनकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि वे बच्चे को किस सीमा तक विकसित कर पाते हैं।

आज गांव से लेकर शहरों तक मोबाइल, टी. वी., कम्प्यूटर, इंटरनेट ने बच्चों और बड़ों को अपने जाल में ऐसा जकड़ लिया है कि वे इसी में अपनी खुशियां ढूंढने में लगे हैं।

इस कारण बच्चे तो जब देखो तब मोबाइल, टी. वी. या कम्प्यूटर स्क्रीन से चिपके ही नज़र आते हैं। नतीजतन उन्हें प्रतिदिन कई क्रूरता और हिंसा भरे दृश्य देखने को मिल रहे हैं। निरन्तर इस तरह के दृश्यों को देखते हुए बच्चे संवेदनशून्य हो रहे हैं।

वे हिंसक, आक्रामक, एकाकी और चिड़चिड़े हो रहे हैं। बच्चों ने बाहर मैदानों में खेलना छोड़ दिया है। रिश्तों का सम्मान करना उनके मन से समाप्त होता जा रहा है। बच्चों के दिलों में उतरती हिंसा, बढ़ते अवसाद और खोते जा रहे मानवीय मूल्यों को नियंत्रित करने वाले नैतिक और मानवीय दायित्वों का न कोई अर्थ रह गया है न कोई संदर्भ। पैसा कमाकर सारी सुख-सुविधाएं जुटा लेने की एक अंधी दौड़ जारी है।अभिभावकों के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। बच्चे घर में रहते हुए भी अकेले हैं।स्नेह और मार्गदर्शन के अभाव में उनमें नकारात्मक भाव खूब विकसित हो रहे हैं। ऐसे माहौल के हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि बच्चों का विचार तंत्र समुचित तरीके से विकसित हो। उनमें सोचने, समझने, अच्छे संस्कार पाने के लिए सद्साहित्य को पढ़ने के लिए ललक पैदा हो। आज चैनलों पर, पत्र- पत्रिकाओं में, बालसाहित्य की गोष्ठियों और बाल कल्याण के आयोजनों में यह बहस अक्सर होती है कि नये समय और नये तकनीकी- विस्फोट ने बच्चों के लिए विचलित होने की परिस्थितियां पैदा की हैं। अब समय का चक्र पीछे तो नहीं मोड़ा जा सकता है।

कम्प्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, टी. वी., सिनेमा आदि के जरिये जो तरह- तरह की दुनिया खुलती है, उसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के भाव हैं। यहीं पर अभिभावक और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इन बच्चों को स्नेह, साथ चाहिए ... आपका सम्बल चाहिए। बच्चों के लिए आवश्यक संसाधन जुटा देना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें भावनात्मक व आत्मीय साथ भी चाहिए। बच्चों को समझाना होगा कि आभासी दुनिया और वास्तविक दुनिया में क्या फर्क है। उनमें मित्रता, सहभागिता, सहयोग, अनुशासन, आत्मविश्वास आदि के जरूरी बीज बोने होंगे और इस कार्य में 'बालसाहित्य' ही अहम भूमिका निभा सकता है, निभा रहा हैं। बालसाहित्य बच्चों की कल्पनाशीलता तथा मानसिक क्षितिज को विकसित करने में सहायक होता है। बच्चों में बेहतर संस्कार एवम चरित्र निर्माण के साथ ही नई पीढ़ी के निर्माण में बालसाहित्य की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

'बालसाहित्य' से आशय बच्चों के लिए लिखा जाने वाला, बाल मनोविज्ञान की समझ के साथ, बालमन की अभिव्यक्ति करने वाला साहित्य है। बालसाहित्य वही कहा जायेगा जिसमें बालकों के कोमल मन जे साथ- साथ उनके परिवेश की यथार्थ अभिव्यक्ति हुई हो। जिसे बालक सहज रूप से पसंद करे। आज प्रचुर मात्रा में बालसाहित्य प्रकाशित हो रहा है। बावजूद इसके बच्चों तक 'उत्कृष्ट बालसाहित्य' नहीं पहुंच पा रहा है। इसके लिए सीधा - सीधा दोष पालकों, शिक्षकों व रचनाकारों का भी है।

अधिकांश अभिभावक अपने बच्चों को महंगे इलैक्ट्रोनिक खिलौने, गेम्स, कपड़े, टू मिनिट नूडल, लेज़ तो खरीद कर दे देते हैं लेकिन स्वस्थ मनोरंजन के लिए अच्छी बाल पत्रिकाएं अथवा पुस्तकें खरीद कर नहीं देते। बच्चों को जब किताबें उपहार में दी जाती हैं तो उन्हें एक अजीब किस्म के फीके से उत्साह से ही स्वीकार किया जाता है।

जब प्रौढ़ आयु के अभिभावकों, शिक्षकों में ही पुस्तकों के पठन - पाठन की रुचि का अभाव है तो बालकों में पुस्तकों के पठन, पाठन के प्रति रुचि कैसे उत्पन्न की जा सकती हैं ? सबसे पहली आवश्यकता पठन -पाठन की परंपरा को एक आंदोलन के रूप में पुनर्जिवित करने की है। बालकों में पुस्तकों के प्रति रुचि नहीं है तो उनके प्रति वितृष्णा भी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों के आस -पास इस तरह का वातावरण निर्मित किया जाए कि वे स्वतः पुस्तकों की और आकृष्ट हों, उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित हों।

# जगन्नाथ पुरी मंदिर के चारों द्वार का चार युग से है गहरा संबंध

ओडिशा का जगन्नाथ पुरी मंदिर भक्ति और भव्यता की एक अनोखी मिसाल है। जगन्नाथ जी को कलियुग का भगवान कहा जाता है और उनके मंदिर से जुड़ी बहुत सी रहस्यमयी और अद्भुत बातें हैं जो हर किसी को हैरान कर देती हैं। मंदिर के चारों द्वारों को लेकर भी कुछ अनोखी मान्यताएं हैं। कहा जाता है कि जगन्नाथ पुरी मंदिर के चारों द्वार सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग को दर्शाते हैं। पुरी का जगन्नाथ चारधाम में से एक है और यहां भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं। जगन्नाथ धाम को पुराणों में पृथ्वी का बैकुंठ धाम कहा जाता है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा और भव्य मंदिर है लेकिन इस मंदिर की मुख्य गुंबद की छाया किसी भी समय अदृश्य रहती है। आइए जानते हैं मंदिर के चार द्वार के बारे में...

**जगन्नाथ मंदिर का पहला द्वार**

सबसे पहले बात करते हैं पूर्व दिशा के द्वार की, जिसे सिंह द्वार कहा जाता है। यह मंदिर का मुख्य द्वार है और इसे मोक्ष का प्रतीक माना गया है। जब कोई भक्त इस द्वार से मंदिर में प्रवेश करता है, तो ऐसा कहा जाता है कि उसकी आत्मा पवित्र हो जाती है। इसी द्वार के सामने प्रसिद्ध अरुण स्तंभ स्थित है, जिस पर भगवान सूर्य के सारथी अरुण देव की मूर्ति है। मान्यता है कि इस स्तंभ को देखने मात्र से ही शुभ फल प्राप्त होते हैं।

**जगन्नाथ मंदिर का दूसरा द्वार**

अब आते हैं दक्षिण दिशा के द्वार पर, जिसे अश्व द्वार या विजय द्वार कहा जाता है। प्राचीन काल में जब राजा या योद्धा युद्ध के लिए जाते थे, तो वे इसी द्वार से होकर मंदिर में प्रवेश करते थे और भगवान जगन्नाथ से विजय की कामना करते थे। इसीलिए इसे विजय का प्रतीक माना गया है। यह द्वार शक्ति, साहस और सफलता का प्रतीक है।

**जगन्नाथ मंदिर का तीसरा द्वार**

तीसरा द्वार है पश्चिम दिशा में स्थित हस्ति द्वार, यानी हाथी द्वार। यह द्वार समृद्धि और सुख का प्रतीक है। इस द्वार पर भगवान गणेश की मूर्ति विराजमान है, जो विघ्नहर्ता और समृद्धि के देवता माने जाते हैं। भक्त मानते हैं कि इस द्वार से प्रवेश करने पर जीवन में धन, ज्ञान और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

**जगन्नाथ मंदिर का चौथा द्वार**

अंत में आता है उत्तर दिशा का व्याघ्र द्वार, जिसे बाघ द्वार भी कहा जाता है। यह द्वार धर्म और संरक्षण का प्रतीक है। इसे भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार को समर्पित माना जाता है, जो अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक हैं। यह द्वार हमें सिखाता है कि धर्म की रक्षा करना ही सच्चे जीवन का उद्देश्य है। इन चारों द्वारों के माध्यम से जगन्नाथ मंदिर जीवन के चार सिद्धांतों मोक्ष, विजय, समृद्धि और धर्म का संदेश भी देता है। यही कारण है कि जगन्नाथ मंदिर केवल एक तीर्थस्थान नहीं, बल्कि जीवन दर्शन का प्रतीक माना जाता है।

# 28 नवंबर को शनि ग्रह बदलेगा चाल

## मीन राशि में शनि वक्री से हो जाएगा मार्गी, सभी 12 राशियों पर बदलेगा इस ग्रह का असर

28 नवंबर को शनि ग्रह मीन राशि में मार्गी हो रहा है। इस समय शनि मीन राशि में वक्री है यानी पीछे की ओर चल रहा है। जब ये मार्गी होगा, तब फिर से आगे की बढ़ने लगेगा। ये ग्रह 13 जुलाई को वक्री हुआ था। शनि की चाल बदलने का असर सभी 12 राशियों पर होगा। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा से जानिए मार्गी शनि का सभी 12 राशियों पर कैसा असर रहने वाला है...

**मेष राशि**

आने वाले समय में व्यय कम होंगे। विदेश यात्राएं हो सकती हैं। शनि आपकी राशि से बारहवें भाव में सीधी चाल चलेगा। आपको अपनी सेहत का खास ख्याल रखना होगा।

**वृषभ राशि**

शनि ग्यारहवें भाव में मार्गी होगा। ये स्थिति आर्थिक दृष्टिकोण से शुभ है; आपकी आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने निवेश से लाभ मिलेगा और बड़े भाई-बहनों से सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

**मिथुन राशि**

शनि दसवें भाव में मार्गी हो रहा है। इस कारण कार्यक्षेत्र में चल रही उथल-पुथल शांत होगी; नौकरी में स्थायित्व आएगा, पदोन्नति के योग बनेंगे और पिता के साथ संबंधों में सुधार देखने को मिलेगा।

**कर्क राशि**

शनि नौवें भाव में सीधी चाल चलेगा, जिससे भाग्य का साथ मिलेगा; धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, लंबी दूरी की यात्राएं होंगी और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आ रही बाधाएं समाप्त होंगी।

**सिंह राशि**

शनि आठवें भाव में मार्गी होगा। इन लोगों को थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। हालांकि मार्गी होने से अचानक आने वाले संकटों में कमी आएगी और ससुराल पक्ष से चल रहे तनाव सुलझेंगे।

**कन्या राशि**

शनि सातवें भाव में मार्गी होगा, इससे दांपत्य जीवन और साझेदारी के व्यापार में स्थिरता आएगी; पति-पत्नी के बीच चल रहे मतभेद दूर होंगे और विवाह के योग्य व्यक्ति के लिए नया रिश्ता आने की संभावना बनेगी।

**तुला राशि**

शनि छठे भाव में मार्गी होगा। शत्रुओं और रोगों पर विजय मिलेगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है और पुराने कर्जों से मुक्ति मिलने की राह आसान होगी, नौकरी पेशा लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

**वृश्चिक राशि**

शनि आपकी राशि से पांचवें भाव में मार्गी होगा; ये समय संतान पक्ष से शुभ समाचार दिलाएगा। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा और प्रेम संबंधों में जो गलतफहमियां थीं, वे अब दूर होंगी और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**धनु राशि-** शनि देव चौथे भाव में मार्गी होंगे, जिससे पारिवारिक कलह शांत होगा और माता के स्वास्थ्य में सुधार आएगा; यदि आप कोई संपत्ति या वाहन खरीदने का विचार कर रहे थे, तो उसमें आ रही अड़चनें अब दूर होंगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है।

**मकर राशि**

राशि स्वामी शनि आपकी राशि से तीसरे भाव में मार्गी हो रहे हैं, जिससे आपके पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी; छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और आपके द्वारा किए गए प्रयासों का अब पूरा फल प्राप्त होगा, ये समय आपके आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

**कुंभ राशि**

राशि स्वामी शनि दूसरे भाव में मार्गी होंगे, जिससे आपकी साढ़ेसाती का अंतिम चरण थोड़ा राहत भरा होगा; वाणी में कठोरता कम होगी, संचित धन में वृद्धि होगी और परिवार में चल रहा पैतृक संपत्ति का विवाद सुलझने के आसार बनेंगे।

**मीन राशि**

शनि आपकी ही राशि यानी प्रथम भाव में मार्गी हो रहे हैं, साढ़ेसाती का मध्य चरण चल रहा है; मार्गी शनि आपके मानसिक तनाव को कम करेंगे, आपके व्यक्तित्व में गंभीरता लाएंगे और आप अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक स्पष्ट और अनुशासित महसूस करेंगे। स्वास्थ्य में भी सुधार देखने को मिलेगा।

# चंद्रकूप मंदिर का चमत्कारी कुआं!

## जिसमें झांककर होती है जीवन और मृत्यु की भविष्यवाणी

काशी, जिसे भगवान शिव की नगरी कहा जाता है, वहां मंदिरों की कमी नहीं है। जितने मंदिर काशी में भगवान शिव के मिल जाएंगे, उतने ही मंदिर मां पार्वती के अलग-अलग रूपों में मिल जाएंगे। वाराणसी में एक ऐसा चमत्कारी मंदिर है, जहां मात्र कुएं में झांकने से पता चल सकता है कि मृत्यु कब होगी? दूर-दूर से भक्त इस कुएं में अपनी परछाई देखने के लिए आते हैं।

**100 साल पुराना है वाराणसी का चंद्रकूप मंदिर**

वाराणसी में प्राचीन मां सिद्धेश्वरी का मंदिर मौजूद है, जिसे बहुत कम लोग ही जानते हैं। मंदिर को चंद्रकूप मंदिर और चंदेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। ये मंदिर विश्वनाथ गली के पास, सिद्धेश्वरी मोहल्ले में स्थित है। मंदिर को 100 साल से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है।

**स्वयं प्रकट हुई थीं मां सिद्धिदात्री**

ये मंदिर मां दुर्गा के नौवें रूप, मां सिद्धिदात्री को समर्पित है। माना जाता है कि मंदिर में विराजमान मां सिद्धियों की देवी हैं और उनकी प्रतिमा स्वयं प्रकट हुई थी। मंदिर के गर्भगृह में मां के साथ चांदी के शिवलिंग के रूप में भगवान सिद्धेश्वर महादेव विराजमान हैं।

मंदिर में प्रवेश द्वार पर भगवान विष्णु और छोटे से परिसर में भगवान शिव का शिवलिंग भी विराजमान है। मंदिर बहुत प्राचीन है, जिसमें देखरेख के साथ बदलाव किए जा रहे हैं। इसी मंदिर के परिसर में चंद्रकूप है, जो बाकी कुओं से अलग है।

चंद्रकूप से ऐसे होती है भविष्यवाणी

माना जाता है कि मंदिर में सभी भक्तों को कुएं में झांक कर अपने प्रतिबिंब को देखना चाहिए। अगर कुएं में खुद का प्रतिबिंब दिखता है, तो ये संकेत है कि उम्र दीर्घायु होगी, लेकिन अगर प्रतिबिंब नहीं दिखता, तो ये माना जाता है कि आने वाले 6 महीनों में मृत्यु की आशंका है।

**मृत्यु भय खत्म करने का उपाय**

भक्तों का ये भी मानना है कि प्रतिबिंब न दिखने पर रोजाना कुएं के पास आकर भगवान का नाम जप कर अपने प्रतिबिंब को देखना चाहिए, इससे मृत्यु का भय कम होता है। भगवान चंदेश्वर भगवान शिव का ही रूप हैं, जो गर्भगृह में सिद्धेश्वरी के साथ विराजमान हैं।

**चंद्र देव ने किया था कुएं का निर्माण**

कुएं को लेकर किंवदंतियां भी मौजूद हैं। कहा जाता है कि कुएं का निर्माण खुद चंद्र देवता ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए किया था। उन्होंने भगवान शिव से कुएं को गुण प्रदान करने की प्रार्थना की थी। सोमवार, पूर्णिमा और अमावस्या के दिन भक्त मंदिर में आकर इसी जल से भगवान चंदेश्वर की पूजा करते हैं और सभी दुखों और बीमारियों से मुक्ति पाने की प्रार्थना करते हैं।

# दादी की सीख ने हेयरस्टन को बना दिया संगीत का जादूगर

हेयरस्टन का जन्म उत्तरी कैरोलिना में हुआ था। कम उम्र में ही उनके पिता का देहांत हो गया। मां काम पर जातीं तो देखभाल उनकी दादी करतीं। कई बार दादी की जान-पहचान वाली महिलाएं आतीं और वे दक्षिणी अमरीका के जीवन गीत गुनगुनातीं। नन्हे हेयरस्टन को यह सब बहुत अच्छा लगता था। उसकी दादी अपनी मित्रों के साथ वृक्षों पर बातें करतीं। कम उम्र में ही हेयरस्टन ने ठान लिया कि वह अपनी दादी की बातों को संगीत के माध्यम से विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाएगा।

पढ़ाई के बाद बचा हुआ समय हेयरस्टन संगीत में लगाता। स्कूली शिक्षा समाप्त करने के बाद हेयरस्टन ने अपने संगीत को व्यावसायिक रूप देना चाहा, लेकिन नीग्रो होने के कारण लोग उन पर व्यंग्य कसते। इन सबसे बेखबर जेस्टर हेयरस्टन दिन-रात स्वयं को निखारने में लगे रहे। एक दिन एक कम्पनी ने उनके हुनर को पहचान कर उन्हें अवसर दिया। इसके बाद उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। हेयरस्टन के गीतों के जादू ने कुछ ही समय में पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना दिया।

पढ़ाई के बाद बचा हुआ समय हेयरस्टन संगीत में लगाता। स्कूली शिक्षा समाप्त करने के बाद हेयरस्टन ने अपने संगीत को व्यावसायिक रूप देना चाहा, लेकिन नीग्रो होने के कारण लोग उन पर व्यंग्य कसते। इन सबसे बेखबर जेस्टर हेयरस्टन दिन-रात स्वयं को निखारने में लगे रहे। एक दिन एक कम्पनी ने उनके हुनर को पहचान कर उन्हें अवसर दिया। इसके बाद उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। हेयरस्टन के गीतों के जादू ने कुछ ही समय में पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना दिया।

संघर्ष में तप कर जेस्टर हेयरस्टन पूरे विश्व में छा गए। एक दिन एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, ''सच-सच बताइए, क्या शिखर पर पहुंचने से पहले आपको कभी जातीय पक्षपात का शिकार होना पड़ा?''

इस पर जेस्टर मुस्करा कर बोले, ''बहुत बार। बार-बार, बल्कि जीवन भर। परंतु मैं कोई कारण नहीं देखता कि मुझे अपने संगीत को भूलकर इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। संगीत की कोई जाति नहीं होती। जो उसे मन से अपनाता है, वह उसका साथी बन जाता है।'' यह सुनकर वह व्यक्ति उनके प्रति श्रद्धा से भर उठा।

# सरदार पटेल की युवावस्था से सीखें हर कठिनाई में अवसर तलाशने की कला

विद्यार्थियों की एक टोली पढ़ने के लिए रोजाना अपने गांव से छह-सात मील दूर दूसरे गांव जाती थी। एक दिन जाते-जाते अचानक विद्यार्थियों को लगा कि उनमें से एक विद्यार्थी कम है। ढूंढने पर पता चला कि वह पीछे रह गया है। देखा तो वह रास्ते में ही पीछे रुका हुआ था। उसे रुका देखकर एक विद्यार्थी ने आवाज लगाई, ''तुम वहां क्या कर रहे हो?''

उस विद्यार्थी ने वहीं से उत्तर दिया, ''ठहरो मैं अभी आता हूं।'' यह कह कर उसने धरती में गड़े एक खूंटे को पकड़ा, जोर से हिलाया, उखाड़ा और एक ओर फैंक दिया। इसके बाद वह संतुष्ट मन से फिर अपनी टोली में आ मिला। उसके एक साथी ने पूछा, ''तुमने वह खूंटा क्यों उखाड़ा? इसे तो किसी ने खेत की हद बताने के लिए गाड़ा था।''इस पर विद्यार्थी बोला, ''लेकिन वह बीच रास्ते में गड़ा हुआ था। चलने में रुकावट डालता था। जो खूंटा रास्ते की रुकावट बने, उस खूंटे को उखाड़ फैंकना चाहिए।'' वह विद्यार्थी और कोई नहीं बल्कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल थे। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने युवावस्था में ही राष्ट्र और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित करने का निर्णय लिया था।

# श्रीराम, सीता और देवराज इंद्र के पुत्र जयंत का किस्सा

## गलती स्वीकार करने की क्षमता विकसित करें, जिसके साथ गलत किया है, उसी से क्षमा मांगें

रामायण में श्रीराम, सीता देवराज इंद्र के पुत्र से जुड़ा किस्सा है। वनवास के समय में श्रीराम-सीता और लक्ष्मण चित्रकूट में रह रहे थे। देवराज इंद्र के पुत्र जयंत को इस बात का अहंकार था कि उसके पिता देवराज इंद्र है और वह स्वर्ग का राजकुमार है। उसे लगता था कि उसके किसी भी कार्य का कोई उसे दंड नहीं दे सकता है। एक दिन जयंत ने सोचा कि श्रीराम कितने शक्तिशाली हैं, ये बात जानने के लिए उनकी परीक्षा लेनी चाहिए। जयंत ने कौए का रूप धारण किया और उड़कर सीता माता के पास पहुंच गया। श्रीराम और सीता माता शांत भाव से बातचीत कर रहे थे। तभी कौए के वेश में जयंत ने सीता के चरणों में चोंच मार दी। सीता को अचानक पीड़ा हुई।

सीता को चोट लगी, देवी को दुखी देखकर श्रीराम ने एक साधारण तिनका उठाया, उसे मंत्रबल से अभिमंत्रित करके कौए की ओर छोड़ दिया। वह साधारण तिनका ब्रह्मास्त्र की तरह जयंत का पीछा करने लगा। भयभीत होकर जयंत अपनी असली पहचान में लौट आया और इधर-उधर भागने लगा।

सबसे पहले वह अपने पिता इंद्र के पास पहुंचा और मदद मांगने मांगा, लेकिन इंद्र ने कहा कि अपराध तुमने श्रीराम और सीता के प्रति किया है, इसलिए मैं तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकता। जयंत अन्य देवताओं के पास गया, लेकिन किसी ने उसकी सहायता नहीं की।

थका-हारा जयंत नारद जी के पास पहुंचा। नारद जी ने पूरी घटना सुनी, उस समय तिनके का बाण उनके कारण कुछ समय थम गया था। नारद ने जयंत को समझाया कि गलती तुमने की है और क्षमा भी तुम्हें श्रीराम से ही मांगनी होगी। कोई दूसरा तुम्हें नहीं बचा सकता।

जयंत समझ गया कि वही गलती का कारण है। वह तुरंत श्रीराम के पास पहुंचा और क्षमा याचना की। श्रीराम ने करुणा दिखाई और कहा कि तुम्हें तुम्हारी गलती का दंड तो मिलेगा, लेकिन मृत्यु दंड नहीं। श्रीराम ने उसकी एक आंख में तीर लगाया और उसे जीवित रहने दिया। इस प्रकार जयंत को उसके अहंकार और भूल का दंड मिल गया।

ये कथा हमें बताती है कि जीवन में जब भी हम किसी के साथ गलत करें, तो सबसे पहले उसी व्यक्ति से क्षमा मांगना हमारा कर्तव्य है। जिम्मेदारी से भागना समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और बढ़ाता है।

**गलती स्वीकार करने की क्षमता विकसित करें**

जीवन में गलतियां होती हैं, लेकिन उन्हें न मानना बड़ी गलती बन जाता है। अपने कार्यों की, अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लें। इससे आत्मविश्वास और विश्वसनीयता दोनों बढ़ती हैं।

**जिसके साथ गलत किया है, उसी से क्षमा मांगें**

कई लोग अपनी गलती का जिक्र दूसरों के सामने करते हैं, लेकिन उस व्यक्ति से क्षमा नहीं मांगते है, जिसके साथ उन्होंने गलत किया है। समाधान तभी होगा, जब हम सीधा उस व्यक्ति तक पहुंचेंगे, जिसके साथ हमने कुछ गलत किया है। ऐसा करने से संबंधों में ईमानदारी और पारदर्शिता बनी रहती है।

**अहंकार निर्णय क्षमता को बिगाड़ता है**

जयंत का अहंकार उसे विनाश की ओर ले गया। उसी प्रकार जीवन में अहंकार हमें सच्चाई से दूर और गलत रास्ते पर ले जाता है। विनम्रता सफलता का मार्ग खोलती है।

**समस्याओं से भागने की बजाय उनका सामना करें**

परेशानी से भागने पर राहत नहीं मिलती, बल्कि समस्या और बड़ी हो जाती है। साहस जुटाकर समस्या का सामना करें। ये गुण नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास दोनों में जरूरी है।

गलती को सुधारने की नीयत रखें, न कि सिर्फ बच निकलने की

कई लोग सिर्फ दंड से बचने के लिए क्षमा मांग लेते हैं, लेकिन असली सुधार तभी होता है जब क्षमा दिल से मांगी जाए और व्यवहार परिवर्तन में दिखे।

**सही मार्गदर्शन का महत्व समझें**

जैसे नारद ने जयंत को सही सलाह दी, वैसे ही जीवन में समय पर उचित मार्गदर्शन हमें बड़ी परेशानियों से बचा सकता है। गुरु, मेंटर या समझदार मित्रों की बात ध्यान से सुनें।

**दंड से डरने की बजाय सीखने पर ध्यान दें**

हर दंड या परिणाम हमें कुछ सिखाने आता है। उसे सीख के रूप में स्वीकार करें और आगे के जीवन को बेहतर बनाएं।

**सही काम करने की आदत डालें**

अच्छे काम पुरानी गलतियों को मिटा नहीं सकते हैं, इसलिए गलत काम न करना और यदि गलती हो जाए तो तुरंत सुधार करें, यही असली जीवन प्रबंधन है।

# मिस यूनिवर्स के खिताब से चूकीं भारत की मनिका विश्वकर्मा, डांसर और पेंटर हैं मॉडल

थाईलैंड में मिस यूनिवर्स 2025 का आयोजन हुआ। इसमें मैक्सिको की मॉडल फातिमा बॉश ने जीत दर्ज की। पेजेंट में दुनियाभर की सुंदरियों के साथ भारत की मनिका विश्वकर्मा ने भी हिस्सा लिया। उनका ताल्लुक राजस्थान से है। इस बार मिस यूनिवर्स की प्रतियोगिता में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह पेजेंट के टॉप 12 पार्टिसिपेंट्स में जगह नहीं बना सकीं। टॉप 12 में जगह नहीं बना पाईं मनिका मनिका विश्वकर्मा की मिस यूनिवर्स के लिए दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही थी। उन्होंने पेजेंट में टॉप 30 में जगह बना ली थी। हालांकि टॉप 12 में वह जगह नहीं बना सकीं। इस तरह से वह इस मशहूर खिताब से वंचित रह गईं।

बौद्ध धर्म को रिप्रेजेंट करने वाला कॉस्ट्यूम पहना

मनिका ने पेजेंट के नेशनल कॉस्ट्यूम राउंड में बौद्ध धर्म को रिप्रेजेंट करने वाले कॉस्ट्यूम को पहना था। उन्होंने अपने माथे पर भारी मुकुट रखा था और पीठ पर धर्म चक्र का सिंबल बनाया था। उनके इस कॉस्ट्यूम की काफी तारीफ हुई।

**पॉलिटिकल साइंस और इकोनॉमी में की पढ़ाई**

मनिका विश्वकर्मा राजस्थान के श्रीगंगानगर से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस और इकोनॉमी सब्जेक्ट की पढ़ाई की। वह मिस यूनिवर्स राजस्थान 2024 रहीं। 18 अगस्त 2025 को उन्होंने राजस्थान में हुए प्रोग्राम में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब जीता था। इसके बाद वह मिस यूनिवर्स 2025 में पहुंची।

**मनिका से पहले भारत से पहुंची ये हस्तियां**

मनिका एक क्लासिकल डांसर हैं। पेंटिंग में भी उनकी रुचि है। वह न्यूरो डायवर्जेंट की सपोर्टर हैं। उन्होंने न्यूरो डिसऑर्डर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए न्यूरोनोवा प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। उनसे पहले सुष्मिता सेन, लारा दत्ता और हरनाज संधू मिस यूनिवर्स में पहुंचीं और जीत दर्ज की।

# मुंबई लोकल ट्रेन में सफर करते दिखे आर माधवन?

सोशल मीडिया की दुनिया में रोज कुछ न कुछ ऐसा सामने आ जाता है, जिसे देखकर लोग दंग रह जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो रविवार को वायरल हुआ, जिसमें मुंबई लोकल ट्रेन में सफर कर रहा एक शख्स बिल्कुल बॉलीवुड एक्टर आर माधवन की तरह नजर आया। लोगों ने वीडियो देखते ही दोबारा स्क्रीन पर आंखें गड़ा दीं क्योंकि उसकी शक्ल, हेयरस्टाइल और मुस्कान- सब कुछ हूबहू 'मैडी' जैसा लग रहा था।

मुंबई लोकल में नजर आया आर माधवन का हमशकल

इस वायरल क्लिप में एक शख्स मुंबई की भीड़भाड़ वाली लोकल में सीट पर आराम से बैठा दिखाई देता है। जैसे ही शख्स का चेहरा लोगों ने ध्यान से देखा- लोगों को फिल्म 3 इडियट्स का 'फरहान' आ जाएगा। इसके बाद लोगों ने तुरंत कमेंट सेक्शन में फिल्म के फरहान को लेकर तरह तरह के कमेंट्स करने शुरू कर दिए।

कई यूजर्स ने आर माधवन के हमशकल को देखकर कमेंट्स करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने मजाक करते हुए लिखा- लगता हूं अब्बू मान गए। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा- लगता है बैग में कैमरा ही है। वहीं एक और यूजर ने लिखा- शायद ये वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी ही देख रहा है।

आर. माधवन पिछले कुछ समय से लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में वो अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह के साथ दे दे प्यार दे 2 में नजर आए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर स्थिर कमाई कर रही है और दर्शक माधवन के कॉमिक अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। इसके बाद उनका अगला बड़ा प्रोजेक्ट धुरंधर है, जिसे आदित्य धर निर्देशित कर रहे हैं।

# 'मिसेज देशपांडे' बनेंगी माधुरी दीक्षित सीरियल किलर किरदार में आ रहीं हैं

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। आज शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

**फर्स्ट लुक में ऐसी दिखीं माधुरी**

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

**रिलीज डेट नहीं आई सामने**

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी।

बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

**वर्ल्ड टूर पर थीं माधुरी**

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

# 'धुरंधर' में छा जायेंगे रणवीर सिंह, खूखार दिखे अर्जुन रामपाल; यूजर्स बोले- रोंगटे खड़े हो जायेंगे

आदित्य धर निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' के ट्रेलर ने रिलीज होते ही सिने लवर्स के बीच हंगामा मचा दिया है। इस फिल्म की कहानी एक सीक्रेट मिशन की है। इसमें एक्शन, ड्रामा और थ्रिलर का जबरदस्त डोज देखने को मिल रहा है। रणवीर सिंह का लुक और एक्शन दोनों ही कमाल के हैं। साथ बॉलीवुड के कई नामी एक्टर्स 'धुरंधर' में धांसू किरदारों में नजर आए। फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स ने ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म को लेकर क्या रिएक्शन दिया, जानिए?

**हर किरदार एक्शन मोड में दिखा**

फिल्म 'धुरंधर' के ट्रेलर में रणवीर सिंह से अलावा संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, अक्षय खन्ना जैसे उम्दा एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं। अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना विलेन के किरदारों में हैं। अर्जुन रामपाल का किरदार तो काफी खूंखार दिखा। आर. माधवन का किरदार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से प्रेरित बताया जा रहा है। रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त भी एक्शन अंदाज में ट्रेलर में दिखे। इन सभी को देखकर फैंस काफी खुश हैं। फिल्म के ट्रेलर और एक्टर्स की एक्टिंग देखकर यूजर्स ने जमकर रिएक्शन दिए हैं।

**यूजर्स को धमाकेदार लगा ट्रेलर, पसंद आए डायलॉग**

फिल्म के ट्रेलर को देखकर एक यूजर्स ने लिखा, 'रोंगटे खड़े हो गए।' एक अन्य यूजर ने कमेंट करके इस फिल्म को रणवीर सिंह का जबरदस्त कमबैक बताया। वहीं कई फैंस को संजय दत्त, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल का लुक, अंदाज भी पसंद आया। कुछ यूजर्स को फिल्म के डायलॉग पसंद आए। खासकर, 'मुंह तोड़ने के लिए मुट्ठी बंद करना जरूरी है।' यह डायलॉग ट्रेलर में आर. माधवन का किरदार कहता है। एक अन्य डायलॉग ट्रेलर में रणवीर सिंह का किरदार कहता है, 'अगर तुम लोगों के पटाखे खत्म हो गए तो मैं धमाका शुरू करूं।' यह भी फैंस को काफी पसंद आया है।

**कब रिलीज होगी फिल्म 'धुरंधर'**

ट्रेलर तो दर्शकों को पसंद आया है। थिएटर में फिल्म देखने के लिए कई यूजर्स एक्साइटेड भी दिखे। बता दें कि यह फिल्म 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है।

# फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आयेंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर

संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के तहत बन रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का पहला लुक सामने आया है। निर्माताओं ने सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की अदाकारी वाली इस फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। आइए देखते हैं फर्स्ट लुक में क्या है।

**इस तारीख को रिलीज होगी फिल्म**

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्स्ट लुक जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा 'दो दिल एक सहर, एक अपूर्ण रूप से पूर्ण प्रेम कहानी। इस वैलेंटाइन डे पर इश्क से इश्क हो जाएगा। दो दीवाने सहर में 20 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।'

फर्स्ट लुक में क्या है?

जारी किए गए फर्स्ट लुक में सबसे पहले पानी में पड़ा पत्ता नजर आता है। इसके बाद दो चाय के साथ दो हाथ नजर आते हैं। फिर फूलों पर मंडराती तितलियां नजर आती हैं। इसके बाद पहाड़ों का दृश्य दिखता है। मेट्रो में एक व्यक्ति सफर करता नजर आता है। फिर पुल के पास बैठा एक जोड़ा नजर आता है। इसके बाद एक जोड़ा पानी में भीगता है।

# भरे मंच पर कहा गया 'बेवकूफ', खिताब जीत फातिमा ने खुद को किया साबित, अब आयोजकों पर उठ रहे सवाल

मिस यूनिवर्स 2025 के ताज पर मैक्सिको की मॉडल मिस मैक्सिको फातिमा बॉश की दावेदारी रही। टॉप 5 में जगह बनाने के बाद विजेता के रूप में फातिमा के नाम का एलान हुआ।

मंच पर जब उन्हें ताज पहनाया गया तो वे भावुक हो गईं। मानो यह जीत उनकी वर्षों की मेहनत, महीनों के धैर्य और डेडिकेशन का फल था। फिनाले से पहले इस महीने की शुरुआत में फातिमा को लेकर विवाद हुआ था। उन्हें कथित तौर पर भरे मंच से 'बेवकूफ' कहा गया। इसका फातिमा ने विरोध जताया। कंट्रोवर्सी और विरोध के बावजूद फातिमा की जीत का लोग जश्न मना रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों को उनके विजेता बनने पर एतराज जता रहे हैं और ट्रोल करते हुए सोशल मीडिया पर रिएक्शन दे रहे हैं।

**क्या है फातिमा बॉश से जुड़ा विवाद?**

इस बार इस सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन थाईलैंड में हुआ। फातिमा बॉश ने कंट्रोवर्सी के बावजूद ब्रह्मांड सुंदरी के ताज पर कब्जा जमाकर अपने देश को गौरवान्वित किया है। दरअसल, फातिमा को लेकर प्रतियोगिता के दौरान 04 नवंबर को कंट्रोवर्सी शुरू हुई। उन्हें मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल के तीखे शब्दों का सामना करना पड़ा। कथित तौर पर निदेशक ने थाइलैंड से संबंधित प्रोमोशनल कंटेंट ना साझा करने की वजह से सभी के सामने अपमानजनक शब्द बोलते हुए फातिमा को फटकार लगाई थी। नवात ने फातिमा को 'बेवकूफ' कहा था।

**फातिमा ने मीडिया के सामने रखा था अपना पक्ष**

सोशल मीडिया के प्रमोशनल पोस्ट पर शुरू हुई बहस के बाद फातिमा ने नवात की अपमानजनक भाषा पर एतराज जताते हुए वहां से वॉकआउट किया। कई अन्य देशों की सुंदरियों ने फातिमा का समर्थन किया। माहौल अनियंत्रित होता देख नवात ने सिक्योरिटी टीम को बुलाया। बाहर निकलकर फातिमा ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी और कहा, 'आपके डायरेक्टर ने सम्मान नहीं दिखाया। मुझे 'बेवकूफ' कहा। दुनिया को यह देखना चाहिए। यह मंच हमारी आवाज उठाने का है। हम मजबूत महिलाएं हैं'। हालांकि, बाद में नवात ने 'बेवकूफ' कहे जाने की बात से इनकार किया। मगर, यह विवाद देखते-देखते इतना बढ़ गया कि प्रतियोगिता के आयोजकों को बीच में आना पड़ा। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम तक को प्रतिक्रिया देनी पड़ी। बाद में डायरेक्टर ने माफी मांगी। इस विवाद के बावजूद सोशल मीडिया पर फातिमा की लोकप्रियता बढ़ती रही। इंस्टाग्राम पर फातिमा के 2.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

**महिलाओं को दिया यह संदेश**

इस विवाद के बाद पूरे आयोजन में तनाव की स्थिति देखने को मिली। मगर, फातिमा ने आत्मविश्वास के साथ पूरी स्थिति का सामना किया और विजेता बनकर उभरीं। फाइनल सवाल-जवाब के राउंड में फातिमा से महिलाओं से संबंधित सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि वह अपने टाइटल का इस्तेमाल दुनियाभर की एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए कैसे करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, 'खुद पर विश्वास करो। आपके सपने मायने रखते हैं। आपका दिल मायने रखता है। किसी को यह मत कहने दो कि तुम कम हो, क्योंकि तुम हर चीज की हकदार हो'। अपने इस जवाब से उन्होंने दिल जीत लिया।

**फैंस मना रहे जश्न, तो ट्रोल्स दे रहे मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता को श्रद्धांजलि**

फातिमा बॉश की जीत पर उनके फैंस जहां जश्न मना रहे हैं और उनकी हिम्मत की दाद दे रहे हैं, वहीं एक तबका ट्रोल करने में लगा है। कुछ यूजर्स उनकी जीत पर इस कदर खफा हैं कि वे मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता को ही श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मिस यूनिवर्स के इतिहास की सबसे अयोग्य विजेता'। एक यूजर ने लिखा, 'क्योंकि सपनों से ज्यादा पैसे का शासन चलता है'।

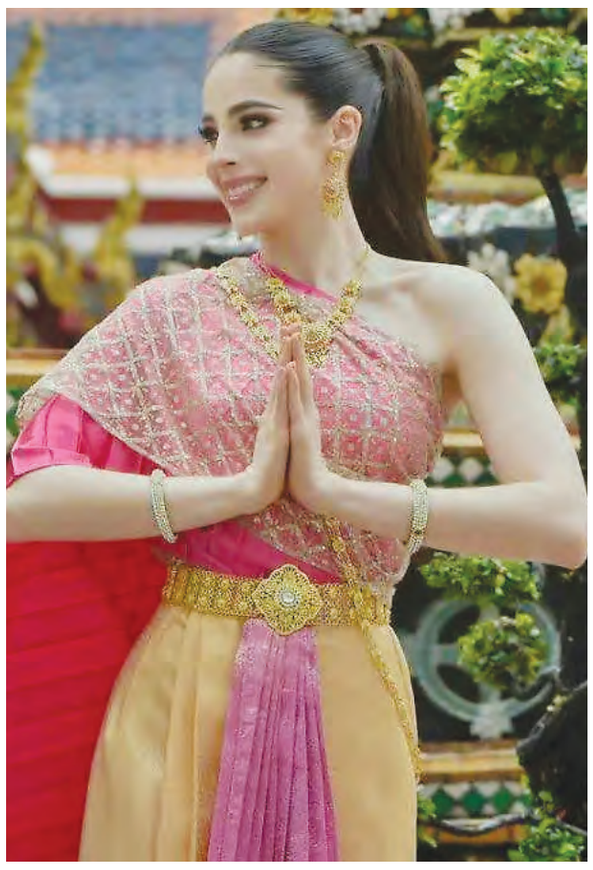

# टीवी ने हमें बदला या हमने टीवी को?

## दूरदर्शन से डिजिटल तक का सफर, क्या कहा चर्चित सितारों ने

भारत में टीवी की असली कहानी 7 जुलाई 1984 से शुरू हुई। इसी दिन देश का पहला टीवी सीरियल 'हम लोग' दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ था। तब टीवी और उस पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रम सिर्फ घर-परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को जोड़ देते थे। समय बदला, तकनीक बदली और देखने का तरीका भी बदला। दूरदर्शन का सामूहिक दौर कब केबल टीवी में बदला और कब मोबाइल की स्क्रीन पर आ गया यह पता ही नहीं चला।

फिर भी सवाल वही बना रहा कि टीवी बदल रहा है या हम बदल गए हैं। इसी सफर को समझने के लिए हमने उन कलाकारों से बात की जिन्होंने टीवी को अलग-अलग रूप में जिया है। उनकी बातों में केवल यादें नहीं थीं, बल्कि एक बदलते समय की साफ तस्वीर भी थी।

**टीवी वाला एक्टर सुनकर गर्व होता है: आसिफ शेख**

देश के पहले टीवी शो 'हम लोग' ने टीवी को असल पहचान दी। उस समय कंटेंट ही असली ताकत था। दूरदर्शन के बाद केबल टीवी और अब डिजिटल युग... किसी एक दौर को चुनना मुश्किल है, क्योंकि तीनों ने मिलकर ही मुझे आज का कलाकार बनाया है। 'हम लोग' से शुरुआत हुई और आज 'भाबीजी घर पर हैं' को 11 साल हो गए हैं। टीवी ने मुझे सिर्फ काम नहीं दिया बल्कि सुरक्षा, पहचान और एक भरोसे की जगह दी। लोग मुझे टीवी वाला एक्टर कहते हैं और मुझे इस बात पर गर्व है। अगर टीवी न होता तो शायद मेरे पास अलग-अलग किरदार चुनने का इतना विकल्प नहीं होता। डिजिटल कितना भी आगे जाए..., टीवी एक बहुत बड़ा मंच हमेशा रहेगा। कंटेंट हो तो टीवी कभी खत्म नहीं होगा'।

आसिफ शेख-हिमानी शिवपुरी-मनोज बाजपेयी

**टीवी ने सहारा दिया, आज चुनौती दे रहा है: मनोज बाजपेयी**

'एक दौर ऐसा भी था जब सिनेमाघरों में परिवारों के लिए फिल्में बननी लगभग बंद हो गई थीं। तब टेलीविजन आया और उसने दर्शकों को सहारा दिया। हालांकि, अब स्थिति बदल गई है। ओटीटी बहुत बड़े स्तर पर सामने आया है। ऐसे में टीवी को अपने कंटेंट पर नए तरीके से सोचना होगा। कहानी कहने का अंदाज बदलना होगा, तभी टीवी एक माध्यम के रूप में टिक पाएगा। 'बैंडिट क्वीन' करने के बाद कुछ समय तक मेरे पास रास्ता साफ नहीं था, तब भी टीवी ने ही मुझे काम दिया। मेरा पहला टीवी शो महेश भट्ट साहब का 'स्वाभिमान' था। मैंने इम्तियाज अली के साथ भी टीवी किया और हंसल मेहता के साथ भी। मैं हमेशा मानता हूं कि मेरे लिए माध्यम महत्वपूर्ण नहीं है, अभिनय महत्वपूर्ण है। मैं टीवी पर भी एक्टिंग करूंगा, फिल्मों में भी और डिजिटल पर भी।'

**एक टीवी और पूरा परिवार, यादगार था वो दौर: हिमानी शिवपुरी**

'एक ही टीवी होता था और पूरा परिवार उसके सामने इकट्ठा होकर कार्यक्रम देखता था। कौन सा कार्यक्रम देखना है इस पर छोटी बहस भी होती थी लेकिन वही बहस हमें जोड़ती भी थी। उस एक टीवी ने घर में एक तरह की एकजुटता पैदा की थी। हम साथ में हंसते थे, भावुक होते थे वह सामूहिक अनुभव अब मोबाइल के दौर में कम हो गया है।

आज जो टीवी पर आता है वही मोबाइल पर भी पहुंच जाता है। देखने के तरीके बदल गए हैं लेकिन टीवी पर आने की अहमियत आज भी वही है। मेरी पहचान और मेरा अस्तित्व आज भी उसी प्लेटफॉर्म से जुड़ा है जिसने मुझे घर-घर पहुंचाया। टीवी भरोसेमंद माध्यम रहा है और मुझे लगता है आने वाले समय में इसमें एक नई क्रांति दिखाई देगी।'

**क्या टीवी अब भी 'हम लोग' का माध्यम है?**

जब तीनों कलाकारों की बातें साथ रखी जाती हैं तो टीवी का पूरा चरित्र सामने आता है। कहीं पुरानी यादें, कहीं संघर्ष तो कहीं उम्मीद और चुनौती। कुल मिलाकर विश्व टेलीविजन दिवस इसी प्रश्न को फिर से सामने लाता है - क्या टीवी अब भी 'हम लोग' का माध्यम है? समय बदला, स्क्रीन बदली, लेकिन ऑडियंस की चाह अब भी वही है - एक अच्छी कहानी। शायद यही कारण है कि हर शाम किसी न किसी घर में टीवी अब भी चालू होता है और कोई कहानी अब भी परिवार का हिस्सा बन जाती है।

# चंडीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय तस्करों की 15 करोड़ की संपत्ति जब्त

## मनी लॉन्डिंग का केस भी चलेगा, पाकिस्तान से ड्रग्स मंगवा ट्राईसिटी में करते थे सप्लाई

चंडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से आ रही ड्रग्स से बनाई जा रही काली कमाई पर अब ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार अंतरराष्ट्रीय तस्करों के खिलाफ चंडीगढ़ में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

आरोपितों में लवप्रीत सिंह उर्फ लवी सरपंच, विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की, कृष्ण सिंह और निशान सिंह सोनी शामिल हैं। इन चारों को पिछले साल चंडीगढ़ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने पकड़ा था। इन चारों से एएनटीएफ को साढ़े चार किलो हेरोइन बरामद हुई थी। इस हेरोइन की कीमत 20 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है। ऐसे में इनके खिलाफ ईडी ने भी जांच शुरू कर दी थी। ईडी को जांच के दौरान इनकी करोड़ों की संपत्ति का पता चला था।

इनके पास से कई लग्जरी गाड़ियां भी बरामद हुईं। ईडी ने पंजाब के अलग-अलग इलाकों में इनकी करीब 15

करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त भी कर लिया था। वहीं, पुलिस ने भी इनकी 35 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की थी। अब ईडी ने इनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाए जाने के लिए जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है जिस पर 23 दिसंबर से सुनवाई शुरू होगी।

### डेढ़ साल पहले एएनटीएफ ने पकड़े थे तस्कर

28 मार्च 2024 को चंडीगढ़ पुलिस की एएनटीएफ टीम सेक्टर-43 में पेट्रोलिंग कर रही थी। रात करीब 11.45 बजे एक गुप्त सूचना मिली कि मोगा निवासी विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की और उसकी एक दोस्त ग्लांजा कार में घूम रहे हैं।

यह दोनों ट्राईसिटी में हेरोइन के बड़े सप्लायर थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने ट्रैप लगाया और सेक्टर-42 की लेक के पास इन दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को इनसे 1.01 किलो हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने कोर्ट से इनका रिमांड लिया और केस की जांच शुरू कर दी थी। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश किया था।

### लुधियाना से पकड़ा गया था सरगना लवप्रीत

विक्रमजीत सिंह के बयान पर पुलिस ने लुधियाना के होटल पाम कोट में छापेमारी की जहां से फिरोजपुर निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ लवी पकड़ा गया था। वह पंजाब पुलिस के एक रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर का बेटा है। पुलिस को उससे एक फोर्ड एंडेवर कार, साढ़े चार लाख रुपये ड्रग मनी और चंडीगढ़ नंबर की एक ऑडी कार बरामद हुई थी।

यह कारें ड्रग्स की कमाई से ही खरीदी गई थीं। इनका इस्तेमाल भी वह नशा सप्लाई के लिए करता था। पुलिस ने लवप्रीत को चंडीगढ़ जिला अदालत में पेश कर उसका सात दिनों का रिमांड लिया। उसके बयान पर पुलिस ने 31 मार्च 2024 को सेक्टर-91 मोहाली की वेंबली सोसायटी के फ्लैट पर छापेमारी कर 502 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कृष्ण सिंह नाम के युवक को गिरफ्तार किया।

### फरीदकोट जेल से निशान सिंह चला रहा था कारोबार

लवप्रीत सिंह ने अपने बयान में बताया था कि उसकी फरीदकोट जेल में बंद निशान सिंह से अक्सर बात होती थी। वह उसे बताता था कि नशा कहां डिलीवर करना है। लवप्रीत के बयान पर पुलिस ने फरीदकोट जेल से प्रोडक्शन वारंट पर निशान सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह सभी कड़ियों को जोड़ने पर पुलिस को चार किलो 508 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी

### पाकिस्तान से आती थी नशे की खेप

जांच एजेंसियों को पता चला कि नशे की यह खेप पाकिस्तान से आ रही थी। इस पूरे रैकेट को फिरोजपुर निवासी रिटायर्ड पुलिसकर्मी का बेटा लवप्रीत सिंह चला रहा था। सूत्रों के मुताबिक वह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ा हुआ था और पाकिस्तान में हवाला के जरिए पैसों का लेनदेन करता था।

# बेटे की सगाई से पहले दम घुटने से परिवार खत्म

अहमदाबाद, 21 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गोधरा में रात घर में लगी आग के धुएं से दम घुटकर एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। परिवार के बड़े बेटे की आज सगाई होनी थी। रात को पूरी तैयारियां की गईं। सुबह उन्हें वापी निकलना था, लेकिन आग लगने से उठे जहरीले धुएं ने उनकी जान ले ली। मृतकों में कमलभाई दोशी (50), उनकी पत्नी देवलबेन (45), बड़ा बेटा देव (24) और छोटा बेटा राज (22) शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, देर रात ग्राउंड फ्लोर पर रखे सोफे में शॉर्ट-सर्किट या किसी दूसरे कारण से आग लग गई। घर चारों तरफ से कांच से बंद था, ऐसे में जहरीला धुआं बाहर नहीं निकल पाया।

ऐसे में किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। पड़ोसियों ने सुबह घर से धुआं उठता देखा तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी। लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। दोशी परिवार गोधरा के 'वर्धमान ज्वेलर्स' के कारण काफी जाना-पहचाना था। जिस घर से आज देव दोशी को सगाई के लिए निकलना था, उसी घर से चारों सदस्यों की अर्थियां उठीं। स्थानीय लोगों ने इसे बेहद दर्दनाक बताया और कहा कि इतनी खुशी के मौके पर ऐसी त्रासदी ने पूरे शहर को झकझोर दिया है।

# आईजी पूरण कुमार के गनमैन सुशील कुमार पर बड़ा खुलासा, 2.5 लाख रिश्वत मामले में चार्जशीट दाखिल

रोहतक, 21 नवंबर (एजेंसियां)। आईजी रोहतक रेंज दिवंगत पूरण कुमार से जुड़े 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मामले में पुलिस ने विस्तृत जांच पूरी कर 20 नवंबर 2025 को अंतिम चार्जशीट अदालत में दाखिल कर दी है। मामला तब सामने आया था जब एक स्थानीय शराब ठेकेदार ने ईएएसआई सुशील कुमार पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए ऑडियो और वीडियो सबूत पुलिस को सौंपे थे।

### क्या था पूरा मामला

6 अक्टूबर 2025 को अर्बन एस्टेट थाने में एफआईआर नंबर 319 दर्ज हुई थी। उस समय ईएएसआई सुशील कुमार आईजी पूरण कुमार के गनमैन के रूप में कार्यरत था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उससे 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई। सबूत देखने के बाद सुशील कुमार को पूछताछ के लिए बुलाया गया, जहाँ उसने रिश्वत मांगने की बात स्वीकार कर ली। उसने यह भी कहा कि वह आईजी पूरण कुमार के आदेश पर यह रकम मांग रहा था।

### गिरफ्तारी के अगले दिन आईजी की आत्महत्या

7 अक्टूबर को सुशील कुमार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। उसी दिन आईजी वाई. पूरण कुमार ने आत्महत्या कर ली, जिससे मामला और गंभीर हो गया था। चार्जशीट के अनुसार, शिकायतकर्ता द्वारा दी गई ऑडियो रिकॉर्डिंग में सुशील कुमार की आवाज़ मैच हुई। वीडियो तथा लोकेशन विश्लेषण से पुष्टि हुई कि घटना के समय वह ठेकेदार के दफ्तर में ही मौजूद था। मोबाइल डेटा विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सुशील कुमार आईजी पूरण कुमार के साथ लगातार वीओआईपी और फेसटाइम कॉल के जरिए संपर्क में था। वह एसएचओ और क्राइम टीम के अधिकारियों से भी आईजी के नाम पर पैसे मांग रहा था। उसके फोन से कई गोपनीय विभागीय दस्तावेज़ बरामद हुए, जिन तक उसकी पहुंच नहीं होनी चाहिए थी। जांच में पाया गया कि सुशील कुमार आईजी ऑफिस में एक अलग कमरे में रहता था, जबकि उसकी वहां कोई औपचारिक पोस्टिंग नहीं थी। इसके अलावा वह कई महीनों से वीआईपी रेस्ट हाउस, सर्किट हाउस, रोहतक में ठहरा हुआ था, जिसकी बुकिंग आईजी ऑफिस ने करवाई थी। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने सभी एफएसएल रिपोर्ट, गवाहों के बयान, डिजिटल सबूत और विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर अंतिम चार्जशीट तैयार कर 20 नवंबर को अदालत में जमा कर दी है।

## नौकरी पाने के जुनून में कसाई बनी मां, 20 दिन के बेटे को नदी में फेंका; रचा अपहरण का ड्रामा

गोंदिया, 21 नवंबर (एजेंसियां)। करियर की भूख में कलयुगी मां ने रचा ऐसा खौफनाक षड्यंत्र जिसे देख कर पुलिस भी सन्न रह गई और गांव दहल गया। मां का चेहरा और राक्षसी इरादा इतना खौफनाक हो सकता है यह तो किसी ने सोचा भी नहीं था। पहले 20 दिन के नवजात बच्चे के अपहरण का ड्रामा और फिर वैनगंगा नदी में मासूम को फेंककर ऐसे लौटी जैसे कुछ हुआ ही नहीं। नर्स का काम होता है ,

जिंदगी बचाना लेकिन गोंदिया तहसील के ग्राम डांगुर्ली की 22 साल की रिया फाये ने वही हाथ, जो मरीजों की नब्ज संभाल सकते थे। अपने ही 20 दिन के नवजात बेटे "विराज" की जीवन-रेखा काट दी और वजह? "मुझे जॉब करना था... बच्चा मेरी लाइफ में बाधा था। 18 नवंबर की सुबह, रिया थाने पहुंची और कंपकंपाती आवाज़ में बोली- साहब।।"कोई मेरा बच्चा उठाकर ले गया!" 17 नवंबर की रात 10:15 से 10:40 के बीच अज्ञात पर चोरी का आरोप लगाया।

# छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद सरस्वती को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया गया

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया है। फेक नंबर प्लेट मामले में दिल्ली पुलिस ने उसे पकड़ा है। चैतन्यानंद पर लग्जरी गाड़ियों के लिए एंबेसी के फर्जी नंबर इस्तेमाल करने आ आरोप है। वह अभी भी तिहाड़ जेल में ही बंद है। उस पर दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के साथ धोखाधड़ी करने और इसमें पढ़ने वाली छात्राओं के साथ छेड़खानी करने का आरोप है।

### क्या है चैतन्यानंद सरस्वती का मामला?

बता दें कि स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट (श्रीसिम) के डायरेक्टर थे, जो इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाली छात्राओं के यौन शोषण और छेड़छाड़ के अलावा धोखाधड़ी और जालसाजी जैसे गंभीर मामलों के आरोपी है और तिहाड़ जेल में हैं। सितंबर 2025 को उन पर छात्राओं के यौन शोषण और छेड़छाड़ के आरोप लगे थे ओर 27 सितंबर 2025 को दिल्ली पुलिस ने उन्हें आगरा के एक होटल से पकड़ा था। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 28 सितंबर को उन्हें 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा और उनकी जमानत याचिका भी खारिज कर दी।

### फोन में मिली अश्लील चैट और तस्वीरें

रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद बाबा को जेल भेज दिया गया। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने इंस्टीट्यूट की 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए। उनका फोन बरामद किया, जिसमें छात्राओं के अलावा एक एयर होस्टेस के साथ फोटो और अश्लील चैट मिली। इंस्टीट्यूट में ईडब्ल्यूएस स्कॉलरशिप के तहत पीजीडीएम कोर्स करने वाली छात्राओं ने चैतन्यानंद पर अश्लील मैसेज भेजने, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और अपने कमरे में बुलाकर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया। मामले में इंस्टीट्यूट के हॉस्टल की 3 महिला वार्डन पर भी आरोप लगे, जो छात्राओं को बाबा के कमरे में जाने को मजबूर करती थीं।

## दर्दनाक दृश्य: पैरों में जंजीरें और जंजीरों में ताला

# सड़क पर रेंगता दिखा बुजुर्ग व्यक्ति, किसने की हैवानियत?

दमोह, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसने मानवता को फिर कटघरे में खड़ा कर दिया। मड़ियादो कस्बे के बस स्टैंड पर एक युवक व्यक्ति को पैरों में जंजीरें से जकड़ा हुआ पाया गया। पैरों में बांधी गई इन जंजीरों पर ताला लगा हुआ था और यह बूढ़ा शख्स मजबूरी में सड़क पर घिसटता हुआ मदद तलाश रहा था। मड़ियादो पुलिस अब मामले को मानवाधिकार और क्रूरता के नजरिए से देख रही है। उम्मीद है कि जल्द ही इस अमानवीय घटना के पीछे छिपे आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। कई घंटे तक लोग उसके पास से गुजरते रहे लेकिन किसी ने उसकी पीड़ा को समझने के बजाय सिर्फ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने में दिलचस्पी दिखाई। यह भयावह दृश्य देखकर भी लोग चुप रहे, जबकि बुजुर्ग बेबस होकर जमीन पर रेंगता हुआ अपनी तकलीफ झेलता रहा। लेकिन इसी भीड़ के बीच कुछ संवेदनशील लोगों की नजर इस बुजुर्ग पर पड़ी।

उन्होंने तुरंत इंसानियत दिखाते हुए मड़ियादो थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बुजुर्ग के पैरों में बंधी जंजीरों का ताला खोलकर उसे आजाद किया। पुलिस की मदद मिलते ही बुजुर्ग ने राहत की सांस ली। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह बुजुर्ग व्यक्ति पास के गांव विनती का रहने वाला हीरालाल प्रजापति है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह था कि उसके पैरों में जंजीरें किसने और क्यों बांधीं? पुलिस ने जब उससे पूछताछ करने की कोशिश की, तो वह साफ जवाब देने में असमर्थ रहा। थाना प्रभारी शिवांगी गर्ग के अनुसार, पहली नजर में बुजुर्ग मानसिक रूप से कमजोर प्रतीत हो रहा है, जिसके कारण वह यह बताने में सक्षम नहीं है कि उसके साथ यह अमानवीय व्यवहार किसने किया। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है

# नाबालिग पत्नी से बनाए संबंध

## कोर्ट ने कहा-दोनों में सहमति होने के बावजूद चलेगा पॉक्सो केस, जानिए इस बड़े फैसले में क्या-क्या

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। एक नाबालिग पत्नी के पति के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ। आरोपी पति ने दिल्ली हाई कोर्ट में इसको चुनौती दी। उसकी याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि दोनों में सहमति के बावजूद पॉक्सो केस चलेगा। कोर्ट ने कहा कि अगर वह महिला की अपील पर आरोपी को छोड़ देगा तो इससे समाज में गलत मैसेज जाएगा। कोर्ट ने कहा कि हम कम उम्र में विवाह को न्यायिक समर्थन नहीं दे सकते। जस्टिस संजीव नरूला ने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के साथ यौन संबंध सिद्ध होने पर पोक्सो अधिनियम के तहत अपराध पूर्ण हो जाता है।

कोर्ट ने आगे कहा कि संसद ने 18 वर्ष की आयु निर्धारित की है। कानून यौन सहमति को मान्यता नहीं देता, इसलिए कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए समानता के नाम पर सहमति से बने संबंधों को अपवाद नहीं लिख सकता। न्यायालय ने कहा, ऐसा करना व्याख्या से लेकर कानून तक की सीमा को लांघना होगा। अदालत ने कहा कि दंपति के बीच संबंध और गहरे होने से पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध को वैध नहीं ठहराया जा सकता। नाबालिग की सहमति पारिवारिक दबाव का परिणाम हो सकती है।

एक महिला और उसके पति के बीच ऐसे समय संबंध स्थापित हुए थे, जब महिला नाबालिग थी। नतीजा ये हुआ कि महिला गर्भवती हो गई। उसने नाबालिग रहते हुए ही एक बच्चे को जन्म दिया। इस मामले में 2023 में केस दर्ज हो गया। महिला ने कोर्ट में अपील की कि दोनों शादीशुदा हैं और वह अपने पति के खिलाफ कोई एक्शन नहीं चाहती। आरोपी के साथ-साथ उसके माता-पिता ने भी पोक्सो एक्ट और बाल विवाह की धारा के तहत दर्ज क्रिमिनल केस रद्द करने की मांग की थी। परिवार का तर्क था कि पीड़िता ने खुद कहा है कि वह आरोपी के खिलाफ कोई एक्शन नहीं चाहती। उसने कहा कि उसके साथ कभी सेक्सुअल असॉल्ट नहीं हुआ क्योंकि यह आपसी सहमति से बना रिश्ता था। लड़की अब बालिग हो गई है।

# अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची थी महिला रेडियोलॉजिस्ट ने किया यौन शोषण, अरेस्ट

बेंगलुरु, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से यौन उत्पीड़न का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां अल्ट्रासाउंड टेस्ट के दौरान रेडियोलॉजिस्ट ने एक महिला के प्राइवेट पार्ट का गलत नियत से छुआ था। आरोपी की इन हरकतों का विरोध करते हुए महिला ने नजदीकी थाने में शिकायत दी, लेकिन मामले में पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और फिर पुलिस ने आरोपी रेडियोलॉजिस्ट को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यौन उत्पीड़न का यह पूरा मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके अनेकल कस्बे का है। यहां एक प्लाज्मा मेडिनोस्टिक्स स्कैनिंग नाम का सेंटर है।

10 दिन पहले पेट दर्द की शिकायत के बाद एक महिला अल्ट्रासाउंड जांच कराने के लिए यहां आई थी। स्कैन के दौरान, रेडियोलॉजिस्ट जयकुमार ने महिला के प्राइवेट पार्ट्स को गलत तरीके से छुआ। इतनी ही नहीं, आरोपी ने महिला से जबरदस्ती करने की भी कोशिश की। महिला ने आरोपी की हरकतों का विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया। महिला ने घटना के बाद अनेकल थाने में आरोपी रेडियोलॉजिस्ट की शिकायत करते हुए उस पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाकर उसे कुछ ही समय बाद रिहा कर दिया। पुलिस की कार्यशैली से गुस्साए लोगों ने अनेकल थाने की पुलिस के जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। साथ ही पुलिस को चेतावनी दी कि अगर मामले में कोई उचित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो जगह-जगह प्रदर्शन किया जाएगा।

घटना को लेकर लोगों में बढ़ रहे गुस्से को देखकर पुलिस तुरंत आरोपी रेडियोलॉजिस्ट को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। महिला की शिकायत पर कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ कर जेल भेजा गया है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। महिला सहित सभी लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

# 'ममता दीदी सावधान रहना...' कांग्रेस का जिक्र कर शिवराज सिंह चौहान ने कर दिया बड़ा दावा

भोपाल, 21 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल में वर्ष 2026 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के संदर्भ में बड़ा दावा किया है। महाराष्ट्र स्थित नागपुर में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवराज ने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिसके साथ रहती है, उसे भी डुबो देती है। बंगाल चुनाव के संदर्भ में शिवराज ने कहा- ममता दीदी सावधान रहना।

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस जहां साथ होती है, वहां पराजय तय हो जाती है। दिल्ली में केजरीवाल को ले डूबी, यूपी में अखिलेश डूब गए और बिहार में तेजस्वी को डुबो दिया। अब बंगाल में ममता दीदी सावधान रहना।

### 'महागठबंधन अब एकजुट नहीं'

चौहान ने कहा कि बिहार में सरकार बन गई है, और नीतीश के नेतृत्व में एक संतुलित मंत्रिपरिषद बनाई गई है। महागठबंधन अब एकजुट नहीं है, वह टूट रहा है। पार्टियां टूट रही हैं, परिवार टूट रहे हैं, क्योंकि उनका जनता की भलाई से कोई लेना-देना नहीं था। उनका गठबंधन सुविधा के आधार पर था, और उनकी प्राथमिकताएं गलत थीं। और अब यह साफ हो गया है कि कांग्रेस जहां भी गठबंधन में शामिल होती है, हार पक्की है।

इससे पहले चौहान ने कहा कि मैं आज एग्रो विजन प्रोग्राम में नागपुर आया हूं। खेती के लिए टेक्नोलॉजी अब बहुत ज़रूरी है, चाहे वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हो, मशीन लर्निंग हो, या रोबोटिक्स हो। किसानों को इन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है, और डिजिटल एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम चल रहा है।।।

## लापता बेटा 17 साल बाद मां-पिता को वापस मिला

छतरपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर से एक ऐसा मामला सामने आया, जिसके बारे में जिसने सुना, वो इमोशनल हो गया। दरअसल यहां एक 17 साल से लापता युवक, अपने मां-पिता को वापस मिल गया। जिसके बाद मां-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने पुलिस को धन्यवाद दिया। छतरपुर के हरपालपुर में एक मां-बाप को जीवन की सबसे बड़ी खुशी मिली।

17 वर्षों से लापता उनका इकलौता बेटा अचानक सामने खड़ा था। थाने से फोन पहुंचते ही परिवार में अविश्वास और आश्चर्य का माहौल बन गया लेकिन जैसे ही मां ने बेटे विनीत को देखा, वह दहाड़ें मारकर रो पड़ीं और उसे सीने से लगा लिया। मां ने कहा, 17 साल की तपस्या के बाद भगवान ने मेरी मुराद पूरी की।

# मैम को वाट्सऐप पर भेजते थे गंदा मैसेज, दिल्ली के स्कूल से प्रिंसिपल का हो गया ट्रांसफर

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ दिल्ली के किशनगढ़ स्थित एमसीडी स्कूल के प्रिंसिपल अवधेश महतो को महिला टीचरों को आपत्तिजनक संदेश भेजने के आरोपों के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है।

महिला टीचरों ने पहले ही शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। मामला सार्वजनिक होते ही बढ़ते दबाव के बीच एमसीडी शिक्षा विभाग ने उन्हें तत्काल प्रभाव से ट्रांसफर कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, स्कूल की कई महिला शिक्षिकाओं ने प्रिंसिपल की हरकतों की शिकायत डिप्टी डायरेक्टर (एजुकेशन) को काफी पहले सौंप दी थी। आरोप था कि प्रिंसिपल वाट्सऐप ग्रुप में आपत्तिजनक मैसेज भेजते थे, जिससे शिक्षिकाएं असहज और मानसिक रूप से परेशान थीं। शिकायतों के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से पीड़ितों में नाराजगी बढ़ती गई। मामला तब गंभीर रूप ले गया, जब 25 अक्टूबर को शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ऐसे संवेदनशील मामलों में देरी से कार्रवाई करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि विभाग के अंदर शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया कितनी कमजोर है। उन्होंने कहा कि जब महिला कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हों, तो बिना देर किए कदम उठाए जाने चाहिए। लगातार बढ़ते दबाव के बाद आखिरकार एमसीडी शिक्षा विभाग हेडक्वार्टर ने प्रिंसिपल अवधेश महतो का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर सुल्तानपुरी एमसीपीएस, सी-6 ब्लॉक-2, रोहिणी जोन भेजा गया है। आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि यह निर्णय जांच पूरी होने तक प्रभावी रहेगा।

अब मामले की जांच एक विशेष टीम कर रही है। यह टीम प्रिंसिपल की ओर से भेजे गए कथित अभद्र संदेशों, ग्रुप चैट के स्क्रीनशॉट और शिक्षिकाओं के बयान जैसे साक्ष्यों की जांच करेगी। यदि आरोप साबित होते हैं, तो प्रिंसिपल महतो के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें निलंबन, पदावनति या सेवा नियमों के तहत अन्य दंड शामिल हो सकते हैं। दूसरी ओर, महिला शिक्षिकाओं को भरोसा दिलाया गया है

# अडानी ने कंपनी में बेची बड़ी हिस्सेदारी

## टर्मिनेशन एग्रीमेंट पर कर दिए हस्ताक्षर, शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने एडब्ल्यू एग्री बिजनेस में अपनी हिस्सेदारी बेचने का काम पूरा कर लिया है। अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी कमोडिटीज एलएलपी ने लेंस को एडब्ल्यूएल का 13% हिस्सा बेच दिया है। लेंस सिंगापुर की कंपनी विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड की पूरी तरह से अपनी सहायक कंपनी है। यह सौदा ऑफ-मार्केट हुआ और इसकी कीमत 4,646 करोड़ रुपये रही। एकडब्ल्यूएल फॉर्च्यून ब्रैंड के प्रोडक्ट बनाती है। कंपनी के शेयरों में आज 2 फीसदी से अधिक गिरावट आई।

17 जुलाई 2025 को अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया था कि एक शेयर खरीद समझौते के तहत एसीएल लिस्टेड कंपनी एडब्लूएल कृषि व्यवसाय के 11% शेयर बेचेगी। यह शेयर 14.30 करोड़ इक्विटी शेयरों के बराबर थे। वहीं, लेंस इन शेयरों को खरीदेगी। इस सौदे में अधिकतम 20% शेयर यानी 25.99 करोड़ इक्विटी शेयर बेचने की बात थी। अब एसीएल के पास एकडब्ल्यूएल का सिर्फ 7% हिस्सा बचा है। वहीं, लेंस के पास एकडब्ल्यूएल का 56.94% हिस्सा हो गया है। यह 13% हिस्सेदारी 6.9 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयरों में बंटी थी। हर शेयर की कीमत 275 रुपये तय की गई थी।

**कंपनी का बिजनेस**

अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि कंपनी, एसीएल, एक डब्ल्यूएल और लेंस ने मिलकर शेयरधारकों के समझौते को खत्म करने के लिए एक टर्मिनेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। शेयर खरीद समझौते के तहत अडानी कमोडिटीज ने 18 जुलाई को एकडब्ल्यूएल के 10.42% शेयर, यानी 13,54,82,400 इक्विटी शेयर बेचे थे। यह सौदा स्टॉक एक्सचेंज पर ब्लॉक डील के जरिए हुआ था। इसके बाद, एक डब्ल्यूएल में एसीएल की हिस्सेदारी घटकर 25,99,35,721 इक्विटी शेयर रह गई थी, जो कि कुल जारी और भुगतान किए गए इक्विटी शेयर पूंजी का 20% है।

एडब्लूएल एग्री एक एफएमसीजी कंपनी है। यह खाने-पीने की जरूरी चीजें बेचती है, जैसे खाने का तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें और चीनी। कंपनी का सबसे मशहूर ब्रांड 'फॉर्च्यून' है, जो 123 मिलियन घरों में बिकता है। कंपनी के 70 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। इनमें भारत का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड फूड कॉम्प्लेक्स हरियाणा के गोहाना में है और सबसे बड़ा पोर्ट-आधारित रिफाइनरी गुजरात के मुंद्रा में है। इससे एकडब्ल्यूएल को सामान बनाने और पहुंचाने में आसानी होती है।

# अमेरिका के इतिहास में कभी नहीं हुआ ऐसा

## टेक शेयरों से क्यों पिंड छुड़ा रहे हैं निवेशक?

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में टेक शेयरों में हाल में भारी गिरावट आई है। ये शेयर कई साल तक निवेशकों की पहली पसंद रहे मगर अब वे इनसे पिंड छुड़ा रहे हैं। पिछले चार हफ्ते में निवेशकों ने टेक शेयरों से हर हफ्ते औसतन 2.5 अरब डॉलर की निकासी की जो अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा है। अमेरिका में इस तरह का रेकॉर्ड रखने की शुरुआत 2008 में हुई थी। इससे पहले साल 2021 में निवेशकों ने टेक शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली की थी। तब उन्होंने हर हफ्ते 800 मिलियन डॉलर निकाले थे। निवेशकों ने पिछले हफ्ते 1.6 अरब डॉलर के टेक शेयर बेचे थे। उससे पहले वाले हफ्ते में उन्होंने टेक शेयरों में 2.3 अरब डॉलर और तीन हफ्ते पहले 5.1 अरब डॉलर की बिकवाली की थी। अगर मार्केट कैप के परसेंटेज के हिसाब से देखें तो चार हफ्ते का एवरेज सात महीने में सबसे ज्यादा है। एनवीडिया के शानदार रिजल्ट के बावजूद अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट रही। इस दौरान नैसडैक में 9 अप्रैल के बाद सबसे बड़ा स्विंग देखने को मिला।

**कितनी आई गिरावट**

9 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन के टैरिफ ने शेयर बाजार में तहलका मचा दिया था। एनवीडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.15 फीसदी गिरावट आई। ऐपल के शेयरों में 0.86%, माइक्रोसॉफ्ट में 1.60%, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट में 1.03% और ऐमजॉन में 2.49% की गिरावट आई। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में अमेरिकी इकॉनमी ने उम्मीद से ज्यादा नौकरियां दीं लेकिन बेरोजगारी दर और पिछले महीनों के आंकड़ों के रिवीजन से अगले महीने रेट कट की संभावना कम हो गई है।

# गिरावट के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

## सेंसेक्स 400 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कमजोर वैश्विक रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के कारण शुक्रवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दो दिन की तेजी पर विराम लगाते हुए गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक या 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 444.84 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 85,187.84 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.00 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,068.15 पर आ गया। रुपया 89 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया; इंट्रा-डे सत्र के दौरान 89.49 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटरनल प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी लाभ में रहीं। एशियाई बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.79 प्रतिशत, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक 2.45 प्रतिशत, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 2.40 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 2.38 प्रतिशत गिर गया। यूरोपीय बाजार लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट में 2.15 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.56 प्रतिशत और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.84 प्रतिशत की गिरावट आई।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल आंकड़ों के उम्मीद से बेहतर रहने से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के बाद, भारतीय बाजारों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा और वे गिरावट के साथ बंद हुए। यह एशियाई बाजारों में व्यापक गिरावट को दर्शाता है। दो दिनों की मामूली तेजी के बाद मुनाफावसूली ने सतर्कता का रुख और बढ़ा दिया, जिससे सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान में आ गए, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में और भी तेज गिरावट आई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.51 प्रतिशत गिरकर 62.42 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 283.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 824.46 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

# अमेरिकी का बुलबुला फूटना तय है, आखिर ये किस महासंकट की चेतावनी है?

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिजवाटर एसोसिएट्स के संस्थापक रे डेलियो ने अमेरिका के लिए एक गंभीर आर्थिक चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अमेरिका वित्तीय अत्यधिकता, नकदी की कमी और ऐतिहासिक रूप से ऊंची असमानता के खतरनाक संगम की ओर बढ़ रहा है। ये हालात 1929, 2000 और 2008 के बाजार क्रैश से पहले के समय जैसे हैं। डेलियो के अनुसार, निवेशक और नीति निर्माता इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि बुलबुले कैसे बनते हैं और कैसे फटते हैं। बुलबुला तब बनता है जब वित्तीय संपत्ति, असली पैसे की सप्लाई से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ती है। यह तब फटता है जब निवेशकों को अचानक नकदी की जरूरत पड़ती है और वे फुलाई हुई संपत्तियों को ऐसे बाजार में बेचते हैं जहां नकदी की भारी कमी होती है। डेलियो ने कई चार्ट के जरयि अपना वश्लेषण कयिा है। उनका पहला चार्ट 1900 से 2024 तक अमेरिकी शेयरों (शेयर बाजार) की संपत्ति की तुलना कुल पैसे की सप्लाई से करता है। यह अनुपात अब 400% से ऊपर है। यह न केवल 1929 के उन्माद के समय के स्तर से ऊपर है, बल्कि 2000 में डॉट-कॉम बूम के चरम और 2021 में महामारी के दौरान सट्टेबाजी के पीक से भी आगे निकल गया है। इन पिछली घटनाओं में वित्तीय संपत्ति उस असली पैसे से कहीं ज्यादा थी जो उसका समर्थन कर सके। इससे बाजार लगातार पैसे के प्रवाह पर निर्भर हो गए थे। डेलियो का तर्क है कि अमेरिका अब एक और ज्यादा खिंची हुई स्थिति में पहुंच गया है। इससे इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि नकदी की कोई भी अचानक जरूरत इतनी बड़ी बिक्री को जन्म दे सकती है जो सिस्टम को चौंका दे। दो अतिरिक्त डेटासेट आज के वैल्यूएशन की तुलना इक्विटी (शेयरों) के अगले 10 वर्षों के प्रदर्शन से करते हैं। इसमें कुल नॉमिनल रिटर्न और इंफ्लेशन एडजस्टेड रियल रिटर्न दोनों शामिल हैं। दूसरे चार्ट में वैल्यूएशन का माप (वेल्थ-टू-मनी रेशियो का जेड-स्कोर) दिखाता है कि जब यह संकेतक बहुत नकारात्मक स्तर तक गिरता है तो पैसे की सप्लाई की तुलना में अत्यधिक वैल्यूशन होता है। ऐतिहासिक रूप से जब भी ऐसा हुआ है, अगले दशक के रिटर्न में भारी गिरावट आई है। यही पैटर्न 1929 के बाद बाजार में ठहराव और डॉट-कॉम पीक के बाद के दशक से पहले देखा गया था। डेलियो बताते हैं कि आज वैल्यूएशन इंडिकेटर फिर से उन दो पिछले बुलबुले की अवधियों के निचले स्तर के करीब है। पिछले चक्रों के आधार पर इसका मतलब है कि अगले 10 वर्षों में नॉमिनल इक्विटी रिटर्न कम या मीडियम सिंगल डिजिट में गिर सकता है।

# क्या गड़बड़ी के कारण गिरे कायेन्स टेक्नोलॉजी के शेयर?

## मोतीलाल ओसवाल ने आरोपों को बताया झूठा

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कायेन्स टेक्नोलॉजी के शेयरों में पिछले कई दिनों से गिरावट बनी हुई है। हालांकि आज शुक्रवार सुबह इसमें कुछ तेजी आई। वहीं इस शेयर में गिरावट को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। मंगलवार को इस शेयर में बड़ी गिरावट आई थी। इसे लेकर एक यूजर ने लिखा कि शेयर में गिरावट मोतीलाल ओसवाल के कारण आई है। हालांकि मोतीलाल ओसवाल ने इसका खंडन किया है।कायेन्स टेक्नोलॉजी के शेयर इस हफ्ते अभी तक करीब 5 फीसदी गिर गए हैं। वहीं मंगलवार को यह शेयर क्रैश हो गया था यानी इसमें बड़ी गिरावट आई थी। इससे निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ था। इसे लेकर एक्स यूजर आशीष गर्ग ने दावा किया कि शेयर में यह गिरावट मोतीलाल ओसवाल द्वारा 8.17 लाख शेयर बेचने के कारण हुई।

**क्या लिखा है पोस्ट में?**

मार्केट एक्सपर्ट आशीष गर्ग ने 19 नवंबर की शाम को एक्स पर एक पोस्ट लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा कि कायेन्स टेक्नोलॉजी के शेयर में कल (मंगलवार) को अचानक तेज गिरावट आई। यह गिरावट इसलिए आई क्योंकि मोतीलाल ओसवाल ने इसके 8.17 लाख शेयर बेच दिए थे। ये शेयर करीब 489 करोड़ रुपये के थे और 6000 रुपये प्रति शेयर के भाव से बेचे गए थे। यह बिक्री तब हुई जब शेयरों का लॉक-इन पीरियड खत्म हो गया था। गर्ग ने यह भी कहा कि यह 'विडंबना' है कि मोतीलाल ओसवाल ने एक रिपोर्ट में दो हफ्ते पहले ही इस शेयर को 'खरीदें' की रेटिंग दी थी और 8200 रुपये का लक्ष्य रखा था।

**मोतीलाल ओसवाल ने किया खंडन**

मोतीलाल ओसवाल ने कायेन्स टेक्नोलॉजी के शेयरों में गिरावट को लेकर उड़ रही अफवाहों का खंडन किया है। कंपनी के को-फाउंडर मोतीलाल ओसवाल ने इन आरोपों को 'झूठा, बकवास और पूरी तरह से अनुचित' बताया है। उन्होंने आशीष गर्ग की पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा कि उनकी कंपनी सख्त प्रक्रियाओं का पालन करती है। उनका रिसर्च स्वतंत्र होता है और वे अपने किसी भी व्यक्तिगत खाते से कोई लेन-देन नहीं करते हैं। कंपनी ने अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। यह मामला निवेशकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

# म्यूचुअल फंड का दायरा बढ़ाने के लिए रिट्स को सूचकांकों में शामिल करने पर हो रहा विचार: सेबी प्रमुख

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे शुक्रवार को आरईआईटी और इनविट के राष्ट्रीय सम्मेलन पर बोलते हुए कहा कि नियामक रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) को बाजार सूचकांकों में शामिल करने पर विचार कर रहा है। इस कदम का उद्देश्य इस क्षेत्र में तरलता, दृश्यता और संस्थागत भागीदारी में सुधार लाना है। इस कदम के साथ ही रिट्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट्स दोनों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए भी उपाय किए जा रहे हैं। पांडे ने कहा कि यह उपकरण भारत के अवसंरचना वित्तपोषण के अगले चरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और अगर तरलता और निवेशक दोनों की ही भागीदारी सार्थक रूप से अच्छी होती है तो यह घरेलू और वैश्विक दोनों पूंजी को आकर्षित कर सकते हैं। पांडे ने कहा आरईआईटी को इक्विटी के रूप में माना जाएगा और इनविट्स को हाइब्रिड उपकरणों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियामक रिट्स और इनविट्स दोनों में ही एक्सपोजर की अनुमति देने के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड्स के पूल का विस्तार करेगा। इसके लागू होने के बाद रिट्स के लिए सूचकांक समावेशन स्वाभविक रूप से अधिक संस्थागत निवेश को आकर्षिक करेगा और द्वितीयक बाजार की गतिविधियों को भी मजबूत करेगा।सेबी प्रमुख ने बताया कि नियमित वितरण और विनियमित संरचनाओं की पेशकश करने वाले उत्पादों के बाद भी रिट्स और इनविट्स में रिटेल भागीदारी कम है। उन्होंने कहा कि निवेशक आधार का विस्तार करने और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और संचार में सुधार करने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

# सोना 412 गिरकर 1,22,149 रुपए पर आया

## चांदी 2,738 सस्ती हुई; इस साल गोल्ड 46,000 और सिल्वर 65,000 महंगी हुई

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज (21 नवंबर) फिर गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोने का दाम 412 रुपए गिरकर 1,22,149 रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1,22,561 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी की कीमत भी आज 2,738 रुपए गिरकर 1,51,375 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। कल यह 1,54,113 रुपए प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

**अलग-अलग शहरों दाम अलग होने का क्या मतलब?**

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

**इस साल सोना 46,000 और चांदी 65,000 महंगी हुई**

इस साल अब तक सोने की कीमत 45,987 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,22,149 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 65,358 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,51,375 रुपए प्रति किलो हो गई है।

# वेनेजुएला में गड़ा है सबसे ज्यादा 'काला सोना'

## 885 साल तक नहीं होगी कोई टेंशन

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। क्रूड यानी कच्चे तेल को काला सोना कहा जाता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वेनेजुएला के पास है। इस दक्षिण अमेरिकी देश के पास करीब 303 अरब बैरल कच्चे तेल का ज्ञात भंडार है। अगर तेल का प्रोडक्शन बढ़ता नहीं है तो यह 885 साल तक देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है। ज्ञात भंडार का मतलब जमीन के नीचे तेल के ऐसे भंडार हैं जिनकी पुष्टि हो चुकी है। कच्चे तेल का इतना बड़ा भंडार होने के बावजूद वेनेजुएला पिछले कई साल से भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वेनेजुएला के बाद दुनिया में दूसरा बड़ा तेल भंडार सऊदी अरब (267 अरब बैरल) के पास है। उसके बाद ईरान (209 अरब बैरल), कनाडा (163 अरब बैरल), इराक (145 अरब बैरल), यूएई (113 अरब बैरल), कुवैत (102 अरब बैरल), रूस (80 अरब बैरल), अमेरिका (74 अरब बैरल) और लीबिया (48 अरब बैरल) का नंबर है। वेनेजुएला में कच्चे तेल का अधिकांश भंडार ओरिनोको बेल्ट में है। कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है।

1990 के दशक के अंत में वेनेजुएला में रोजाना 30 लाख बैरल से ज्यादा तेल का उत्पादन होता था लेकिन अब यह घटकर करीब 9 लाख बैरल रह गया है। इसके पीछे कई कारण हैं। सरकार की गलत नीतियां, वामपंथी सरकारों के तहत भ्रष्टाचार और अमेरिकी प्रतिबंध। इस कारण देश की आधी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे आ गई है। बड़ी संख्या में लोग वेनेजुएला से पलायन कर गए हैं। देश की प्रति व्यक्ति आय आज भी उसी स्तर पर है जहां 1980 में थी। लेकिन इस दौरान महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है।

# यह कैसी मुश्किल में फंस गया भारत? 20 में से 15 देशों के बाजार ने बढ़ाई चिंता, कहां लगा भारी झटका

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का निर्यात अक्टूबर में मुश्किलों में फंस गया। टैरिफ के झटके और भू-राजनीतिक तनावों ने ज्यादातर बड़े बाजारों में शिपमेंट को धीमा कर दिया। ट्रेड थिंक टैंकजीटीआरआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में भारत का निर्यात पिछले साल की तुलना में टॉप 20 निर्यात बाजारों में से सिर्फ 5 में ही बढ़ा है। जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव के अनुसार, अक्टूबर में भारत के निर्यात प्रदर्शन में बड़े बाजारों के बीच काफी अंतर दिखा। सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया से लेकर इटली और यूके जैसे कई अहम बाजारों में दोहरे अंकों की गिरावट आई। इसने वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और नीतिगत बाधाओं के प्रति भारत के निर्यात व्यापार की कमजोरी को उजागर किया है। अक्टूबर में कुल शिपमेंट 11.8% गिर गया।

जीटीआरआई के मुताबिक सिर्फ 5 देशों में ही एक्सपोर्ट में तेजी देखी गई। स्पेन में एक्सपोर्ट में 43.43% और चीन में 42.35% की वृद्धि देखी गई। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण पेट्रोलियम उत्पादों का बढ़ा हुआ शिपमेंट था। वहीं हांगकांग (+6%), ब्राजील (+3.54%) और बेल्जियम (+2.22%) में मामूली वृद्धि देखी गई। बाकी 15 बाजारों में अक्टूबर में गिरावट दर्ज की गई, जो बाहरी कमजोरी को दर्शाता है। अमेरिका को निर्यात 8.58% गिर गया, जबकि यूएई को शिपमेंट 10.17% फिसल गया। कई देशों में तो गिरावट और भी ज्यादा थी। सिंगापुर को एक्सपोर्ट 54.85%, ऑस्ट्रेलिया को 52.42%, इटली को 27.66%, यूके को 27.16% और नीदरलैंड को 22.75% गिर गया। इनके अतिरिक्त मलेशिया को होने वाले एक्सपोर्ट में 22.68%, कोरिया में 16.43%, जर्मनी में 15.14%, फ्रांस में 14.28%, बांग्लादेश में 14.10%, नेपाल में 12.64%, दक्षिण अफ्रीका में 7.54% और सऊदी अरब में 1.12% की गिरावट आई।

# दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष शनिवार 22 Nov
तिथि - द्वितीया 17-11 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - ज्येष्ठा 16-46 तक उप मूल
योग - सुकर्मा 11-29 तक उप धृति
करण - कौलव 17-11 तक उप तैतिल

चंद्र दर्शन रा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-14 10-38

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

| दिन का चौघडिया | | रात का चौघडिया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | 17-36 - 19-14 शुभ | काल | 06-25 - 07-50 अशुभ |
| उत्पात | 19-14 - 20-50 अशुभ | शुभ | 07-50 - 09-14 शुभ |
| शुभ | 20-50 - 22-26 शुभ | रोग।। | 09-14 - 10-38 अशुभ |
| अमृत | 22-26 - 00-02 शुभ | उत्पात | 10-38 - 12-02 अशुभ |
| चंचल | 00-02 - 01-39 शुभ | चंचल | 12-02 - 13-26 शुभ |
| रोग | 01-39 - 03-15 अशुभ | लाभ | 13-26 - 14-50 शुभ |
| काल | 03-15 - 04-51 अशुभ | अमृत | 14-50 - 16-14 शुभ |
| लाभ | 04-51 - 06-25 शुभ | काल | 16-14 - 17-36 अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपका करियर अधिक आत्मनिरीक्षण वाला लग सकता है, क्योंकि आप शांत ध्यान और सोच-समझकर योजना बनाने की ओर आकर्षित होंगे। नए नज़रिए की चिंगारी की बदौलत आपके विचारों में नवीनता प्रवाहित होती है। चुनौतियाँ आ सकती हैं, जो आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप संवेदनशील और खुश दोनों महसूस कर सकते हैं। एक सुरक्षात्मक मूड आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि स्थिर ऊर्जा आपको स्थिर रखती है। आप अपनी भावनाओं को आसानी से व्यक्त करने की संभावना रखते हैं, और परिचित दिनचर्या आराम देती है।

**कर्क** (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका तर्क और अनुशासन निरंतर प्रगति में सहायक होते हैं, जिससे आपको अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त होता है। आपकी रचनात्मकता आपके काम में निखार लाती है और आपके विचारों को विशिष्ट बनाती है। आप दूसरों की आलोचना करने की प्रवृत्ति महसूस कर सकते हैं।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाज़ों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप भावनात्मक अंतर्दृष्टि और साहसिक कार्रवाई के साथ अपने काम को आगे बढ़ाएंगे। आपकी कर्तव्य भावना मजबूत है, जो चुनौतियों के आने पर भी आपको प्रतिबद्ध रहने में मदद करती है। गहरी भावनाएँ आपकी कल्पना को प्रेरित कर सकती हैं, लेकिन यथार्थवादी बने रहना महत्वपूर्ण है।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
सिंह राशि में सूर्य के प्रभाव में आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ती है, जो आपको करियर और पढ़ाई दोनों में जिम्मेदारी संभालने के लिए सशक्त बनाती है। सिंह राशि में चंद्रमा आपकी आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ाता है, जिससे समूह में आपकी उपस्थिति महसूस होती है। बृहस्पति का व्यापक प्रभाव आशाजनक अवसर लाता है।

**कुंभ** (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन आपके कार्य जीवन में सौम्य लेकिन शक्तिशाली ऊर्जा प्रदान करता है, जो आपको दूसरों से जुड़ने और सार्थक समर्थन प्रदान करने में मदद करता है। आपके प्रयासों पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा। हालाँकि, ज़मीन पर बने रहें, क्योंकि उच्च ऊर्जा रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपको महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए आत्म-जागरूकता की आवश्यकता है। आपको ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपको अपने सामान्य तरीकों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकती हैं। नए विचार प्रगति की ओर ले जा सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# गाय के दूध से बना चरणामृत बन गया मौत का डर

गोरखपुर, 21 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर के एक गांव में पिछले दो दिनों से सन्नाटा पसरा हुआ है। वजह है एक गाय की मौत, जिसकी पूरी कहानी सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, इस गाय की मौत कोई 'सामान्य मौत' नहीं थी।

गाय को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था और रेबीज के संक्रमण की वजह से उसकी जान चली गई। मौत से पहले इस गाय का दूध गांव के सैकड़ों लोगों ने पिया और यही वजह है कि अब उन लोगों में भी रेबीज का दहशत है।

गांव का नाम है रामडीह, जो गोरखपुर जिले के दक्षिणांचल में स्थित उरुवा इलाके में बसा है। रेबीज से गाय की मौत की खबर फैलने के बाद रामडीह और उसके आसपास के गांव सहित सैकड़ों लोग एक अनजान डर के साए में जी रहे हैं। सबके चेहरे पर एक सवाल है कि अब ना जाने उनका क्या होगा? स्वास्थ्य विभाग भी इन लोगों की जांच में लग गया है और उन्हे एहतियातन रेबीज की डोज दी जा रही है।

ये पूरी कहानी उस वक्त शुरू हुई, जब बीते 29 अक्टूबर को गांव के सुनील गौड़ के घर शिवचर्चा का आयोजन हुआ। धार्मिक अनुष्ठान के बाद लोगों में चरणामृत का प्रसाद बांटा गया। चरणामृत बनाने के लिए दूध पड़ोस में ही रहने वाले धर्मेंद्र गौड़ के घर से आया था। इस धार्मिक आयोजन में आसपास के ग्रामीणों सहित रिश्तेदारी से भी लोग आए थे और सभी ने चरणामृत प्रसाद का सेवन किया था।

इसके बाद 2 नवंबर को गांव के ही एक अन्य व्यक्ति सोनू विश्वकर्मा के घर भी राम कथा का आयोजन हुआ, जहां उसके रिश्तेदारों सहित आसपास के लोग बुलाए गए। इस दौरान भी प्रसाद के रूप में लोगों के बीच चरणामृत का वितरण किया गया। ग्राम प्रधान अनिल गौड़ ने बताया कि सेवा भाव और धार्मिक आयोजन होने की वजह से थोड़ा-थोड़ा दूध अन्य लोगों के घरों से भी प्रसाद बनाने के लिए सोनू विश्वकर्मा के घर पहुंचाया गया था। इसमें धर्मेंद्र गौड़ की गाय का दूध भी शामिल था।

अनिल गौड़ के मुताबिक, बीते शनिवार की रात लगभग 8 बजे धर्मेंद्र गौड़ की गाय की मौत हो गई। पता चला कि गाय को किसी आवारा कुत्ते ने काटा था और उसमें रेबीज के लक्षण पाए गए थे। हालांकि, शुरुआत में धर्मेंद्र को इसकी जानकारी नहीं हो पाई, लेकिन करीब एक हफ्ते पहले जब गाय की हरकतें अजीब होने लगीं, तो उसे पास के सीएचसी सेंटर ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने रेबीज के लक्षण होने की बात कही और गाय का इलाज शुरू कर दिया। लेकिन, 15 नवंबर को गाय की मौत हो गई।

रेबीज से गाय की मौत की खबर फैली तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया। रेबीज की आशंका में लोग अस्पताल की तरफ भागे और सीएचसी सेंटर पर काफी भीड़ जमा हो गई। सैकड़ों की संख्या में लोग एंटी रेबीज के टीके लगवाने के लिए पहुंचने लगे। बात फैलते-फैलते सुनील गौड़ और सोनू विश्वकर्मा के उन रिश्तेदारों तक भी पहुंची, जो उनके यहां धार्मिक आयोजन में शामिल हुए थे। इन लोगों ने भी एंटी रेबीज की डोज लगवानी शुरू कर दी।

इसी दौरान एक और गाय को कुत्ते के काटने की खबर सामने आई। दरअसल, गांव में ही रहने वाले सुशील गौड़ ने बताया कि कुछ दिनों पहले उनकी गाय को भी एक कुत्ते ने काट लिया था। घाव मुंह पर होने की वजह से साफ दिख गया और डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि उसमें रेबीज के लक्षण हैं। फौरन उसका इलाज शुरू कराया गया और गाय अब सुरक्षित है। वहीं, धर्मेंद्र की गाय की मौत के बाद उसकी बछिया की भी जांच कराई गई है। बछिया को डोज दे दी गई और फिलहाल वह ठीक है।

प्रधान अनिल गौड़ बताते हैं, 'इस घटना से गांव में मौत जैसा सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग अपने बच्चों, महिलाओं और परिजनों को लेकर डर के साए में जी रहे हैं। कोई भी ना तो ठीक से बात कर रहा है और ना ही, सही से खा-पी रहा है। गांव का प्रधान होने के नाते मैंने भी धर्मेंद्र की गाय का प्रसाद ग्रहण किया था।' वहीं, गांव के 68 वर्षीय बुजुर्ग रामदीन काका बड़े ही भावुक अंदाज में अपनी भोजपुरी भाषा में कहते हैं, 'बाबू हमहुं प्रसाद लिहले रहलीं, का करी, डर त लागत बा, घर के तीन और सदस्य प्रसाद लिहलें रहलें, इंजेक्शन लागत बा, अब देखा भगवान का करे लें, उनहीं के दिहल प्रसाद रहल, अब उहे जनिहें।'

दूसरी तरफ, धर्मेंद्र गौड़ की पत्नी सुशीला देवी का कहना है, 'बाबू इसमें हम लोगों का क्या दोष? हमें तो कुछ पता ही नहीं था। न जाने किस घड़ी में हमारी गाय को कुत्ते ने काट लिया और ऐसी घटना हो गई। पूरा गांव डरा हुआ है, हम लोग तो पिछले दो महीने से इस गाय का दूध लगातार पी रहे हैं। घर में मासूम बच्चे भी हैं, पूरा परिवार एक अलग ही डर में जी रहा है।'

इस बारे में एनबीटी ऑनलाइन ने जब उरुवा स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर जेपी तिवारी से बात की, तो उनका कहना था कि सैकड़ों लोगों को एंटी रेबीज की डोज लगाई गई है।

हालांकि, किसी भी संक्रमित जानवर द्वारा काटे जाने पर 24 से 36 घंटे के भीतर पहली डोज लगनी चाहिए। जहां तक स्वास्थ्य कैंप या शिविर की बात है, तो रेबीज का इंजेक्शन एक विशेष टेंपरेचर पर रखा जाता है, जिसे हर जगह ले जाना संभव नहीं है। इसलिए, स्वास्थ्य केंद्र पर ही लोगों को एंटी रेबीज का टीका लगाया जा रहा है। सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। मामले की जानकारी प्रशासन को भी है और स्वास्थ्य विभाग इस पर नजर बनाए हुए है।

**बस्ती में भी हुई थी ऐसी ही घटना**

रेबीज के बारे में पूर्व चिकित्सा अधिकारी और जोनल मैनेजर यूपी एलडीबी रह चुके डॉक्टर बीके सिंह ने एनबीटी ऑनलाइन से बताया कि अगर संक्रमित गाय के दूध को उबालकर पिया जाए तो संक्रमण का खतरा कम रहता है। लेकिन, अगर दूध कच्चा है तो संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है।

1990 के दौरान बस्ती जिले में एक ऐसी ही घटना सामने आई थी, जब एक भैंस में रेबीज के लक्षण पाए गए। इस दौरान कई लोगों ने उस भैंस के दूध का सेवन किया और बाद में उन्हें भी एंटी रेबीज की डोज लगाई गई। गोरखपुर से भी एक टीम डॉक्टर बीके सिंह के नेतृत्व में बस्ती के हरैया गांव भेजी गई थी, जहां सभी जानवरों को एंटी रेबीज डोज दी गई।

**32 साल बाद भी उभर सकते हैं लक्षण**

भैंस के मस्तिष्क का सिरम बरेली के आईबीआरआई सेंटर भेजा गया, जहां जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह ने घटना को संज्ञान में लेते हुए गोरखपुर में एंटी रेबीज कंट्रोल की स्थापना की, जिसका उद्देश्य था आवारा जानवरों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए जाएं। कुछ सालों तक यह सिलसिला चला, लेकिन अब वह पूरी तरह ठंडे बस्ते में जा चुका है। हालांकि, सेंटर आज भी मौजूद है और कंट्रोल रूम पर डॉक्टर की तैनाती भी है।

डॉ. बीके सिंह आगे कहते हैं कि रेबीज के लक्षण दो-चार दिनों से लेकर 32 वर्ष बाद तक उभरते हैं, इसलिए संक्रमित को डोज लगाना जरूरी है। वह भी क्यूरेटिव 5, 7 या 9 डोज होनी चाहिए, तीन डोज से काम नही चलने वाला।

संक्रमित दूध को एक विशेष टेंपरेचर पर गर्म करने के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए।

# नक्सली बोले- बीमार था हिड़मा, फोर्स ने पकड़कर मारा

## अभय के नाम से पत्र जारी, कहा– इलाज करवाने विजयवाड़ा गया था, मुठभेड़ की कहानी झूठी

जगदलपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। नक्सल संगठन ने अभय के नाम से एक पत्र जारी कर हिड़मा के एनकाउंटर को पुलिस की झूठी और मनगढ़त कहानी बताया है। पत्र में नक्सलियों का कहना है कि हिड़मा बीमार था और इलाज के लिए विजयवाड़ा गया हुआ था। लेकिन इस जानकारी के लीक होने के बाद 15 नवंबर को पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

इसके बाद आंध्र प्रदेश पुलिस हिड़मा को अल्लुरी सितारामा राजू जिले के मारेडुमिल्ली इलाके ले गई और 18 नवंबर को उसकी हत्या कर दी गई। हिड़मा के साथ उसकी पत्नी राजे समेत कुल 6 लोगों की हत्या की गई।

नक्सलियों ने यह भी कहा कि पुलिस ने मुठभेड़ की झूठी कहानी गढ़ी। इसके अलावा 19 नवंबर को 7 लोगों के एनकाउंटर को भी झूठा बताया गया है। इसके अलावा युवा कांग्रेस की महासचिव प्रीति मांझी के हिड़मा से जुड़ी पोस्ट पर बवाल हो गया। उन्होंने लाल सलाम लिखकर हिड़मा को श्रद्धांजलि दी थी।

कांग्रेस के विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया। विवाद के बाद प्रीति मांझी ने सफाई दी कि उनका उद्देश्य नक्सलवाद का समर्थन नहीं था। वहीं कांग्रेस ने हिड़मा को हत्यारा बताते हुए अपना रुख स्पष्ट किया।

नक्सली अभय के नाम से जारी पत्र में लिखा हुआ है कि इस मुठभेड़ को लेकर 23 नवंबर को देशव्यापी प्रतिरोध दिवस दिवस मनाया जाएगा। यह भी लिखा है कि हिड़मा को एक खलनायक के रूप में दिखाया जा रहा है। झूठा प्रचार किया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश पुलिस बोली- एनकाउंटर में मारा गया हिड़मा

इधर, आंध्र प्रदेश पुलिस ने अल्लुरी सितारामा जिले में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। SP ने कहा था कि 18 नवंबर की सुबह मुठभेड़ हुई थी। जिसमें माड़वी हिड़मा, राजे समेत कुल 6 नक्सली ढेर हुए थे।

जब पुलिस से पूछा गया कि इस मुठभेड़ को फर्जी बताया जा रहा है। 3 लेयर की सिक्योरिटी में रहने वाला हिड़मा कैसे मारा गया?

उन्होंने जवाब दिया कि पुलिस का दबाव नक्सलियों पर बढ़ रहा है। यही वजह है कि वे अपनी स्ट्रैटजी बदलते हैं। 3 लेयर सिक्योरिटी वे वहां रखते हैं जहां उनका कम्फर्ट जोन होता है। ये सभी मुठभेड़ में मारे गए हैं।

**युवा कांग्रेस नेता की सोशल मीडिया स्टोरी पर बवाल**

युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रीति मांझी एक विवादित सोशल मीडिया स्टोरी शेयर करने के बाद राजनीति के केंद्र में आ गई हैं। उन्होंने नक्सली कमांडर माड़वी हिडमा के लिए "लाल सलाम कामरेड हिड़मा" लिखी हुई स्टोरी शेयर की थी।

इस पर विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने पर प्रीति मांझी ने कहा कि उनकी पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया है और उनका उद्देश्य किसी नक्सली या हिंसा का समर्थन करना नहीं था, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों के संघर्ष की ओर ध्यान आकर्षित करना था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वे गांधीवादी विचारधारा की हैं, संविधान का समर्थन करती हैं और नक्सलवाद का पुरजोर विरोध करती हैं।

कांग्रेस ने इस मामले पर कहा कि पार्टी के लिए हिड़मा एक हत्यारा और बस्तर में आतंक का पर्याय था। संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने झीरम कांड का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हिड़मा के कारण अपनी एक पूरी पीढ़ी खो दी थी, इसलिए पार्टी की उससे कोई संवेदना नहीं है।

# आरआई भर्ती परीक्षा: अधिकारियों ने पैसे लेकर पेपर लीक किया

## अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र दिया, एग्जाम की तैयारी करवाई, रायपुर के 2 अफसर अरेस्ट

रायपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो दिन पहले एसीबी-ईओडब्ल्यू ने पटवारी से आरआई बने अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। टीम ने एक्शन लेते हुए रायपुर से दो अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर पेपर लीक किया, एग्जाम की तैयारी भी कराई थी।

गिरफ्तार अधिकारियों में रायपुर के आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय के सहायक सांख्यिकी अधिकारी वीरेंद्र जाटव और उप आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय के सहायक सांख्यिकी अधिकारी हेमंत कौशिक शामिल है।

बता दें कि 19 नवंबर की तड़के संयुक्त टीम ने रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग समेत 7 जिलों में एक साथ 19 ठिकानों पर छापा मारा था। अनियमित चयन और अवैध संपत्ति अर्जित करने की शिकायतों पर एक्शन हुआ है। मामले में अपराध दर्ज कर संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यक्तियों से लगातार पूछताछ जारी है।

ईओडब्ल्यू-एसीबी की ओर से

कहा गया है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं। दोनों ने खुद और अपने सीनियर अधिकारियों को फायदा पहुंचाने के लिए यह धोखाधड़ी की। 2024 में पटवारी से आरआई बनने के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी।

इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत सरकार को मिली थी। इसके बाद से ही एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम जानकारी जुटा रही थी। इस मामले में जांच एजेंसी ने अपराध दर्ज किया है।

परीक्षा संचालन समिति से जुड़े प्रश्न पत्र छपाई और वितरण में लगे अधिकारी-कर्मचारी, और प्रमोशन दिलाने के लिए लाइजनिंग करने वाले राजस्व अधिकारियों के घरों में जांच की गई।

तलाशी के दौरान डिजिटल सबूत, लेन-देन से जुड़े एग्रीमेंट और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। अभी इन दस्तावेजों की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

एसीबी के अधिकारियों के अनुसार 19 नवंबर को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, गरियाबंद, अंबिकापुर, महासमुंद और जगदलपुर में अलग-अलग टीमों ने सुबह ही दबिश दी। अधिकारियों के आवास, कार्यालय, निजी ठिकानों और पैतृक संपत्तियों की जांच की गई।

टीमों के पास डिजिटल उपकरण, बैंक विवरण, प्रॉपर्टी कागजात और संदिग्ध ट्रांजैक्शन से जुड़े दस्तावेज जब्त करने की जानकारी मिली है। जांच एजेंसी को संदेह है कि पटवारी से आरआई बनने की परीक्षा में गड़बड़ियां, फर्जी अंक, बाहरी दबाव और लाभ पहुंचाने जैसे आरोप सही साबित हो सकते हैं।

एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने बिलासपुर में आरआई अभिषेक सिंह के निवास पर दबिश दी थी। वाजपेयी कैसल स्थित निवास पहुंची। एसीबी की टीम आरआई सहित परिजनों से पूछताछ कर दस्तावेजों की जांच की। वर्तमान में अभिषेक सिंह सूरजपुर में पदस्थ हैं।

19 नवंबर को बेमेतरा जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर के सरकारी आवास में भी ईओडब्ल्यू की टीम पहुंची थी।

# पुलिस चौकी में शराब पार्टी आरक्षक छलका रहे थे जाम

## ड्यूटी छोड़ पी रहे थे शराब, वीडियो बनाने पर भड़के, युवक को दी धमकी

बिलासपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो आरक्षक ड्यूटी छोड़कर पुलिस सहायता केंद्र के कमरे में शराबखोरी कर रहे थे। इस दौरान एक युवक ने उनका वीडियो बना लिया। वीडियो बनाते देखकर आरक्षक भड़क गया और युवक को जान से मारने की धमकी देते हुए गाली देने लगा।

यह पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र के मोपका पुलिस चौकी का है। आरक्षकों के शराब पीने और धमकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, बुधवार की रात एक युवक मोपका पुलिस चौकी गया। उस समय चौकी में कोई और नहीं था।

युवक जब चौकी के अंदर एक कमरे में गया, तो देखा कि वहां सामान रखे हुए थे। वहीं, कमरे में दो आरक्षक बैठकर शराब पी रहे थे। उनकी यह हरकत देखकर युवक वीडियो बनाने लगा। इस दौरान मोबाइल कैमरा देखते ही आरक्षक संतोष राठौर भड़क गया। आरक्षक युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी देने लगा।

# बीजेपी विधायक डिजिटल अरेस्ट, आईबी अधिकारी बनकर धमकाया

## कहा– आप कोई भी हो, दिल्ली तलब होना पड़ेगा पहलगाम आतंकी हमले में उपयोग हुआ नंबर

रायपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण से भाजपा विधायक सुनील सोनी से साइबर ठगी की कोशिश हुई है। 19 नवंबर की शाम एमएलए के पास अज्ञात नंबर से कॉल आया था। ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। ठग ने उनसे इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी बनकर बात की और 5 मिनट तक धमकाते रहे।

फ्रॉड ने सुनील सोनी से कहा कि आपका नंबर पहलगाम आतंकी हमले में उपयोग हुआ है। उन्हें दिल्ली तलब होना पड़ेगा। हालांकि, विधायक को शक हुआ तो उन्होंने कॉल कट किया। फिलहाल, विधायक ने एसएसपी को इस पूरे मामले की जानकारी दी है। मामले की जांच जारी है।

**सुनील सोनी बोले- मानसिक रूप से सोचने को मजबूर कर दिया**

विधायक सुनील सोनी ने बताया कि ठग ने इंटेलिजेंस ब्यूरो बनकर कॉल किया था। उसने जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया उसने मानसिक रूप से सोचने को मजबूर कर दिया।

कॉलर ने कहा कि आपको दिल्ली में तलब होना पड़ेगा। कॉलर ने मेरा नंबर सही बताया और कहा कि आपके फोन का उपयोग कश्मीर आतंकी घटना में हुआ है। जिसके बाद मैंने उसको अपना परिचय दिया। तो कॉलर ने कहा कोई भी हो, जहां से भी हो, दिल्ली तलब होना पड़ेगा।

**विधायक से बोले ठग, आपको अरेस्ट करेंगे**

सुनील सोनी ने कॉलर से कहा कि मैं छत्तीसगढ़ रायपुर से विधायक हूं। तो ठग ने कहा कि हमारा आदमी आपको कॉल करेगा, आपको अरेस्ट करेगा। शक हुआ तो विधायक सुनील सोनी ने एसएसपी को बातचीत की जानकारी दी। साइबर थाने में भी लिखित शिकायत की है।

इस घटना के बाद विधायक सुनील सोनी ने लोगों से अपील की है कि ऐसी घटना होने पर तुरंत थाने में सूचना दे। इस फ्रॉड से बचने का दूसरा कोई रास्ता नहीं है। ठग इस तरह बातचीत करते हैं कि लोग सोचने पर मजबूर हो जाते हैं। लेकिन डरने की जरूरत नहीं है। पुलिस कार्रवाई करेगी।

# गोली मारकर युवक का मर्डर

जमशेदपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में गुरुवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के शरीर में आठ गोली लगी है और सिर में तीन जगह पर चापड़ से हमला करने के भी निशान मिले हैं। घटना कदमा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर मस्जिद के पीछे मैदान में हुई।

मृतक की पहचान ब्लॉक नंबर दो निवासी मोहम्मद तौकीर उर्फ गोरा (गोरा) के रूप में की गई। वह घर से पैदल ही पार्टी में जाने के लिए निकला था। इसी दौरान बाइक सवार अपराधी 5-6 की संख्या में आए और उसपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी।

हत्या का आरोप परिजनों ने एग्रिको के अपराधी सलमान और मानगो के बिल्ली आफताब पर लगाया है। मृतक मोहम्मद तौकीर गैंगस्टर अखिलेश सिंह के करीबी हरीश सिंह का सहयोगी था। वह घाघीडीह जेल में बंद मनोज सिंह के पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में सजायाफ्ता था।

हाईकोर्ट से वह तीन माह पूर्व बेल पर जेल से बाहर निकाला था। कदम पुलिस वर्तमान में तीन माह पहले हुए चापड़बाजी के मामले में उसकी तलाश कर रही थी। इधर, घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस उसे साथियों की मदद से टाटा मुख्य अस्पताल लेकर गई।

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

# शिक्षक दंपती के घर डकैती

## हथियारबंद बदमाशों ने 4 घंटे बंधक बनाकर लूटा, खाना बनवा खाया भी, सुबह हुए फरार

पलामू, 21 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू के हैदरनगर थाना क्षेत्र के कुकही के मुगलजान टोला में गुरुवार देर रात लगभग 15 हथियारबंद डकैतों ने एक शिक्षक दंपती को बंधक बना लिया। बदमाशों ने घर में चार घंटे तक उत्पात मचाया और नगदी, सोने-चांदी के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान लूट लिए। इस दौरान उन्होंने दंपती से खाना भी बनवाया और खाया भी। डकैत शुक्रवार अहले सुबह घर से फरार हो गए।

सरस्वती शिशु मंदिर, जपला के शिक्षक मृत्युंजय मेहता और उनकी पत्नी पारा शिक्षिका अनिता देवी गुरुवार रात करीब 11 बजे खाना खाकर सो गए थे। मृत्युंजय मेहता जब शौच के लिए उठे तो उन्हें छत पर संदिग्ध आहट सुनाई दी। नीचे लौटते ही उनका सामना एक हथियारबंद डकैत से हो गया। हल्की हाथापाई के बाद चार और डकैत घर में घुस आए, जबकि बाकी बाहर पहरा देते रहे।

डकैत पिस्तौल, चाकू और लोहे की रॉड से लैस थे। उन्होंने दंपती को बेरहमी से पीटा, हथियार तानकर डराया और घर में मौजूद हर बक्से, अलमारी व बैग को खंगाल डाला। जेवर, नगदी और अन्य कीमती सामान लूटकर अपने कब्जे में ले लिया।

डकैतों ने चार घंटे तक लगातार नगदी और चाबी की मांग की। इतना ही नहीं, उन्होंने दंपती को खाना बनाने के लिए भी मजबूर किया। यह वारदात रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक चलती रही। जाते-जाते गिरोह ने दंपती को जान से मारने की धमकी भी दी।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल दंपती को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अफजल अंसारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

# फ्लैट में लगी आग, लाखों की संपत्ति खाक

गिरिडीह, 21 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के बक्सीडीह रोड स्थित विनय सिंह के अपार्टमेंट में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर स्थित अमरेश कुमार के फ्लैट में लगी इस आग से लाखों रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

घटना के समय फ्लैट में अमरेश कुमार की पत्नी अकेली थीं। उन्होंने बताया कि पूजा के बाद जब वह रसोई में गईं, तो पूजा कक्ष से धुआं उठता देखा। उन्होंने तुरंत पड़ोसियों को सूचित किया, जिसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई।

प्रारंभिक आशंका है कि आग पूजा में जल रही अगरबत्ती या दीपक से फैली। आग तेजी से फैली और फ्लैट में रखे फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान तथा महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। इस घटना में लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। चौथी मंजिल तक पहुंचने और घने धुएं के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों के सहयोग और दमकलकर्मियों की कड़ी मेहनत से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

# 80 करोड़ रुपए का सांप का जहर जब्त

पलामू, 21 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू में वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और वन विभाग की संयुक्त टीम ने सांप के जहर की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। टीम ने 1200 ग्राम सांप का जहर और ढाई किलोग्राम पैंगोलिन शल्क बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त जहर की कीमत करीब 80 करोड़ रुपए और पैंगोलिन शल्क की कीमत लगभग 20 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में पिता-पुत्र समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिहार के औरंगाबाद जिले के देव निवासी मोहम्मद सिराज (60), उसका बेटा मोहम्मद मिराज (36) और पलामू के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कौवाखोह निवासी राजू कुमार शौंडिक (50) शामिल हैं। राजू हरिहरगंज बाजार में दुकान चलाता है और जड़ी-बूटी बेचने का भी काम करता है। वन विभाग को जानकारी मिली थी कि सांप का जहर स्थानीय स्तर पर इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचा जा रहा है। इस सूचना के आधार पर आरोपियों पर कुछ दिनों से नजर रखी जा रही थी। पहले बिहार से पिता-पुत्र को पकड़ा गया, जिसके बाद हरिहरगंज से राजू कुमार शौंडिक की गिरफ्तारी हुई। जांच में सामने आया है कि राजू गुड़ के कारोबार के साथ-साथ सांप के जहर की तस्करी में भी शामिल था। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि यह जहर स्थानीय स्तर पर इकट्ठा कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई किया जाता था। सांप के जहर का उपयोग नशे के तौर पर किया जाता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत प्रति ग्राम आठ लाख रुपए तक होती है। आरोपियों के फोन जब्त कर सांप के जहर और पैंगोलिन शल्क के अवैध कारोबार के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान बरामद पैंगोलिन शल्क एक दुर्लभ स्तनपायी जीव के हैं।

चीन, वियतनाम और कई अन्य देशों में इन शल्कों का इस्तेमाल दवा बनाने में किया जाता है, जिससे इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग है।

# बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप, 6 मौतें, 200 घायल

## आयरलैंड-बांग्लादेश क्रिकेट मैच रुका, 10 मंजिला इमारत झुकी, कोलकाता तक महसूस हुए झटके

ढाका, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शुक्रवार सुबह करीब 10:08 (भारतीय समयानुसार) बजे 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 200 से ज्यादा घायल हुए हैं।

भूकंप का केंद्र नरसिंगडी के माधबडी में था, जो ढाका से सिर्फ 25 किलोमीटर दूर है। झटके इतने तेज थे कि इसके असर से एक दस मंजिला इमारत दूसरी तरफ झुक गई।

वहीं, बांग्लादेश-आयरलैंड इंटरनेशनल क्रिकेट मैच भी कुछ देर के लिए रोक दी गई।

**भूकंप के बाद कपड़ा फैक्ट्री में भगदड़**

गाजीपुर के श्रीपुर में भूकंप के दौरान भारी हादसा हो गया। घबराहट की वजह से एक बहुमंजिला इमारत से निकलने की कोशिश में भगदड़ मच गई, जिसमें 150 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए।

घटना डेनिमेक नाम की एक कपड़ा फैक्ट्री में हुई। घायलों को श्रीपुर उपजिला स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मजदूरों ने शिकायत की कि भूकंप आने के बाद अधिकारियों ने कारखाने का मेनगेट खोलने से इनकार कर दिया था। इससे दहशत फैल गई जिसकी वजह से ज्यादा लोग घायल हुए।

**भूकंप से 10 महीने की बच्ची की मौत**

आज सुबह आए भूकंप के दौरान नारायणगंज के रूपगंज उपजिला में एक दीवार गिरने से 10 महीने की बच्ची की मौत हो गई। बच्चे की मां और एक पड़ोसी घायल हो गए और फिलहाल उनका उपजिला के एक निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बच्ची की मां ने द डेली स्टार को बताया, भूकंप महसूस होते ही, बच्चे की मां अपनी बेटी के साथ घर से बाहर निकल आई। जब वे पास में ही अपनी मां के घर जा रही थीं, तो सड़क किनारे एक दीवार अचानक उनके ऊपर गिर गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

**बांग्लादेश में 1762 में आया था सबसे खतरनाक भूकंप**

बांग्लादेश में अब तक का सबसे बड़ा भूकंप 1762 में आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.5 थी।

इसे 'ग्रेट अराकान अर्थक्वेक' के नाम से जाना जाता है। इसके चलते बांग्लादेश में भी भारी नुकसान हुआ था।

भूकंप के आधे घंटे के अंदर 6 से 15 मीटर तक ऊंची सुनामी ने चटगांव शहर को पूरी तरह तबाह कर दिया। सदरघाट और आसपास के बड़े इलाके हमेशा के लिए समुद्र में डूब गए। इस भूकंप में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उस समय बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन था। कंपनी के दस्तावेजों में लिखा है कि चटगांव शहर रातों-रात गायब हो गया। पुर्तगाली और डच व्यापारियों के रिकॉर्ड में भी इसका जिक्र है। स्थानीय बंगाली और अराकानी लोककथाओं में इसे 'समुद्र के बदले' के रूप में याद किया जाता है।

**कोलकाता में 20 सेकेंड तक झटके महसूस हुए**

कोलकाता में शुक्रवार सुबह 10:10 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, झटके करीब 20 सेकेंड तक महसूस हुए।

रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 थी। अब तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा और नादिया के कई इलाकों में इसका असर देखा गया। भूकंप का केंद्र बांग्लादेश बताया जा रहा है।

## रेलवे के माल गोदाम में नौकरी के नाम पर 33 लाख से ज्यादा की ठगी

### तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दुर्ग, 21 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग में रेल्वे के माल गोदाम में स्थाई नौकरी लगाने के नाम के नाम पर ठगी करने वाले 3 लोगो को पुलिस गिरफ्तार किया पकड़े गए आरोपी में पिता पुत्र शामिल है तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। दुर्ग ग्रामीण एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि पीड़िता ने उतई थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके परिवार और परिचित वाले को रेलवे के माल गोदाम में स्थाई नौकरी लगाने के नाम पर बिसेसर मार्कण्डेय ने करीब 28 लोगों से 33 लाख 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया है। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

## ब्रिटेन में पूर्व पीएम जॉनसन की लापरवाही से कोविड में 23 हजार मौतें ज्यादा हुईं

लंदन, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की कोविड जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की देर से लिए गए फैसलों की वजह से देश में 23000 अतिरिक्त मौतें हुईं।

रिपोर्ट के मुताबिक जॉनसन शुरू में वायरस की गंभीरता को समझ ही नहीं पाए और लॉकडाउन लगाने में देरी करते रहे।

रिपोर्ट की चेयरपर्सन, पूर्व जज हीथर हैलेट ने कहा कि महामारी के दौरान सरकार में टॉक्सिक और अराजक माहौल था। जॉनसन लगातार फैसले बदलते थे और कई अहम सुझाव नजरअंदाज किए गए।

जांच में यह भी पाया गया कि अगर ब्रिटेन ने एक हफ्ता पहले यानी 16 मार्च 2020 को लॉकडाउन लगाया होता, तो पहली लहर में मौतों की संख्या 48% कम हो सकती थी।

कोविड काल में जॉनसन सरकार पर कई आरोप लगे, जिनमें डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टियां करने और लॉकडाउन नियम तोड़ने के मामले भी शामिल थे।

इसी दौरान स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक और मुख्य सलाहकार डॉमिनिक कमींग्स के आचरण पर भी गंभीर सवाल उठे।

रिपोर्ट में भविष्य की महामारी से निपटने के लिए 19 सिफारिशें भी दी गई हैं।

# बिहार की नई सरकार में 'सम्राट' के जरिए बीजेपी का 'स्मार्ट मूव'

## बैकफुट पर जेडीयू, हर बाजी बीजेपी के पास

पटना, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के चुनावी जंग में सुनामी लाने का क्रेडिट भले राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम गया, पर महत्वपूर्ण विभाग और हर उलझा हुआ पेंच बीजेपी के पास गया। कौन-कौन से मुद्दे थे जहां जदयू को बैकफुट पर आना पड़ा। और ऐसा तब हो रहा है जब बीजेपी 89 और जेडीयू का नंबर 84 है न कि 74 और 43। भाजपा को गृह विभाग लेने में 20 वर्ष लग गए। वर्ष 2005 से गृह विभाग पाने की जिद्द को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने धत्ता बताया। लेकिन इस बार बाई हुक एंड क्रुक इस विभाग को पाने में सफलता मिली। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा ने इस बार दोनों उप मुख्यमंत्री के पद को लेकर जो जिद की उसे पूरा किया। और सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की जोड़ी ही कायम रही।

**अध्यक्ष और सभापति**

अध्यक्ष और सभापति को ले कर भी खींचतान चल रही थी उस मसले पर भी बाजी अपने हाथ रखा। अवधेश नारायण सिंह विधान परिषद के सभापति है ही। अब विधानसभा अध्यक्ष पद पर प्रेम कुमार विराजमान होंगे। मंत्रिमंडल विस्तार और महत्वपूर्ण विभागों के बंटवारे में गृह मंत्रालय जैसी अहम जिम्मेदारी बीजेपी के खाते में जाने के बाद, यह स्पष्ट है कि बीजेपी अब बिहार की 'डबल इंजन' सरकार में न केवल बड़ी सहयोगी है, बल्कि सबसे प्रभावशाली ताकत बनकर उभरी है। यह स्थिति जेडीयू के लिए आने वाले समय में कठिन चुनौती खड़ी कर सकती है। बीजेपी अब अपनी बढ़ी हुई ताकत का उपयोग केवल प्रशासनिक नियंत्रण तक ही सीमित नहीं रखेगी, बल्कि अपने वैचारिक एजेंडे और संगठनात्मक विस्तार को बिहार में तेज करेगी।

**बीजेपी की प्लानिंग**

उम्मीद है कि बीजेपी, केंद्र से मिलने वाले फंड और परियोजनाओं का उपयोग करते हुए, उन क्षेत्रों और समुदायों पर ध्यान केंद्रित करेगी जहां उसका प्रभाव अभी भी सीमित है, जिससे 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार किया जा सके। गृह विभाग, दोनों उपमुख्यमंत्री पद (सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा), और विधानसभा अध्यक्ष पद पर अपने नेताओं (प्रेम कुमार) को बैठाने में बीजेपी की सफलता यह दर्शाती है कि इस बार नीतीश कुमार को गठबंधन में अभूतपूर्व दबाव का सामना करना पड़ रहा है। नीतीश कुमार, जो पिछले दो दशकों से निर्णायक भूमिका में रहे हैं, अब बैकफुट पर आकर गठबंधन धर्म निभाते दिख रहे हैं। आने वाले समय में, बीजेपी संभवतः प्रशासन के प्रदर्शन की निगरानी और जवाबदेही के नाम पर जेडीयू के मंत्रियों पर भी दबाव बढ़ाएगी।

कुल मिलाकर इससे सरकार के फैसलों पर नीतीश कुमार का व्यक्तिगत नियंत्रण कम हो सकता है और उन्हें बीजेपी के कोर एजेंडे के साथ तालमेल बिठाने में अधिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ सकती है, जिससे उनके अपने 'सुशासन' के ब्रांड पर असर पड़ने की आशंका है।

## ब्रिटेन में विदेशियों पर अमेरिका जैसा ऐक्शन

लंदन, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली सरकार इमिग्रेशन नियमों में बदलाव करते हुए इन्हें सख्त करने जा रही है। यूके सरकार का दावा है कि यह 50 सालों में लीगल माइग्रेशन मॉडल में सबसे बड़ा बदलाव होगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद इसके लिए नया अर्न्ड सेटलमेंटमॉडल लेकर आई हैं। इससे माइग्रेंट कैसे और कब सेटलमेंट, बेनिफिट और लॉन्ग टर्म रेजिडेंसी पा सकते हैं, यह सब नए सिरे से तय होगा। इन बदलावों का भारत समेत दुनियाभर से ब्रिटेन आने वाले लोगों पर असर होगा।

प्रस्तावित बदलावों के तहत, माइग्रेंट्स ब्रिटिश नागरिक बनने के बाद ही फायदे और सोशल हाउसिंग के लिए एलिजिबल होंगे। सिर्फ सेटलमेंट मिलने पर उनको फायदे नहीं मिलेंगे, यह मौजूदा सिस्टम से एक बड़ा बदलाव है। शबाना ने बताया है कि ये सुधार हाल के सालों में ब्रिटेन में आए लोगों की विशाल संख्या को देखते हुए किए गए हैं।

# व्हाइट हाउस में पहली बार ट्रम्प-ममदानी की मुलाकात

## प्रेस सचिव बोलीं- एक कम्युनिस्ट आ रहा लेकिन देश के लिए राष्ट्रपति किसी से भी मिलेंगे

वॉशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के होने वाले भारतीय मूल के मेयर जोहरान ममदानी शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से पहली बार फेस-टू-फेस मीटिंग करेंगे। 4 नवंबर को न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव के बाद भी दोनों की यह पहली मुलाकात होगी।

प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को इस मुलाकात को लेकर कहा कि व्हाउट हाउस में 'एक कम्युनिस्ट आ रहा है'। इसके बाद उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प किसी से भी मिलने के लिए तैयार हैं, अगर इससे देश के लोगों का भला होता है।

गौरतलब है कि दोनों नेताओं के बीच पिछले कई महीनों से जुबानी जंग चल रही है। हालांकि जीत के बाद ममदानी ने खुद शहर की बढ़ती महंगाई और आवास संकट जैसे मुद्दों पर बातचीत के लिए ट्रम्प से संपर्क किया था।

इससे पहले न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के दौरान ट्रम्प-ममदानी में तीखी बयानबाजी हो चुकी है। ट्रम्प ममदानी की नीतियों के आलोचक रहे हैं। उन्होंने 4 नवंबर को चुनाव से पहले कहा था कि अगर ममदानी जीते तो यह न्यूयॉर्क के लिए सबसे बुरा होगा।

चुनाव में ममदानी की जीत के बाद ट्रम्प ने उनका नाम बिगाड़ते हुए 'मंडानी' कहकर मजाक उड़ाया था। वहीं, ममदानी ने जीत के बाद अपने भाषण में ट्रम्प से कहा था- मुझे पता है आप लाइव देख रहे हैं, हमे अच्छे से सुनने के लिए टर्न द वॉल्यूम अप।

हालांकि इस मुलाकात से पहले गुरुवार को ममदानी ने पत्रकारों से कहा- ट्रम्प और मेरे बीच कई मतभेद हैं, लेकिन मैं न्यूयॉर्क के हित में किसी भी एजेंडे पर उनके साथ मिलकर काम करूंगा। अगर कोई एजेंडा न्यूयॉर्क के लोगों को नुकसान पहुंचाएगा, तो सबसे पहले आवाज भी मैं ही उठाऊंगा। ट्रम्प कई बार ममदानी का मजाक उड़ा चुके हैं। उन्होंने 6 नवंबर को कहा था- वो जो मंडानी या जो भी उसका नाम है, न्यूयॉर्क वाला सोचता है कि मर्दों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत अच्छा है। ट्रम्प का यह बयान एक तंज था, क्योंकि ममदानी ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों का समर्थन करते हैं।

# यूक्रेन जंग रोकने ट्रम्प का 28 पॉइंट का प्रपोजल आया

## जेलेंस्की को अपनी जमीन छोड़नी होगी, सेना भी घटानी होगी, बदले में मिलेगी सुरक्षा गारंटी

कीव/मास्को, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए 28-सूत्रीय शांति फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह फ्रेमवर्क अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल के यूक्रेन यात्रा के दौरान सामने आया है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इसमें यूक्रेनी सुरक्षा गारंटियों का जिक्र है, लेकिन साथ ही यूक्रेन से जमीन छोड़ने, सेना की संख्या कम करने और नाटो को यूक्रेन में सैनिक भेजने से रोकने की भी मांग की गई है।

अमेरिका ने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी ऐसी किसी शांति योजना के बारे में जानकारी होने से इनकार किया है। वहीं, जेलेंस्की ने इस प्रस्ताव को लेकर शुरूआती सहमति जताई है।

हालांकि, कई अमेरिकी समाचार आउटलेट्स ने सूत्र के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी डिजिटल समाचार आउटलेट एक्सियोस और ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बुधवार को सबसे पहले इस योजना के बारे में बताया। ट्रम्प प्रशासन ने साफ किया है कि, दोनों पक्षों को समझौते करने होंगे। 'पीबीएस न्यूज आवर' मीडिया को मिले 28-सूत्रीय योजना के मुताबिक इस फ्रेमवर्क में न केवल यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शामिल है, बल्कि रूस की लंबे समय से चली आ रही मांगे भी शामिल हैं।

इसमें कहा गया है कि, यूक्रेन को अपनी सेना का आकार सीमित करना होगा। नाटो को यूक्रेन में कोई भी सैनिक भेजने की अनुमति नहीं होगी। यूक्रेन को डोनेट्स्क क्षेत्र का वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसका अभी भी नियंत्रण है और जिस पर रूस 11 साल के युद्ध के बावजूद कब्जा नहीं कर पाया है। उस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे रूस को पूरे डोनबास इलाके पर नियंत्रण मिल जाएगा। इसके बाद अमेरिका डोनबास, क्रीमिया और जापोरिज्जिया और खेरसॉन के कब्जे वाले हिस्सों को वास्तविक रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता देगा।

## झारखंड विधानसभा रजत जयंती के लिए तैयार

### राज सिन्हा को मिलेगा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार

रांची, 21 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में निर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष के चेंबर में सदस्यता की शपथ ली। स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद सदन परिसर में मौजूद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

वहीं झारखंड विधानसभा इस वर्ष 22 नवंबर 2025 को अपनी स्थापना की रजत जयंती (25वीं वर्षगांठ) मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उधर, झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस को भव्य और यादगार बनाने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। समारोह का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह होगा।

# सीओपी30 क्लाइमेट समिट के हॉल में आग

## 13 घायल, भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी वहीं मौजूद थे

ब्रासीलिया, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ब्राजील के बेलेम शहर में चल रहे यूएन सीओपी30 क्लाइमेट समिट के मेन वेन्यू पर गुरुवार को आग लग गई। इसमें 13 लोग घायल हो गए। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी आग लगने के समय भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वहीं मौजूद थे। हालांकि, वे और अन्य अधिकारी सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल गए।

यह आग स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे (भारतीय समयानुसार रात 10.30 बजे) एक कन्वेंशन हॉल के अंदर एक पवेलियन में लगी थी। घटना के वक्त पवेलियन में 190 से ज्यादा देशों के 50,000 से अधिक डिप्लोमैट, पत्रकार और एक्टिविस्ट मौजूद थे।

स्थानीय दमकल विभाग के अनुसार आग शायद किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (शायद माइक्रोवेव) से लगी। हालांकि, इसके दूसरे कारणों की जांच की जा रही है।

आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कार्यक्रम के आयोजक यूएन सीओपी30 प्रेसीडेंसी और यूएनएफसीसीसी ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के वार्षिक सीओपी30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है। इसमें 190 से ज्यादा देशों के हजारों लोग भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजकों ने अपने बयान में मेहमानों से कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के लिए अगली सूचना तक इंतजार करने कहा गया है। आग की वजह से कई अहम बैठकें रद्द या टल गईं। अब सम्मेलन का समय शुक्रवार शाम तक खत्म होने की बजाय देर रात या शनिवार तक खिंच सकता है।

# चीन-जापान तनाव से इंडियन सी-फूड की डिमांड बढ़ी

## अमेरिकी टैरिफ झेल रहे एक्सपोर्टर्स के शेयर 10% तक चढ़े

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव का सीधा फायदा भारत को मिल रहा है। चीन ने बुधवार को जापान से आने वाले सभी सीफूड (जैसे- मछली, झींगा) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद भारतीय सीफूड निर्यातकों के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला।

चीन के इस फैसले से उसके बाजार में सीफूड की कमी का खतरा पैदा हो गया है। इसे पूरा करने के लिए वह भारत जैसे देशों की तरफ तेजी से रुख कर रहा है। इसके चलते भारतीय सीफूड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। तेलंगाना की अवंती फीड्स के शेयर करीब 10% तक चढ़ गए। यह कंपनी के शेयर में पिछले दो महीनों में सबसे बड़ी बढ़त है। वहीं एक और सीफूड कंपनी कोस्टल कॉरपोरेशन के शेयर भी 5% बढ़े। कंपनी ने अप्रैल में कहा था कि वह चीन को निर्यात बढ़ाएगी।

चीन और जापान के बीच विवाद की वजह जापानी पीएम साने ताकाइची का एक बयान है। दरअसल ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा।

चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला बताया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब जापान में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

भारत के लिए चीन के बाजार का मौका ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारतीय सीफूड पर 50% तक का टैक्स लगा रखा है। इससे अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सीफूड निर्यात में अक्टूबर में 9% की गिरावट हुई।

# नेपाल में ओली के तख्तापलट की आहट

## क्या सीपीएन-यूएमएल को मिलेगा नया चेयरमैन

काठमांडू, 21 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल में चेयरमैन के पद के लिए घमासान मचा हुआ है। एक तरफ ओली जहां फिर से इस पद पर काबिज होना चाहते हैं। वहीं, दूसरी ओर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और सीनियर वाइस-चेयर ईश्वर पोखरेल ने भी गुरुवार को यूएमएल सेक्रेटेरिएट मीटिंग के दौरान ऑफिशियली अपनी कैंडिडेसी अनाउंस की। ऐसे में सीपीएन-यूएमएल के 11वें जनरल कन्वेंशन में लीडरशिप की एक अनोखी लड़ाई होने वाली है। सूत्रों के अनुसार, इस बार पार्टी के भीतर से ओली के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। इसका फायदा पोखरेल को चुनाव के दौरान हो सकता है। अगर पोखरेल जीतते हैं तो इससे सीपीएन-यूएमएल में ओली युग का अंत माना जाएगा।

**ओली-पोखरेल में तनातनी**

खबरहब की रिपोर्ट के अनुसार, मीटिंग में मौजूद नेताओं ने कहा कि पोखरेल ने ओली को बताया है कि वह चेयरमैन के लिए चुनाव लड़ेंगे, जिससे पार्टी चीफ के तौर पर ओली की लगातार तीसरी बार की कोशिश को पहली सीधी चुनौती मिल गई। सेक्रेटेरिएट के एक मेंबर ने कहा कि ओली ने नेताओं से कैडर और जनता को एक पॉजिटिव मैसेज देने के लिए एकता और एक मन से आगे बढ़ने की अपील की थी। हालांकि, पोखरेल ने जवाब दिया कि वह पार्टी को लीड करने में उतने ही काबिल हैं और अपनी कैंडिडेसी वापस नहीं लेंगे।

नेता ने आगे कहा, जब पोखरेल ने कहा कि वह चुनाव लड़ेंगे तो ओली हैरान रह गए। उन्होंने बताया, "पोखरेल ने जोर दिया कि ओली के दो टर्म पूरे करने के बाद, अब दूसरों की बारी है।" कहा जाता है कि ओली ने पोखरेल से फिर से सोचने और एक लीडरशिप को सपोर्ट करने के लिए कहा, लेकिन पोखरेल ने यह कहते हुए मना कर दिया कि एकता तभी मुमकिन होगी जब कुर्सी खाली छोड़ी जाएगी। जब ओली ने मना कर दिया, तो उन्होंने कहा कि वह कन्वेंशन में सम्मान के साथ मुकाबला करेंगे। पोखरेल की घोषणा के साथ, यूएमएल के अंदर के नेताओं का मानना है कि आने वाले जनरल कन्वेंशन में हेल्दी मुकाबला देखने को मिलेगा। अष्टलक्ष्मी शाक्य, सुरेंद्र पांडे, योगेश भट्टाराई, गोकर्ण बिस्टा और बिष्णु पौडेल समेत कई सीनियर नेताओं ने पहले ओली पर दबाव डाला था कि वह हट जाएं और नई लीडरशिप का रास्ता बनाएं।

# राजस्थान में पुनर्गठन के बाद करीब 3400 नई पंचायतें बनीं

## > राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी की

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतों का नक्शा एक बार फिर से बदल गया है। राज्य सरकार ने शुक्रवार को पंचायतों के पनुर्गठन की अधिसूचना जारी कर दी। इनमें 41 जिलों की पंचायतों का पुनर्गठन किया गया है। पुनर्गठन में करीब 3400 नई पंचायतों को जोड़ा गया है। इसके बाद प्रदेश में ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़कर लगभग 14 हजार के आस-पास हो गई है।

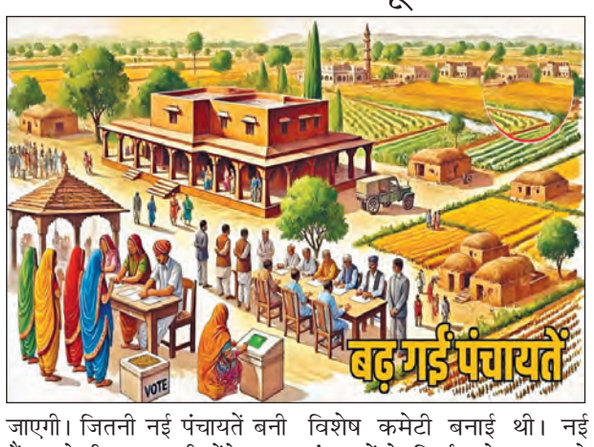


इस पुनर्गठन से पहले प्रदेश में 11194 ग्राम पंचायतें थीं। अब पुनर्गठन के बाद राजस्थान में पंचायती राज का नक्शा पूरी तरह बदल गया है। यह अधिसूचना इसलिए भी अहम है क्योंकि राजस्थान में अगले साल पंचायतों और निकायों के चुनाव होने हैं। नए नई सीमाओं के साथ राजस्थान में पंचायतों की राजनीति भी पर भी असर पड़ना तय है। नई पंचायतों के निर्माण के बाद सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच के पदों की संख्या बड़े पैमाने पर बढ़ जाएगी। जितनी नई पंचायतें बनी हैं, उतने ही नए पद भी होंगे। अब आगामी चुनाव इन्हीं नई पंचायतों के अनुसार होंगे।

रेगिस्तानी जिलों में मापदंडों में छूट के कारण नई पंचायतों की संख्या अधिक रही है। सरकार ने साल भर पहले से पंचायतों के पुनर्गठन का काम शुरू किया था और जिलों से प्रस्ताव मंगवाकर पंचायतीराज व ग्रामीण विकास विभाग को भेजे गए थे। राजनीतिक तौर पर बीजेपी ने भी इस प्रक्रिया के लिए विशेष कमेटी बनाई थी। नई पंचायतों के निर्माण से जनता को सुविधा भी मिलेगी। बाड़मेर, जैसलमेर, फलोदी, बीकानेर, चूरू सहित रेगिस्तानी जिलों और आदिवासी इलाकों में अब पंचायत मुख्यालय के लिए कम दूरी तय करनी होगी।

पहले एक पंचायत में तीन-चार गांव होने के कारण लोग कई किलोमीटर की यात्रा करके सरकारी काम निपटाते थे, लेकिन अब इलाके छोटे होने से समय और मेहनत की बचत होगी। इसके साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। नई पंचायतों के साथ ग्राम सचिव, पटवारी और पंचायत सहायकों के पद बढ़ेंगे। इससे शिक्षित बेरोजगारों के लिए नई नियुक्तियों के अवसर खुलेंगे। आगामी भर्तियों में भी इन नई पंचायतों के हिसाब से पदों में वृद्धि की जाएगी।

### जयपुर में 20 पंचायत समतियों का पुनर्गठन

राजधानी जयपुर में 20 पंचायत समितियों का पुनर्गठन किया गया है। इनमें सीएम भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर की पंचायत समिति भी शामिल है। जिन पंचायत समितियों का यहां पुनर्गठन किया गया है उनमें जमवारामगढ़, दूदू, फागी, आंधी, चाकसू, कोटखावदा, बस्सी, तूंगा, जालसू, जोबनेर, गोविंदगढ़, शाहपुरा, विराटनगर, मौजमाबाद, माधोराज पुरा, सांभरलेक, झोटवाड़ा, आमेर, सांगानेर व किशनगढ़-रेनवाल शामिल हैं।

**सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला**

## नई खानों पर रोक वैध खनन जारी रहेगा

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि इस क्षेत्र में खनन पर पूरी तरह पाबंदी लगाने से खनन माफिया, अवैध खनन और अपराधों को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए मौजूदा वैध खानों में खनन जारी रहने दिया जाए। लेकिन वहां नियमों की सख्ती से पालना कराई जाए।

खनन के लिए दीर्घकालिक प्रबंधन प्लान बनने तक नई खानों को मंजूरी देने पर पाबंदी रहेगी। यह प्लान केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तैयार करेगा। कोर्ट ने दोहराया कि अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं को नुकसान नहीं होने दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायाधीश एनवी अंजारिया की बेंच ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने पिछले दिनों अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखला की परिभाषा को लेकर विस्तृत सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष कोर्ट ने फैसले में विशेषज्ञ समिति की उन सभी सिफारिशों को स्वीकार किया।

# स्कूल में दबंगई, मिलने से कतरा रहे प्रिंसिपल

## एफआईआर के बाद भी अभिभावकों को मिल रही धमकी

अजमेर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर के प्रतिष्ठित मयूर स्कूल में पढ़ने वाले एक बिजनेसमैन के 17 वर्षीय बेटे के साथ कथित रूप से उसके ही क्लासमेट्स द्वारा दो बार मारपीट और अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्र के परिजनों का दावा है कि इन घटनाओं के तीन वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें आरोपी छात्र उसे पीटते और उठक-बैठक करवाकर माफी मांगने को मजबूर करते दिखाई दे रहे हैं।

परिजनों ने गंभीर आरोप लगाया है कि बेटे को सोशल मीडिया के जरिए लगातार धमकियां मिल रही हैं। पीड़ित छात्र के चाचा ने बताया कि दो अलग-अलग थानों में FIR दर्ज करवाने के बावजूद आरोपी छात्रों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि भतीजे के साथ पहली बार मारपीट 16 अक्तूबर को की गई थी, जिसकी FIR अलवर गेट थाने में दर्ज हुई। यह घटना राजा सर्किल के पास रेलवे पार्क की बताई गई है, जहां आरोपियों ने छात्र को पीटते हुए अश्लील वीडियो भी बनाए थे। दूसरी घटना 17 नवंबर की रात को हुई, जिसकी एफआईआर सिविल लाइंस थाने में दर्ज करवाई गई।

आरोप है कि कबीर की थड़ी इलाके में चार छात्रों ने बेसबॉल बैट से पीड़ित पर हमला किया और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। परिजनों का कहना है कि वीडियो बनाना और धमकियां देना उनके बच्चे पर मानसिक दबाव बनाने की कोशिश थी। चाचा ने यह भी आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद वे चार बार स्कूल प्रिंसिपल से मिलने पहुंचे, मगर मुलाकात का समय तक नहीं दिया गया। उनका कहना है कि स्कूल प्रबंधन ने समय रहते आरोपी छात्रों पर कार्रवाई की होती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। उन्होंने कहा कि वे अपने बच्चे की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं, क्योंकि स्कूल में भारी फीस देने के बावजूद सुरक्षित माहौल नहीं मिल पाया।

# अमायरा सुसाइड केस : सीबीएसई की रिपोर्ट में नीरजा मोदी स्कूल दोषी

## बुलिंग की शिकायतें अनसुनी...सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। नवंबर की वो सुबह, जब 9 साल की अमायरा ने चौथी मंजिल से छलांग लगा दी थी- तब किसी ने नहीं सोचा था कि इस दर्द की गूंज एक दिन पूरे सिस्टम को झकझोर देगी। अब सीबीएसई की जांच ने वही दर्द कागज़ पर उतार दिया है-कठोर, कड़वी और चुभने वाली सच्चाइयों के साथ।

18 महीने की बुलिंग-लेकिन स्कूल खामोश रहा सीबीएसई की दो सदस्यीय कमेटी ने स्कूल को दोषी माना है। रिपोर्ट में सबसे बड़ा खुलासा-अमायरा डेढ़ साल से बुलिंग की शिकायत कर रही थी, मगर न टीचर्स ने सुना, न स्कूल मैनेजमेंट ने ध्यान दिया। माता-पिता ने भी 12 नवंबर को कमेटी से मुलाकात में यही बताया कि उनकी बच्ची लगातार परेशान थी। जांच में सामने आया कि घटना के तुरंत बाद स्कूल ने सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका वाली गतिविधियाँ

कीं। जिस जगह से अमायरा गिरी, वहां फोरेंसिक पहुंचने से पहले सफाई करवाई गई। कमेटी ने इस संदेह को खारिज भी नहीं किया। क्लासरूम के फुटेज-45 मिनट में 5 बार मदद मांगती रही बच्ची, अमायरा की मां ने भी फुटेज देखे। डिजिटल स्लेट पर क्लासमेट्स द्वारा लिखे गए अपमानजनक मैसेज दिखाए। बच्ची बार-बार परेशान, हैरान और अपसेट दिख रही थी, लेकिन टीचर ने न काउंसलर को बुलाया, न किसी प्रोटोकॉल को फॉलो किया।यह एंटी-बुलिंग गाइडलाइंस, सीबीएसई नियम और पोक्सो प्रावधानों का सीधा उल्लंघन है।

### स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर और मॉनिटरिंग में भी बड़े छेद

सीबीएसई की 3 नवंबर की सरप्राइज इंस्पेक्शन रिपोर्ट में सामने आया-बच्चे आईडी कार्ड नहीं पहन रहे थे, सेफ्टी और सिक्योरिटी कमेटी ही नहीं थी, मॉनिटरिंग बेहद कमजोर। अमायरा के माता-पिता लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।उनका कहना है-हमारी बच्ची बार-बार मदद मांगती रही, लेकिन उसे सुना नहीं गया। सीबीएसई की रिपोर्ट ने इस दर्द की पुष्टि कर दी है, लेकिन कार्रवाई अभी बाकी है।

# राजस्थान में 1 फरवरी से हाथ से लिखी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर रोक-हाईकोर्ट ने जारी किए सख्त निर्देश

जोधपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाथ से लिखी जाने वाली अपठनीय मेडिको-लीगल रिपोर्टों को न्याय प्रक्रिया में गंभीर बाधा बताते हुए साफ निर्देश दिए हैं कि 1 फरवरी, 2026 के बाद राज्य में किसी भी परिस्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मेडिको-लीगल रिपोर्ट और अन्य चिकित्सकीय कानूनी दस्तावेज हाथ से नहीं लिखे जाएं। कोर्ट ने कहा कि यदि इस तिथि के बाद कोई रिपोर्ट हाथ से तैयार पाई गई तो संबंधित जांच अधिकारी, थाना प्रभारी, जिला पुलिस अधीक्षक तथा जयपुर व जोधपुर पुलिस आयुक्त व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

न्यायाधीश रवि चिरानिया की एकल पीठ ने हत्या के एक मामले में आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र की सुनवाई करते हुए पाया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट की लिखावट पढ़ने योग्य नहीं थी। इस पर संज्ञान लेते हुए पीठ ने चिकित्सा विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तलब करते हुए वस्तुस्थिति और इस दिशा में किए गए प्रयासों का ब्यौरा पूछा। कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता विनीत जैन को भी सुझाव देने के लिए कहा। हर पहलू पर विस्तार से सुनवाई के बाद पीठ ने कहा कि न्यायिक और प्रशासनिक कार्रवाई का आधार बनने वाले ऐसे महत्वपूर्ण चिकित्सकीय दस्तावेज यदि पढ़ने योग्य न हों तो पूरी प्रक्रिया ही प्रभावित होती है। प्रमुख सचिव राठौड़ ने जानकारी दी कि राज्य ने जनवरी 2025 से मेडिको-लीगल रिपोर्टिंग के लिए एक सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू किया है, लेकिन यह अभी पूर्ण रूप से लागू नहीं हो पाया है। केवल ऑनलाइन अनुरोध के मामलों को छोड़कर शेष मामलों में मेडिको लीगल रिपोर्ट हाथ से बन रही हैं। पीठ ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि चिकित्सकों या पुलिस पर निर्भरता छोड़कर राज्य को अनिवार्य रूप से व्यवस्था लागू करनी होगी। कोर्ट ने 45 दिनों में अनुपालना रिपोर्ट मांगी है।

### हाईकोर्ट के दिशा-निर्देश

राज्य सरकार 15 दिनों के भीतर आदेश या परिपत्र जारी करे, जिसमें यह स्पष्ट हो कि सभी पोस्टमार्टम, मेडिको लीगल रिपोर्ट, आयु निर्धारण परीक्षण, यौन उत्पीड़न रिपोर्ट आदि 1 फरवरी, 2026 से केवल विभागीय सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही तैयार होगी।

## कांग्रेस देश की पार्टी है या अवैध प्रवासियों की?

### अरुण चतुर्वेदी ने गहलोत को बताया 'कमजोर नेता'

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चुनाव आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर लगाए गए आरोपों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, गहलोत अपनी ही पार्टी में अपनी स्थिति बनाए रखने की कोशिश में संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला कर रहे हैं। पूर्व बीजेपी अध्यक्ष चतुर्वेदी ने कहा, अशोक गहलोत कई वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे हैं और बड़े नेता माने जाते हैं। लेकिन आज वे बहुत कमजोर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस पार्टी हार के कारण चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सेना, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं की नीयत पर सवाल उठाकर जनता के विश्वास को तोड़ने का काम कर रही है। अरुण चतुर्वेदी ने कांग्रेस के रवैये पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा, यह पहली बार नहीं है कि वोटर लिस्ट की विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया हो रही है। कांग्रेस के शासन में भी यह प्रक्रिया हुई थी, तब उन्हें कोई समस्या नहीं थी। लेकिन अब वे कह रहे हैं कि ईवीएम हैक हो रहे हैं, बैलेट पेपर चोरी हो रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस लगातार चुनावी प्रक्रिया पर शक जताकर आम जनता के मन में भ्रम पैदा कर रही है।

## सरकार ने उप वन संरक्षक गौरव गर्ग को किया निलंबित, विभागीय जांच जारी

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने भीलवाड़ा में पदस्थापित उप वन संरक्षक श्री गौरव गर्ग (आईएफएस) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कार्मिक (क-3/जांच) विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच प्रक्रियाधीन है, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है।

आदेश के अनुसार, अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम 3(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार ने निलंबन आदेश जारी किया। निलंबन अवधि में श्री गौरव गर्ग का मुख्यालय कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर निर्धारित किया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने मुख्यालय से बिना पूर्व अनुमति कहीं न जाएं और कार्मिक विभाग स्थित उपस्थिति पंजिका में नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करें। कार्मिक विभाग ने वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि श्री गर्ग के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही से जुड़े पूर्ण दस्तावेज अविलंब प्रेषित किए जाएं। साथ ही निलंबन आदेश की प्रति अधिकारी को तामील कराने और प्राप्ति रसीद विभाग को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं। निलंबन अवधि में उन्हें अवकाश वेतन के समकक्ष निर्वाह भत्ता एवं अनुमेय भत्ते देय होंगे।

## 5वीं क्लास की बच्ची ने किया सुसाइड

अजमेर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर के देहली गेट स्थित पुरानी बकरा मंडी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 5वीं कक्षा में पढ़ने वाली 12 वर्षीय बच्ची सोनाक्षी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अर्द्धवार्षिक परीक्षा देकर घर लौटी बच्ची ने कुछ ही देर बाद अपने कमरे में यह कदम उठा लिया। परिजन दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो वह अचेत अवस्था में मिली। अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

**परीक्षा से लौटने के उठाया लिया खौफनाक कदम**

सुमित पारचा की बेटी सोनाक्षी रोज की तरह स्कूल गई थी और अपनी अर्द्धवार्षिक परीक्षा देकर दोपहर में घर लौटी थी। परीक्षा के बाद वह सीधे कमरे में चली गई। कुछ देर बाद जब बाहर नहीं निकली तो घर वालों को शक हुआ। आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा गया जहां बच्ची फंदे पर लटकी मिली।

### मतदाता सूची एसआईआर-2026 में नई गति

# 16 दिन में 2.37 करोड़ प्रपत्र अपलोड, 78 ब्लो हुए सम्मानित

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 को नई गति और अभूतपूर्व पारदर्शिता मिल रही है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवंबर से चल रहे इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी (ब्लो) घर–घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं और प्राप्त विवरण का तेज गति से डिजिटाइजेशन कर रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि महज 16 दिनों में 2.37 करोड़ गणना प्रपत्र एसीनेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि बड़े राज्यों में 44 प्रतिशत के साथ राजस्थान को शीर्ष स्थान पर ले आई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 78 ब्लोस ने 19 नवंबर तक शत-प्रतिशत कार्य पूरा किया है, जिन्हें जल्द ही जिला निर्वाचन अधिकारी सम्मानित करेंगे। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग ने voters.eci.gov.in पर नई सर्च सुविधा प्रारंभ की है। इसके माध्यम से मतदाता अपना नाम और रिश्तेदार के नाम से पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में जानकारी खोज सकेंगे। यह सुविधा मतदाताओं और ब्लो दोनों के लिए मैपिंग प्रक्रिया को सरल और तेज बनाएगी। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी, उन्हें एसआईआर के दौरान किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी।

राजस्थान के विविध भौगोलिक क्षेत्रों मरुस्थल, पहाड़ी, मैदानी और नहरी इलाकों के बावजूद ब्लो प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं। जिलेवार प्रगति में बाड़मेर 58% डिजिटाइजेशन के साथ पहले स्थान पर है, जबकि सलूंबर, सवाई माधोपुर, धौलपुर, फलोदी, झालावाड़ और भरतपुर 50% से अधिक अपलोडिंग के साथ अग्रणी जिलों में शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रों में बाड़मेर 64%, जबकि रायसिंहनगर, बाड़ी और वैर 60% से अधिक डिजिटाइजेशन के साथ शीर्ष पर रहे। ऑनलाइन गणना प्रपत्र जमा कराने में भी राजस्थान अग्रणी राज्यों में शामिल है। आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जन–हितैषी बनाने के लिए राष्ट्रीय–राज्य स्तर की हेल्पलाइन, कॉल-सेंटर, हेल्प डेस्क, गाइडलाइन और पब्लिक असिस्टेंस सेंटर विकसित किए हैं।

## कुएं में कूदी महिला जांबाज कांस्टेबल ने सुरक्षित निकाला बाहर

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। कालवाड़ स्थित भंभोरी मीणों की ढाणी में देर रात एक महिला कुएं में कूद गई। रात का समय होने और घटना अचानक सामने आने के कारण गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर एसएचओ नवरत्नन धोलिया के निर्देशन में कांस्टेबल गोपाल लाल और पवन कुमार सहित टीम मौके पर पहुंची। पुलिस कर्मियों ने पहुंचते ही स्थिति का जायजा लिया। जांच में पता चला कि महिला जिस कुएं में कूदी थी, वह लगभग 150 फीट गहरा था और उसके अंदर उतरना बेहद जोखिम भरा था। स्थिति गंभीर थी तथा किसी भी देरी से महिला की जान पर और अधिक खतरा बढ़ सकता था।

पुलिस की ओर से तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन आरंभ किया गया। रात करीब 12 बजे यह घटना हुई। मौके पर बोरिंग मशीन मंगवाने के साथ ही जयपुर कंट्रोल रूम को सूचना भेजी गई, जिसके बाद विशेष रेस्क्यू टीम जयपुर से रवाना हुई।

### > राजस्थान में एसआईआर को लेकर मचा घमासान

# ब्लो पर दबाव को लेकर बीजेपी-कांग्रेस में तीखी भिड़ंत

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इन दिनों विशेष मतदाता सूची संशोधन अभियान राजनीति का सबसे गर्म मुद्दा बन गया है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस एक-दूसरे पर जमकर हमलावर हैं। भाजपा इसे मतदाता सूची की सफाई और लोकतंत्र की रक्षा बता रही है, जबकि कांग्रेस इसे आम लोगों के लिए खतरनाक और बूथ लेवल ऑफिसर्स (ब्लो) पर अत्याचार का हथियार करार दे रही है। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है।

### परनामी ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्य निर्वाचन प्रभारी अशोक परनामी ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को एसआईआर से इसलिए डर लग रहा है क्योंकि इससे उनके द्वारा गलत तरीके से बनाए गए लाखों फर्जी वोटर उजागर हो जाएंगे। ये उनकी फटी बनियान दिखने वाली है।

परनामी का दावा है कि कांग्रेस शासित राज्यों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या, पाकिस्तानी और अन्य विदेशी घुसपैठियों को बड़े पैमाने पर वोटर आईडी कार्ड बांटे गए। ये लोग कांग्रेस को एकमुश्त वोट देते हैं। एसआईआर से इनके नाम कटते ही पार्टी को भारी नुकसान होगा। परनामी ने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एसआईआर के दौरान करीब 75 लाख फर्जी/अयोग्य वोटरों के नाम हटाए गए। यदि ऐसा नहीं होता तो बिहार की सरकार बाहरी लोग चुनते। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बाहरी और विदेशी घुसपैठिए को हमारे लोकतंत्र में सरकार चुनने का अधिकार होना चाहिए? भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने भी कहा कि कांग्रेस हर हार के बाद नया बहाना ढूंढती है-कभी ईवीएम, कभी एसआईआर। सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम पर हारने के बाद अब एसआईआर पर देशव्यापी हंगामा कर रही है, जबकि निर्वाचन आयोग पूरी तरह निष्पक्ष है।

### एसआईआर आम जनता के लिए खतरनाक-डोटासरा

दूसरी तरफ, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एसआईआर को आम जनता के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने दावा किया कि देश के विभिन्न राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। राजस्थान में भी दो ब्लो की मौत ने पूरे राज्य को हिला दिया है। जयपुर के ब्लो मुकेश जांगिड़ ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, जबकि सवाई माधोपुर के हरीओम बैरवा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने सरकारी दबाव और सस्पेंशन की धमकी को मौत का कारण बताया है, लेकिन सरकार इन्हें 'प्राकृतिक मौत' बता रही है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ब्लो पर असहनीय दबाव डाल रही है। लक्ष्य पूरा न होने पर सस्पेंशन, ट्रांसफर और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इससे कई परिवार उजड़ रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार इतनी जल्दी में क्यों है? क्या वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर हेराफेरी की तैयारी है? कांग्रेस नेता ने मांग की है कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और दबावमुक्त हो। दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो और मृत ब्लो के परिवारों को न्याय व मुआवजा मिले। दोनों पार्टियों के बीच यह घमासान अब सड़कों पर भी दिख रहा है। यूथ कांग्रेस ने जयपुर में प्रदर्शन किया तो भाजपा नेताओं ने इसे ड्रामा बताया। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर पूरे देश में 12 राज्यों में चल रहा है और इसका मकसद मतदाता सूची को शुद्ध करना है। लेकिन राजस्थान में यह अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले चुका है।

# तेलंगाना आईआईएचटी वैश्विक बनेगा : मंत्री तुम्मला

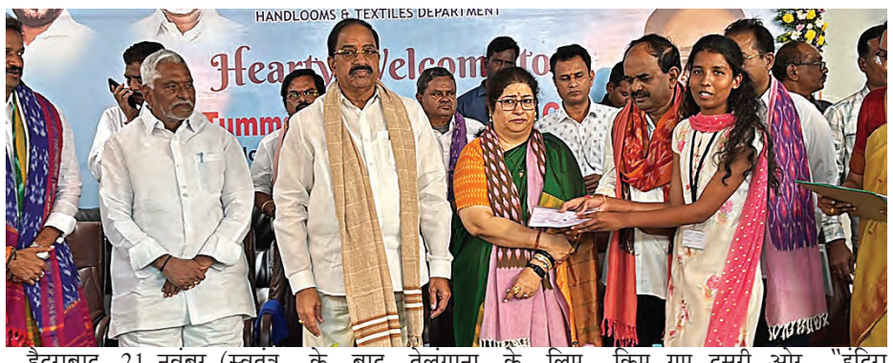


हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि और हथकरघा मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना सरकार भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) को विश्व स्तरीय संस्थान में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। यहां नामपल्ली में चेनेता भवन में नव स्थापित प्रयोगशाला का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, तुम्मला ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य के विभाजन के बाद तेलंगाना के लिए आईआईएचटी सुरक्षित किया और इसका नाम कोंडा लक्ष्मण बापूजी के सम्मान में रखा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बापूजी की विरासत को बनाए रखने के लिए संस्थान को देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक बनाने का निर्देश दिया। इस क्षेत्र को सरकार के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि पिछले 18 महीनों में हथकरघा के लिए 1,000 करोड़ रुपये जारी किए गए दूसरी ओर, "इंदिरा महिला शक्ति साड़ी, नेतन्ना चूड्डा, नेतन्ना भरोसा और हैंडलूम अभयहस्तम" जैसी योजनाएं बुनकरों को लगातार काम और वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वेमुलावाड़ा में 50 करोड़ रुपये के यार्न डिपो ने पहले ही 2,368 मीट्रिक टन यार्न की आपूर्ति की है। प्रधान सचिव (हथकरघा और कपड़ा) शैलजा रामैयार और अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

## सुधांशु महाराज का विडिओ सत्संग

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज का साप्ताहिक वीडिओ सत्संग का आयोजन कल रविवार को दोपहर ठीक 2 बजे से 4 बजे तक बेगम बाजार, कोलसावाडी स्थित पारीक-भवन में आयोजित किया जायेगा। समस्त सत्संग धर्म प्रेमी, गुरुभक्त भाई-बहन सहपरीवार अपने मित्रों सहित इस सत्संग का लाभ उठाएं। उक्त अपील मिशन के केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड नें किया है। राठौड ने बताया कि साप्ताहिक विडिओ सत्संग की इस श्रृंखला में वाराणसी में आयोजित भक्ति सत्संग की विशेष सीडी दिखाई जाएगी।

## तिरुचनूर में लक्ष्मी कसुला हरम जुलूस निकाला

तिरुपति, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुचनूर में श्रीवारी लक्ष्मी कसुला हरम जुलूस निकाला गया। शुरूआत में एडिशनल ईओ तिरुमाला श्रीवारी मंदिर से लक्ष्मी कसुला हरम को तिरुचनूर के शिल्परमम- पशुमंडपम लाए। वहां खास प्रार्थना के बाद, इसे शुभ वाद्य यंत्रों, भजनों और कोलाटों के बीच माडा गलियों से जुलूस के रूप में मंदिर ले जाया गया। इस मौके पर बोलते हुए, टीटीडी ईओ ने कहा कि लक्ष्मी कसुला हरम श्रीवारी गहनों में सबसे जरूरी है और यह गहना आमतौर पर हर पूर्णिमा के दिन गरुड़ सेवा के मौके पर श्री मलयप्पा स्वामी को पहनाया जाता है। उन्होंने कहा कि श्री पद्मावती अम्मावरु को इस गहने से सजाने का रिवाज है, जिसे गज वाहन और गरुड़ वाहन सेवा के दौरान सजाया जाता है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को होने वाली गज वाहन सेवा के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। इस प्रोग्राम में जेईओ वीरब्रह्मम, डिप्टी ईओ लोकनाथम, हरिंद्रनाथ, पुजारी, दूसरे अधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया।

## फिल्म बनाने के नाम पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 93.35 लाख की ठगी

### हीरो बनाकर फिल्म बनाने का वादा, पैसे मांगने पर दी धमकी, गच्चीबावली पुलिस ने केस दर्ज किया

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर के एक सॉफ्टवेयर पेशेवर से फिल्म बनाने का झांसा देकर 93.35 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। दो लोगों ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि उनकी जीवन कहानी पर फिल्म बनाई जाएगी और वे फिल्म के हीरो और सह-निर्माता होंगे। पीड़ित आकाश कुमार वर्मा (45) द्वारा दर्ज शिकायत के अनुसार, मार्च 2022 में उनके दोस्तों ने उनका परिचय एक महिला सिरीचंदन उर्फ़ माधी और बाद में साईं बोला उर्फ़ साईं चौधरी से कराया। आरोप है कि साईं ने स्वयं को फिल्म उद्योग से जुड़े शीर्ष निर्माताओं और निर्देशकों के करीब बताते हुए मजबूत संपर्क होने का दावा किया।

शिकायत के मुताबिक, साई के आश्वासनों पर भरोसा कर वर्मा ने फरवरी 2023 से मई 2025 के बीच कथित फिल्म परियोजना और फिल्म चैंबर सदस्यता के नाम पर कई बार धनराशि उसके खाते में जमा करवाई। कुल मिलाकर 93.35 लाख रुपये दिए गए। वर्मा के अनुसार, जब उन्होंने अतिरिक्त धन देने से इनकार किया, तो साई ने उन्हें परियोजना से बाहर कर दिया और पैसे लौटाने की मांग पर कथित रूप से धमकियां दीं। शिकायत के आधार पर गच्चीबावली पुलिस ने धोखाधड़ी और धमकी की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और बैंक लेन-देन की जांच की जा रही है।

# मुफ़्त बस यात्रा योजना में बाधाएं

## भीड़ के कारण छात्राओं को बस में चढ़ने से रोका

जोगुलम्बा गदवाल, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई मुफ़्त बस यात्रा योजना पर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को पार्थीपुरम में कई छात्राओं को बसों में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके कारण उन्हें गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ा। छात्राओं का आरोप है कि टीजीआरटीसी चालक भारी भीड़ का हवाला देकर बसें रोकने से इनकार कर रहे हैं, जिससे स्कूल और कॉलेज पहुंचने में दिक्कत होती है। इसी के विरोध में कई छात्राएं सड़क पर बैठ गईं और सरकार व आरटीसी के खिलाफ नारेबाजी की।

कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई जब केएसआरटीसी की बसें विरोध में सड़क पर बैठे छात्रों के बेहद करीब से निकलीं। गुस्साए अभिभावकों ने बसों का पीछा कर ड्राइवरों से तीखी बहस की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया, लेकिन छात्र प्रदर्शन जारी रखने पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि प्रतिदिन पार्थीपुरम से इजा पहुंचने के लिए उन्हें करीब चार किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है, क्योंकि बसें सीटें भर जाने का कारण बताकर नहीं रुकतीं। छात्राओं ने कहा, अगर बस छूट जाए तो चार किलोमीटर पैदल जाना पड़ता है। व्यस्त समय में बसें खचाखच भरी होती हैं, सीटें भी नहीं मिलतीं। सरकार इस रूट पर अतिरिक्त बसें चलाए। अभिभावकों का भी आरोप है कि कर्नूल-रायचूर रूट पर मुफ्त बसों की संख्या घटा दी गई, जबकि किसानों, दिहाड़ी मजदूरों और महिला यात्रियों की संख्या बढ़ गई है, जिससे बसें ओवरलोड हो रही हैं और चालक उन्हें रोकने से मना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार और आरटीसी से अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराने और समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की है।

# सीपी ने स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने शुक्रवार को शहर के पुलिस कर्मचारियों के लिए चलाए जा रहे स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम 'ओका गोप्पा मारपुनाकु इदे श्रीकरम' का औचक निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त ने हैदराबाद के पेंटला बुरुजू और चेलापुरा में दो सिटी ट्रेनिंग सेंटर (सीटीसी) का अचानक दौरा किया। उन्होंने खुद दोनों सेंटर्स पर चल रही कार्रवाई और ट्रेनिंग के तरीके का इंस्पेक्शन किया। होम गार्ड रैंक से लेकर सब-इंस्पेक्टर (एसआई) लेवल तक के लगभग 350 पुलिस कर्मचारियों ने दोनों सेंटर्स पर इस एक दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया। चारमीनार डिवीजन, मीर चौक डिवीजन, कार हेड क्वार्टर, होम गार्ड ऑफिस के कर्मचारियों और महिला कांस्टेबलों ने भी ट्रेनिंग में हिस्सा लिया। इस मौके पर, सीपी वी सी सज्जनार ने हिस्सा लेने वाले स्टाफ से बात की, उनके अनुभव पूछे, और ट्रेनिंग के तरीके को अच्छी तरह से रिव्यू किया। उन्होंने ट्रेनिंग की क्वालिटी और स्टाफ के एक्टिव पार्टिसिपेशन पर खुशी जताई और उनकी तारीफ़ की। इस प्रोग्राम में कार हेडक्वार्टर, श्रीमती रक्षिता कृष्णमूर्ति के साथ एडिशनल डीसीपी बी. किस्तैया और एन. भास्कर भी शामिल हुए।

## अंबरपेट और सरूरनगर में 5 नीम हकीम पकड़े गए

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीजीएमसी) की निरीक्षण टीमों ने शुक्रवार को अंबरपेट और सरूरनगर क्षेत्रों में छापेमारी कर पांच नीम हकीमों का भंडाफोड़ किया, जो बिना आवश्यक एमबीबीएस योग्यता के क्लीनिक चला रहे थे और कमजोर मरीजों को एलोपैथिक दवाओं के नुस्खे देने के साथ-साथ एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और स्टेरॉयड इंजेक्शन लगा रहे थे। यह कार्रवाई टीजीएमसी के उपाध्यक्ष डॉ.जी श्रीनिवास और सतर्कता अधिकारी डॉ. राकेश के नेतृत्व में की गई।

निरीक्षण के दौरान अंबरपेट में श्री श्रीनिवास मेडिकल एंड जनरल स्टोर एंड क्लिनिक, प्रेम साईं क्लिनिक और साईं साकेत क्लिनिक का पता चला। वहीं सरूरनगर में श्री वेंकटेश्वर क्लिनिक और केएसआर स्पेशियलिटी क्लिनिक पाए गए। डॉ. श्रीनिवास ने कहा कि इस तरह की अवैध चिकित्सा गतिविधियां जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं, जिनसे किडनी फेल होने और दवा प्रतिरोध विकसित होने का बड़ा जोखिम होता है।

## मंत्री जूपल्ली ने नेशनल न्यूमिजमाटिक्स कॉन्फ्रेंस का ब्रोशर जारी किया

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने शुक्रवार को यहां सेक्रेटेरिएट में न्यूमिजमाटिक्स पर होने वाले 107वें सालाना नेशनल कॉन्फ्रेंस और सेमिनार के लिए ब्रोशर जारी किया। यह मशहूर कॉन्फ्रेंस तेलंगाना का हेरिटेज डिपार्टमेंट, न्यूमिजमाटिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई) के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ कर रहा है। यह इवेंट राज्य के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि तेलंगाना बनने के बाद यह पहली बार है जब यहां कोई बड़ा नेशनल कॉन्फ्रेंस हो रहा है। इसका मकसद सिक्कों की स्पेशल स्टडी के जरिए इलाके की रिच हिस्टोरिकल और कल्चरल अहमियत को दिखाना है, जो हेरिटेज डिपार्टमेंट की एक मेन एक्टिविटी है। दो दिवसीय सम्मेलन 11 और 12 दिसंबर को हैदराबाद के जुबली हिल्स में डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में आयोजित किया जाना है। सिक्कों पर राष्ट्रीय सम्मेलन भारत और तेलंगाना भर के छात्रों, विद्वानों, शोधकर्ताओं और मुद्राशास्त्र विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। प्रतिभागी सिक्कों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक महत्व पर चर्चा करने, महत्वपूर्ण संवाद को बढ़ावा देने और मुद्राशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एकत्रित होंगे। ब्रोशर विमोचन कार्यक्रम में कई प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें जयेश रंजन, विशेष मुख्य सचिव, युवा उन्नति, पर्यटन और संस्कृति, प्रोफेसर अर्जुन राव कुठाडी, विरासत विभाग के निदेशक और उप-निदेशक डॉ.डी. रामुलु और डॉ.पी. नागराजू सभी विरासत विभाग से शामिल थे।

## आर्थिक तंगी से परेशान दंपति ने खाया जहर, दोनों की मौत

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागोले के थाट्टी अन्नाराम में गुरुवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे एक दंपति ने अज्ञात कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान मल्लेशा और उनकी पत्नी संतोषी के रूप में हुई है। बढ़ते कर्ज के दबाव से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। सूत्रों के अनुसार, संतोषी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मल्लेशा को गंभीर हालत में गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। यह घटना तब सामने आई जब दंपति के बेटे ने चैतन्यपुरी पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जब मामले की जांच की तो इस दुखद घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे जांच जारी है।

## कपास-सोया खरीद प्रतिबंध के विरोध में नेशनल हाइवे जाम

### किसानों का उग्र प्रदर्शन

आदिलाबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कपास और सोयाबीन खरीद पर प्रतिबंध और कड़े नियमों के विरोध में संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के आह्वान पर शुक्रवार को किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर रास्ता रोको आंदोलन किया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शन में शामिलपूर्व मंत्री जोगू रमन्ना ने किसानों के संघर्ष को समर्थन दिया। जिले के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में किसान चेकपोस्ट पर जमा हुए और दोनों सरकारों के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों का आरोप था कि केंद्र और राज्य सरकारें खरीद प्रक्रिया में नियमों के नाम पर किसानों को परेशान कर रही हैं।

किसानों का कहना है कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) नमी की आपत्ति जताकर समर्थन मूल्य पर कपास की खरीद नहीं कर रहा। जेएसी नेताओं ने बताया कि समर्थन मूल्य न मिलने के कारण किसानों को निजी व्यापारियों को बेचने पर 1,500 रुपये प्रति क्विंटल तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सीसीआई प्रति एकड़ केवल 7 क्विंटल कपास खरीदती है, बाकी किसान निजी व्यापारियों को बेचने को मजबूर हैं।

सोयाबीन खरीद में भी कई सख्त नियम लागू कर दिए गए हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि बारिश से सोयाबीन फसल खराब होने के बाद विपणन विभाग खरीद नहीं कर रहा, जिसके चलते उन्हें निजी व्यापारियों को बेचकर घाटा उठाना पड़ रहा है। आंदोलनकारी किसानों ने स्पष्ट कहा कि जब तक फसल खरीद पर लगे प्रतिबंध हटाए नहीं जाते, संघर्ष जारी रहेगा।

# वास्तविक निवेश लाने वालों पर लगाए जा रहे अवैध मामले

## बीआरएस नेता मन्ने कृषांक ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता मन्ने कृषांक ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य के लिए वास्तविक निवेश लाने वालों पर अवैध मामले लगाए जा रहे हैं, जबकि फर्जी समझौतों पर हस्ताक्षर करने वालों को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जा रहा है।

तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ईडी और एसीबी धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों से जुड़े एमओयू और उनके संदिग्ध निवेश दावों की जांच करेंगे। उन्होंने जांच एजेंसियों से फॉर्मूला ई इवेंट से ध्यान हटाकर वर्तमान सरकार के कथित घोटाले से भरे निवेश समझौतों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

कृष्णक ने चेतावनी दी, जनता

सब कुछ देख रही है और सही समय पर इसका माकूल जवाब देगी। उन्होंने कहा कि फॉर्मूला ई-कार रेसिंग मामले में राज्यपाल द्वारा बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी राजनीतिक बदले के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केटीआर पर मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंज़ूरी लेने के लिए हाथ मिलाया, जबकि फ़ॉर्मूला ई रेसिंग मामले में मूल एफआईआर में भ्रष्टाचार या वित्तीय अनियमितताओं का कोई ज़िक्र नहीं था। पूरा मामला आयोजन रद्द करने के इर्द-गिर्द घूमता है।

कृषांक ने आरोप लगाया, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि फॉर्मूला ई आयोजकों ने उन्हें रिश्वत की पेशकश की थी, फिर भी उन्होंने किसी भी जांच एजेंसी में शिकायत दर्ज नहीं कराई। अगर सचमुच रिश्वत की पेशकश की गई थी, तो एफआईआर क्यों नहीं हुई? सच तो यह है कि रेवंत ने असुरक्षा के कारण रेस रोक दी थी। रेवंत रेड्डी को डर था कि एक सफल आयोजन के. चंद्रशेखर राव और के.टी. रामाराव का कद बढ़ जाएगा। उन्होंने फॉर्मूला ई रेस को सिर्फ़ एक आयोजन ही नहीं, बल्कि एक बड़ा निवेश केंद्र बताया, जिसने राज्य को 700 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताएं दिलाईं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

### जो भी देश ...

इस बेंच में उनके साथ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विनोद चंद्रन मौजूद थे।

सीजेआई गवई ने कहा, आप सभी को सुनने के बाद, खासकर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और कपिल सिब्बल की कविताएं और आप सभी की गर्मजोशी से भरी भावनाएं सुनकर मेरी आवाज थम-सी गई है। उन्होंने कहा, जब मैं इस अदालत कक्ष से आखिरी बार बाहर जाऊंगा... मैं इस अनुभूति के साथ जाऊंगा कि मैंने इस देश के लिए जो कुछ कर सकता था, वह किया। धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद।

कार्यवाही के दौरान साथी जजों ने सीजेआई गवई के योगदान को याद किया। बता दें कि गवई जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई हैं। गवई ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि हमारा संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित है, और मैंने अपनी जिम्मेदारियां इन्हीं चार दीवारों के भीतर रहकर निभाईं।

### लेबर कोड लागू ...

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है। अब ये पूरे देश के लिए कानून बन गई हैं। उन्होंने कहा कि ये संहिताएं रोजगार को एक व्यवस्थित रूप देंगी, श्रमिकों के संरक्षण को मजबूत करेंगी और काम करने के माहौल को सरल, सुरक्षित और दुनिया के साथ तालमेल बैठाने वाला बनाएंगी।

इन सुधारों में कई नई व्यवस्थाएं शामिल हैं। जैसे, राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी तय की जाएगी। महिलाओं और पुरुषों के लिए काम की नीतियां समान होंगी। नियमों का पालन कराने के लिए इंस्पेक्टर-सह-सुविधाकर्ता' मॉडल अपनाया जाएगा। दो सदस्यों वाले न्यायाधिकरण के जरिए विवादों का तेजी से निपटारा होगा। साथ ही, राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य (ओएसएच) बोर्ड का गठन किया जाएगा।

सरकार अब इन संहिताओं के लिए विस्तृत नियम और योजनाएं बनाने के लिए लोगों से बातचीत शुरू करेगी। तब तक जहां जरूरत होगी, पुराने श्रम कानूनों के प्रावधान लागू रहेंगे। यह ध्यान देने योग्य है कि सामाजिक सुरक्षा का दायरा 2015 में 19% था, जो 2025 तक 64% से ज्यादा हो जाएगा।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमों को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर और बदलते काम के माहौल के साथ तालमेल बैठाकर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। इस कदम से 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और काम करने का माहौल आज से बहुत अलग था। बयान में कहा गया कि दुनिया की ज्यादातर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ बदला है। लेकिन, भारत अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम कर रहा था।

#### क्या होंगे बड़े फायदे?

मंत्री ने बताया कि ये संहिताएं सभी श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देंगी। युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलेंगे। महिलाओं को समान वेतन और सम्मान मिलेगा। 40 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। एक साल काम करने के बाद तय अवधि वाले कर्मचारियों को ग्रेच्युटी मिलेगी। 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों को मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच मिलेगी। ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन मिलेगा। खतरनाक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों को 100% स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। श्रमिकों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सामाजिक न्याय मिलेगा।

उन्होंने कहा, 'ये सुधार साधारण बदलाव नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कार्यबल के कल्याण के लिए उठाया गया बड़ा कदम हैं। ये सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। 2047 तक ये विकसित भारत के लक्ष्य को रफ्तार देंगे।'

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत गिग कर्मचारियों सहित सभी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। सभी श्रमिकों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे। वेतन संहिता, 2019 के तहत सभी श्रमिकों को वैधानिक न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। न्यूनतम मजदूरी और समय पर भुगतान वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

ईएसआईसी का विस्तार और लाभ पूरे भारत में लागू होंगे। 10 से कम कर्मचारियों वाली इकाइयों के लिए यह स्वैच्छिक होगा। लेकिन, खतरनाक प्रक्रियाओं में शामिल इकाइयों के लिए यह अनिवार्य होगा। अब एक तय अवधि के लिए नियुक्ति पाने वाले कर्मचारियों (फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉईज- एफटीई) को स्थायी श्रमिकों के समान सभी लाभ मिलेंगे। इनमें अवकाश, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा शामिल हैं।

डिजिटल और ध्वनि-दृश्य श्रमिक अब पूर्ण लाभों के हकदार होंगे। इनमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार, डबिंग कलाकार और स्टंट करने वाले शामिल हैं। यह एक बड़ा कदम है जो भारत के श्रम कानूनों को आधुनिक बनाने और श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में उठाया गया है।

### दुबई एयर शो ...

विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। भारतीय पक्ष की ओर से भी संपर्क और जानकारी जुटाने की प्रक्रिया जारी है।

दुबई एयर शो के बारे में जानें :

'द फ्यूचर इज हियर' थीम के तहत यह एयर शो 17 से 21 नवंबर तक दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में आयोजित हो रहा है। यह दुबई एयर शो का 19वां संस्करण है। इस बार 200 से अधिक विमानों का रिकॉर्ड प्रदर्शन किया जा रहा। इसमें कमर्शियल, मिलिट्री, प्राइवेट जेट, यूएवी और नई पीढ़ी की एयरोस्पेस तकनीकें शामिल हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा फ्लाइंग और स्टैटिक डिस्प्ले है।

# पूर्व मंत्री हरीश राव का वादा पूरा

## बीसी आवासीय विद्यालय के छात्रों को दीं खाटें

सिद्दीपेट, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने शुक्रवार को थडकापल्ली स्थित बीसी आवासीय विद्यालय के छात्रों से किया अपना वादा निभाते हुए उन्हें नए खाट (कॉट्स) उपहार में दीं। हरीश राव ने छात्रावास के शिक्षकों और कर्मचारियों को अपने कैंप कार्यालय बुलाकर औपचारिक रूप से खाटें सौंपीं।

हाल ही में छात्रावास के निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रों से उनकी आवश्यकताओं के बारे में पूछा था, जिस पर छात्रों ने खाट और टी-शर्ट की जरूरत बताई थी। निरीक्षण के दौरान ही उन्होंने छात्रों को टी-शर्ट भेंट कर दी थीं और बाद में अपनी जेब से 6 लाख रुपये खर्च कर खाटों की व्यवस्था की। उनके इस कदम से छात्र और शिक्षक भावुक हो उठे और उन्होंने हरीश राव का आभार जताया। छात्रावास प्रबंधन का कहना है कि इससे बच्चों को बेहतर रहने की सुविधा मिलेगी और छात्र काफी खुश हैं। उन्होंने पूर्व मंत्री के इस मानवीय प्रयास को प्रेरणास्पद बताया।

## 'एसबीआई टर्म इंश्योरेंस' नाम से फर्जी वेबसाइट पर पायरेटेड फिल्मों के लिंक मिले

### ब्रांड नाम के दुरूपयोग पर साइबर अपराध पुलिस ने शुरू की जांच

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर दुरूपयोग के एक ताज़ा मामले में 'एसबीआई टर्म इंश्योरेंस' के नाम से संचालित एक वेबसाइट पर पायरेटेड फिल्मों के लिंक पाए जाने का खुलासा हुआ है। वेबसाइट हाल ही में ऑनलाइन दिखाई दी, लेकिन उसमें दिए गए 'टर्म इंश्योरेंस लैप्स एंड रिवाइवल गाइड' सेक्शन पर क्लिक करने पर उपयोगकर्ताओं को अचानक उन पृष्ठों पर भेज दिया जाता था, जहां पायरेटेड फिल्मों की स्ट्रीमिंग हो रही थी। एसबीआई ग्राहकों ने ब्रांड नाम के गलत इस्तेमाल की शिकायत अधिकारियों से की, जिसके बाद बैंक प्रबंधन ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, फर्जी पोर्टल बनाने और संचालित करने वालों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस का कहना है कि वेबसाइट बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से सावधान रहने और किसी भी संदिग्ध लिंक या पोर्टल पर अपनी जानकारी साझा न करने की अपील की है।

## तेलंगाना में शाम की कक्षाएं बंद, कामकाजी पेशेवरों में निराशा

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में शाम की कक्षाएं बंद होने से कामकाजी पेशेवरों में भारी निराशा फैल गई है। राज्य सरकार द्वारा निजी कॉलेजों को इंजीनियरिंग और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अनुमति न दिए जाने के कारण कर्मचारी बिना नौकरी छोड़े अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पा रहे हैं। इससे उनके पदोन्नति, वेतन वृद्धि और बेहतर करियर अवसर प्रभावित हो रहे हैं। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने इस शैक्षणिक वर्ष में कई निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्नातक और डिप्लोमा कार्यक्रमों को मंजूरी प्रदान की है। अधिकारियों और कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि इन पाठ्यक्रमों से सरकार पर किसी भी तरह का वित्तीय बोझ नहीं पड़ता, क्योंकि इन छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति नहीं दी जाती। इस स्थिति से सैकड़ों कामकाजी पेशेवर निराश होकर इन कार्यक्रमों की मांग कर रहे हैं। हाल ही में बड़ी संख्या में ईसीआईएल कर्मचारियों ने आईटीआई प्रमाणपत्र वाले उम्मीदवारों के लिए डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करने हेतु राज्य तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड (एसबीटीईटी) से अनुरोध किया है। इसी तरह, डीआरडीओ के अंतर्गत कार्यरत कुछ कर्मियों ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए एक निजी कॉलेज का रुख किया, लेकिन राज्य सरकार की अनुमति न होने के कारण उन्हें निराश लौटना पड़ा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड : एशेज की हुई खतरनाक शुरुआत–295 रन, 19 विकेट

## मिचेल स्टार्क के बाद बेन स्टोक्स ने भी खोला 'पंजा'

पर्थ, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 2025-26 की खतरनाक शुरुआत हुई है। पर्थ टेस्ट के पहले दिन सिर्फ 71.5 ओवर का ही खेल हुआ लेकिन दिन के अंत तक कुल 295 रन बने और 19 विकेट गिर गए। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में खेलते हुए 32.5 ओवर खेलकर 172 रन पर सिमट गई। जवाब में पहले दिन के अंत तक मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भी 9 विकेट गंवा दिए और सिर्फ 123 रन बना पाई।

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने घातक गेंदबाजी की और 12.5 ओवर में 58 रन देकर 7 विकेट झटके। लेकिन उसके बाद इंग्लैंड के पेसर्स भी पीछे नहीं हटे और आर्चर-कार्स के शुरुआती झटकों के बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने मोर्चा संभाला। दिन के अंत तक इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने 6 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट झटके थे। मिचेल स्टार्क के बाद बेन स्टोक्स ने भी पंजा खोला और 24 साल बाद किसी एशेज टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड टूटा।

**हार्मिसन-मैकग्रा के रिकॉर्ड की बराबरी**

इससे पहले साल 2005 में लॉर्ड्स टेस्ट में ऐसा हुआ था जब टेस्ट मैच के पहले दिन ही इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के दो गेंदबाजों ने फाइव विकेट हॉल पूरा किया है। 2005 में ग्लेन मैकग्रा और स्टीव हार्मिसन ने पांच-पांच विकेट झटके थे। वहीं अब 20 साल बाद एशेज में एक बार फिर से ऐसा हुआ है जब ऑस्ट्रेलिया व इंग्लैंड दोनों टीमों के गेंदबाजों ने मैच के पहले दिन ही पंजा खोला है। मिचेल स्टार्क और बेन स्टोक्स ने अब यह कारनामा किया है।

**मैच के पहले दिन गेंदबाजों का कमाल**

पर्थ में खेले जा रहे एशेज सीरीज 2025-26 के पहले टेस्ट के पहले दिन की बात करें तो पूरी तरह गेंदबाजों का जलवा देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अपने 9 विकेट गंवाए और इससे पहले इंग्लैंड की टीम 10 विकेट गंवाकर ऑलआउट हो गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। उनके अलावा ओली पोप ने 46 और जेमी स्मिथ ने 33 रनों की पारियां खेलीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने 7 विकेट झटके। जबकि दो विकेट डेब्यूटेंट ब्रेंडन डोगेट और एक विकेट कैमरन ग्रीन को मिला।

वहीं जब ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पारी शुरू की तो उसका हाल इससे भी बुरा देखने को मिला। जोफ्रा आर्चर और ब्राइडन कार्स ने टीम को शुरुआत से ही दिक्कत में डाल दिया। 31 रन पर 4 विकेट गिर गए थे। दो-दो विकेट कार्स और आर्चर ने लिए थे। उसके बाद ट्रेविस हेड और कैमरन ग्रीन कुछ देर टिके रहे और स्कोर 76 तक पहुंचाया। लेकिन बेन स्टोक्स ने अपना स्पेल शुरू करते ही विकेटों की लाइन लगा दी। कंगारू टीम ने देखते ही देखते 9 विकेट गंवा दिए। दिन के अंत तक ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड से 49 रन पीछे थी।

# भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच पर यौन शोषण का आरोप

## खेल मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच के पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच का आदेश दिया है। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में हिस्सा लेने के लिए चिली के सैंटियागो में जाना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1 दिसंबर से होगी और इससे पहले ही खेल मंत्रालय ने ये कदम उठाया है।

**भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम टीम के कोच पर लगा यौन शोषण का आरोप**

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम टीम पिछले दिनों जो विदेशी दौरे किए थे और उन दौरों में से एक के दौरान कथित गलत व्यवहार की रिपोर्ट की गई थी।

ये टूर जून में अर्जेंटीना, बेल्जियम और नीदरलैंड्स और सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के थे। माना जा रहा है कि महिला टीम की एक सदस्य कई बार कोच के कमरे में जाती हुई पाई गई थी। इस मामले पर खेल मंत्रालय से जुडे एक अधिकारी ने कहा कि हम पहले जांच की रिपोर्ट का इंतजार करेंगे और फिर कोई एक्शन लिया जाएगा। हमारा डिपार्टमेंट इस तरह से मामलों को काफी गंभीरता से लेता है और अगर कोई दोषी है तो हम सख्त एक्शन लेंगे। हालांकिअभी तक न तो खेल मंत्रालय न ही भारतीय खेल प्राधिकरण और न ही भारत में फील्ड हॉकी की गवर्निंग बॉडी हॉकी इंडिया से कोई फॉर्मल शिकायत की गई है।

**खेल मंत्रालय ने जांच के आदेश दिए**

इसके बाद यह मामला स्पोर्ट्स मिनिस्टर मनसुख मंडाविया के ध्यान में लाया गया जिन्होंने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री के एक सोर्स ने द ट्रिब्यून को बताया कि यह गंभीर मामला हमारे ध्यान में लाया गया था और इसीलिए जांच के आदेश दिए गए हैं। अभी हम जल्दबाज़ी में कुछ नहीं कहना चाहते क्योंकि हमें पहले डिटेल्स पता करनी हैं। हम रिपोर्ट का इंतजार करेंगे और फिर एक्शन लेंगे।

## गौतम गंभीर को राहत, दिल्ली हाई कोर्ट से कोविड दवा मामले में दर्ज केस हुआ खारिज

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने गौतम गंभीर, उनके एक संगठन और अन्य के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान दवाओं के कथित भंडारण और बिना लाइसेंस वितरण के मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पाया कि जांच में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला, जिससे यह साबित हो कि गंभीर या उनके फाउंडेशन ने किसी भी तरह से दवाओं का अनुचित लाभ उठाया या अवैध तरीके से वितरण किया है।

# 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान भिड़ेंगे

## टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होने की उम्मीद है। बीसीसीआई ने अपना प्रस्तावित शेड्यूल आईसीसी को भेज दिया है और आईसीसी जल्दी ही इसका ऐलान करेगा। 7 फरवरी से टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हो सकती है और फाइनल मैच 8 मार्च को खेला जा सकता है। सेमीफाइनल और फाइनल के वेन्यू का निर्धारण भारत-पाकिस्तान की जीत पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंचती है तो यह मुकाबला अहमदाबाद में नहीं होगा।

पाकिस्तान के फाइनल में जगह नहीं बनाने पर यह मुकाबला अहमदाबाद में होगा। आईसीसी या बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को शॉर्टलिस्ट किया है। श्रीलंका के तीन वेन्यू को चुना है। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी टी-20 मैच जून 2024 को वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने 5 रन से मुकाबला जीता था। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई और पीसीबी के बीच सहमति बनी थी कि भविष्य में दोनों टीमें एक-दूसरे के देश नहीं जाएगी, बल्कि अपने मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 2007 में हुई और भारत ने पहली बार फाइनल में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था। इसके बाद भारत ने 2024 में साउथ अफ्रीका को फाइनल हराया और दूसरी बार यह खीताब जीता। भारत के अलावा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने भी 2-2 टाइटल जीते हैं तो पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ने 1-1 बार खिताब अपने नाम किया है।

## वैभव सूर्यवंशी के पास नंबर 1 बनने का मौका

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला इंडिया ए और बांग्लादेश ए के बीच खेला जाएगा। दोपहर 3.00 बजे से खेले जाने वाले इस मुकाबले में भारत के पास फाइनल में पहुंचने का सुनहरा अवसर होगा जो दूसरी बार इस टूर्नामेंट में चैंपियन बनने का सपना देख रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भारत के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास नंबर 1 बनने का मौका है। वैभव अभी अच्छी फॉर्म में हैं और उनसे इस मुकाबले में भारत बड़े स्कोर की उम्मीद करेगा, लेकिन वो इस मैच में जैसे ही 12 रन बना लेंगे पाकिस्तानी बल्लेबाज नाज सदाकत को पीछे छोड़ देंगे।

# गिल टेस्ट से बाहर, पंत कप्तानी करेंगे

## भारत-साउथ अफ्रीका दूसरा मुकाबला आज से

स्पोर्ट्स डेस्क, 21 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला कल से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल गर्दन में दर्द की वजह से इस मैच से बाहर हो गए हैं। गिल की गैरमौजूदगी में ऋषभ पंत टीम की कप्तानी करेंगे। बीसीसीआई ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। वहीं, नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है। भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। साउथ अफ्रीका ने पहला मैच 30 रन से जीता था। पहले टेस्ट में हार के बाद मेजबान भारत पर क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। इस मैदान पर पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा, ऐसे में पिच और परिस्थितियों को देखते हुए प्लेइंग इलेवन का सिलेक्शन भी अहम रहने वाला है। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे थे। शुरुआती ओवर्स में पेसर्स और बाद में स्पिनर्स के सामने बल्लेबाज लगातार दबाव में दिखाई दिए।

**गिल दूसरे टेस्ट से बाहर**

गिल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। वे कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन की वजह से पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुकाबले के तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

**गिल की जगह रेड्डी को मिल सकता है मौका**

अगर शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से बाहर होते हैं, तो उनकी जगह साई सुदर्शन को मौका मिल सकता है। भारत अगर इस मैच में एक और स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के साथ उतरने का फैसला करता है, तो सुदर्शन की टीम में वापसी लगभग तय मानी जा सकती है। हालांकि, टीम के पास देवदत्त पडिक्कल के रूप में एक और स्पेशलिस्ट बैटर मौजूद है। नीतीश रेड्डी के रूप में भारत के पास एक और ऑलराउंड ऑप्शन मौजूद है। कोलकाता टेस्ट से रेड्डी को रिलीज किए जाने के बाद ध्रुव जुरेल को बतौर बल्लेबाज भारतीय प्लेइंग-11 में मौका दिया गया था। हालांकि, रेड्डी को दोबारा स्क्वॉड में शामिल किया गया है। रेड्डी को तभी मौका मिल सकता है, जब वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल में से किसी एक को प्लेइंग से बाहर किया जाए।

**हेड टु हेड में साउथ अफ्रीका आगे**

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक 44 टेस्ट मैच खेले गए, भारत ने 16 और साउथ अफ्रीका ने 19 में जीत दर्ज की, जबकि 10 मैच ड्रॉ रहे। वहीं, भारत ने अपने घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 20 टेस्ट खेले, जिनमें से 11 जीते और 6 गंवाए।

# भारत बनाम साउथ अफ्रीका : चोटिल रबाडा दूसरे टेस्ट से बाहर, नहीं खेल सकेंगे सीमित ओवरों की सीरीज

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा पसलियों के खिंचाव के चलते भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच और व्हाइट बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीमर लुंगी एनगिडी को चोटिल रबाडा के कवर के तौर पर पहले ही टीम में शामिल कर लिया गया है।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ₹प्रोटियाज मेडिकल टीम रबाडा की निगरानी कर रही है। चोट वाले स्थान पर लगातार तकलीफ के कारण, रबाडा को बाकी टूर से हटा दिया गया है। वह दूसरे टेस्ट के खत्म होने पर साउथ अफ्रीका लौटने से पहले प्रोटियाज मेडिकल टीम के साथ अपने चार हफ्तों के रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के शुरुआती फेज को जारी रखेंगे।₹ कगिसो

रबाडा चोटिल होने की वजह से कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भी नहीं खेल सके थे। टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद संभवतः साउथ अफ्रीकी टीम गुवाहाटी में होने वाले दूसरे और निर्णायक मैच में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है। साइमन हार्मर ने कोलकाता टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने मुकाबले में कुल 8 विकेट के साथ 'प्लेयर ऑफ द मैच' खिताब अपने नाम किया था।

इस मुकाबले में लेफ्ट-आर्म सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर मार्को जेनसन ने साउथ अफ्रीका के पेस यूनिट को लीड किया था। वहीं, लेफ्ट-आर्म स्पिनर केशव महाराज ने टीम का बखूबी साथ दिया। मेहमान टीम को ऑलराउंडर वियान मुल्डर और कॉर्बिन बॉश का सपोर्ट मिला। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि एनगिडी को गुवाहाटी में मौका मिल सकेगा, या फिर नहीं। साउथ अफ्रीका ने सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में 159 रन बनाए थे। इसके जवाब में टीम इंडिया ने पहली पारी में 189 रन बनाकर 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने दूसरी पारी में महज 153 रन बनाए और भारत को जीत के लिए 124 रन का टारगेट मिला।

# न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम घोषित

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच की वापसी हुई है। रोच आखिरी बार इस साल जनवरी में पाकिस्तान के मुल्तान टेस्ट में खेले थे। उनकी मौजूदगी टीम के अपेक्षाकृत अनुभवहीन पेस अटैक को मजबूती देगी।

**शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ अभी भी बाहर**

टीम के दो प्रमुख तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में 85 टेस्ट खेल चुके रोच टीम के सबसे अनुभवी पेसर होंगे। 29 साल के तेज गेंदबाज ओजाय शील्ड्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। शील्ड्स ने हाल ही में एंटीगा में आयोजित दो सप्ताह के हाई-परफॉर्मेंस कैंप में हिस्सा लिया था, जिसमें रोच समेत कई खिलाड़ी शामिल थे।

**कावेम हॉग की भी वापसी**

ऑलराउंडर कावेम हॉग की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने भी आखिरी टेस्ट मल्तान में ही खेला था। वहीं लेफ्ट-आर्म स्पिनर खारी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट माइल्स बेसकॉम्ब ने कहा कि न्यूजीलैंड हमेशा मेहमान टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। एंटीगा में हाई-परफॉर्मेंस कैंप का मकसद न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजी वाली पिचों जैसी परिस्थितियों में खिलाड़ियों को तैयार करना था।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत की उम्मीदें कायम

## लक्ष्य सेन ने आयुष को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी, 21 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने अपने हमवतन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे सेटों में 23-21, 21-11 से पराजित किया। यह मुकाबला शुक्रवार को सिडनी में खेला गया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने इस साल पहले भी हॉन्गकॉन्ग ओपन में शेट्टी को इसी चरण में हराया था।

इस जीत ने लक्ष्य की लय और आत्मविश्वास दोनों को मजबूती दी है, खासकर तब जब वे इस सत्र में अभी तक कोई खिताब नहीं जीत सके हैं। पहला गेम बेहद कड़ा और उतार-चढ़ाव भरा रहा। शुरूआत में लक्ष्य पीछे चल रहे थे और आयुष शेट्टी 9-6 की बढ़त लिए हुए थे, लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी करते हुए लगातार 4 अंक लेकर 13-10 की बढ़त बना ली। इसके बावजूद शेट्टी ने हार नहीं मानी और लगातार रैलियों में लय बनाए रखी। स्कोर 21-21 पर बराबरी पर था, लेकिन आख़िरकार अनुभव और संयम ने लक्ष्य सेन को पहला गेम 23-21 से दिला दिया।

**दूसरा गेम: लक्ष्य का दबदबा**

दूसरे गेम में लक्ष्य का आत्मविश्वास पूरी तरह नजर आया। उन्होंने शुरुआत से ही 6-1 की बढ़त बना ली और फिर शेट्टी मैच की रफ्तार पकड़ नहीं पाए। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, लक्ष्य और मजबूती से खेलते गए और स्कोर 15-7 तक पहुंच गया। अंत में लक्ष्य सेन ने 21-11 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

**अब मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन से**

सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन का सामना टूर्नामेंट के दूसरे सीड चोउ तियेन चेन से होगा। चेन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर हैं और 2018 एशियन गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट भी रह चुके हैं। उन्होंने कड़े मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया।

**अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन**

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन अब अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं, क्योंकि एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत पहले ही बाहर हो चुके हैं। पुरुष युगल में भारत को झटका लगा क्योंकि सात्विक और चिराग को इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 21-19, 21-15 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया।

## वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भारत का रिकॉर्ड प्रदर्शन

**भारत ने जीते 9 गोल्ड, 6 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज; 7 महिला बॉक्सर्स ने दिलाया गोल्ड**

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स के आखिरी दिन भारत ने 9 गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने कुल 9 गोल्ड, 6 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल जीते। आखिरी दिन भारतीय महिलाओं का जलवा रहा। कुल 9 गोल्ड में से 7 महिला खिलाड़ियों ने जीते। मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नूपुर (80+ किग्रा) ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए गोल्ड जीते। खास बात यह कि ये सभी वेट कैटेगरी 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में शामिल हैं।

**मीनाक्षी ने एशियन चैंपियन को हराया**

मीनाक्षी ने एशियन चैंपियन फरजोना फोजिलोवा को एकतरफा 5-0 से हराया। प्रीति ने इटली की मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी को 5-0 से मात दी। अरुंधति ने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा पर 5-0 से जीत दर्ज की। वहीं, नूपुर ने सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3-2 से हराया। शाम के सेशन में जैस्मिन लंबोरिया ने पेरिस ओलिंपिक मेडलिस्ट विजेता वू शिह यी को 4-1 से हराकर उलटफेर किया। निखत जरीन ने ताइवान की गुओ यी जुआन को 5-0 और परवीन ने जापान की तागुची को 3-2 से हराया। पुरुष कैटेगरी में सचिन (60 किग्रा) और हितेश (70 किग्रा) ने भारत को दो गोल्ड दिलाए। सचिन ने किर्गिस्तान के सेइतबेक को क्लीन बॉक्सिंग से 5-0 से हराया, जबकि हितेश ने कजाखस्तान के मुर्सल को 3-2 से मात दी।

# तेलंगाना ने चौथे ईएमआरएस राष्ट्रीय मीट में अपना दबदबा बनाया

## रेवंत ने चैंपियन को बधाई दी

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चौथे ईएमआरएस राष्ट्रीय खेल मीट-2025 में समग्र चैंपियनशिप जीतने पर तेलंगाना के छात्रों को बधाई दी है। तेलंगाना ने 15 नवंबर को ओडिशा में आयोजित चौथे ईएमआरएस राष्ट्रीय खेल मीट-2025 में रिकॉर्ड तोड़ पदक जीते हैं। तेलंगाना राज्य ने एथलेटिक्स, तीरंदाजी, तैराकी, जिमनास्टिक, मुक्केबाजी, जूडो, कुश्ती, भारोत्तोलन, ताइक्वांडो, योग, निशानेबाजी, शतरंज और अन्य स्पर्धाओं में 230 पदक हासिल किए। तेलंगाना से 23 ईएमआरएस इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंट्स ने नेशनल स्पोर्ट्स मीट में हिस्सा लिया। 22 राज्यों के 499 ईएमआरए इंस्टीट्यूशन के कुल 5,500 स्टूडेंट्स ने इस नेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन में कुल 22 इवेंट्स हुए, जिनमें से इंडिविजुअल इवेंट्स 15 और टीम इवेंट्स-07 थे। तेलंगाना को रिप्रेजेंट करते हुए 23 स्कूलों के 580 स्टूडेंट्स ने इस नेशनल इवेंट में हिस्सा लिया। स्टूडेंट्स ने इंडिविजुअल और टीम इवेंट्स में शानदार परफॉर्मेंस दिया। तेलंगाना ने कुल 714 पॉइंट्स के साथ चैंपियनशिप जीती है। कॉम्पिटिशन में मेडल जीतने वाले स्टूडेंट्स ने शुक्रवार को जुबली हिल्स में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके घर पर मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्टूडेंट्स को उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए बधाई दी। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण और सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

## सड़क दुर्घटना में मौत

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह चेवेल्ला-कनकमामिडी मार्ग पर मोइनाबाद में ताज सर्कल के पास हुई एक बड़ी सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम छह लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और कार में सवार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चेवेल्ला पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के कारण के बारे में अभी और जानकारी नहीं मिल पाई है।

# केटीआर की बातें पूरी तरह झूठ : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने केटीआर के आरोपों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि औद्योगिक भूमि के कन्वर्जन पर इम्पैक्ट फ़ीस लगाने के सरकार के निर्णय को 5-6 लाख करोड़ का घोटाला बताना सिर्फ़ दुष्प्रचार है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बीआरएस सरकार ने ही अगस्त 2023 में उद्योगों को पट्टे पर दी गई भूमि पर फ्रीहोल्ड अधिकार देने वाले तीन जीओ जारी नहीं किए थे? शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीधर बाबू ने तथ्यों के साथ केटीआर के आरोपों का खंडन किया।

उन्होंने कहा कि केटीआर जिन 9,292 एकड़ भूमि का हवाला दे रहे हैं, उनमें से केवल 4,740 एकड़ ही उद्योगों को प्लॉटिंग करके आवंटित की गई थी। बाकी भूमि सड़कें, ड्रेनेज और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए उपयोग की गई थी। ये आवंटन एक दिन में नहीं हुए। औद्योगिक विकास के लिए कई दशकों से ये आवंटन होते आए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के परिजनों द्वारा 'एग्रीमेंट' किए जाने का केटीआर का दावा पूरी तरह मनगढ़ंत बताया। वे किसी भी सरकारी पद पर नहीं हैं। दस साल मंत्री रहे व्यक्ति का इस तरह झूठ फैलाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अगर उनके पास सबूत हैं, तो सामने रखें , सरकार कार्रवाई करेगी। कन्वर्ज़न इम्पैक्ट फ़ीस से 4,000 से 5,000 करोड़ रुपये की आय होने का अनुमान है वह भी तभी यदि सभी पात्र लोग आवेदन करें। जिनके पास मालिकाना हक़ नहीं है, वे कन्वर्ज़न के लिए आवेदन नहीं कर सकते।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार पिछले शासन द्वारा किए गए वित्तीय अव्यवस्थापन को ठीक करते हुए पिछले दो साल से कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। बीआरएस का मकसद सिर्फ़ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के राज्य की आय बढ़ाने के प्रयासों में बाधा डालना है। हम हैदराबाद को एक वैश्विक शहर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष सहयोग करे न करे, पर झूठ और धमकी की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार बार-बार कह चुकी है कि ओआरआर के भीतर की प्रदूषणकारी उद्योगों को बाहर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि हवा और पानी का प्रदूषण घटे। उन्होंने कहा कि कई राज्य उद्योगों को प्रति एकड़ सिर्फ़ 99 पैसे में भूमि दे रहे हैं, और 20 साल तक बिजली-करों में रियायतें दे रहे हैं। तेलंगाना में भूमि की कीमत भी अधिक है और उपलब्धता भी कम है, फिर भी सरकार बेहतर औद्योगिक पारिस्थितिकी तैयार करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उद्योग और आईटी कंपनियां आने से नौकरियां बढ़ती हैं और राज्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है, और सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।

# तेलंगाना पुलिस विभाग को बॉक्सर निकहत जरीन पर गर्व : शिवधर रेड्डी

## डीजीपी ने उन्हें गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी

हैदराबाद 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बॉक्सर निकहत जरीन को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी है। डीजीपी शिवधर रेड्डी ने निकहत जरीन की जीत पर खुशी जाहिर की। डीजीपी ने महिलाओं के 51 किलोग्राम फाइनल कॉम्पिटिशन में अपनी विरोधी पर 5-0 से जीत के लिए उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उनकी काबिलियत और लगन का सबूत है। डीजीपी ने इस मौके पर कहा, मैं निकहत जरीन को गोल्ड मेडल जीतने और तेलंगाना पुलिस डिपार्टमेंट को गर्व महसूस कराने के लिए बधाई देता हूं। निकहत की सफलता, जिसने स्पोर्ट्स में सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड तय किए हैं, दूसरे एथलीटों के लिए एक मिसाल है। तेलंगाना पुलिस परिवार की ओर से, डीजीपी ने निकहत जरीन को भविष्य में और ऊंचाइयों तक पहुंचने की शुभकामनाएं दीं।

# सेंट्रल टीम ने पोलावरम प्रोजेक्ट का दौरा किया

पोलावरम, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल वॉटर कमीशन (सीडब्लूसी) की एक सेंट्रल टीम ने शुक्रवार को पोलावरम प्रोजेक्ट का दौरा किया और चल रहे कंस्ट्रक्शन के कामों का रिव्यू किया। डेलीगेशन में सीडब्लूसी डिजाइन और रिसर्च विंग के मेंबर आदित्य शर्मा, सेंट्रल वॉटर कमीशन के चीफ इंजीनियर एस.एस. बख्शील और पोलावरम प्रोजेक्ट अथॉरिटी के मेंबर सेक्रेटरी एम. रघुराम शामिल थे। अधिकारियों ने प्रोजेक्ट की एक्टिविटीज़ का डिटेल में इंस्पेक्शन किया। उनके साथ वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के ईएनसी के नरसिम्हामूर्ति, पोलावरम एसई के. रामचंद्र राव, क्वालिटी कंट्रोल सीई के. शेषबाबू, डीई के. बालकृष्ण, डी. श्रीनिवास और प्रेमचंद भी थे। एमईआईएल से, जीएम ए. गंगाधर और डीजीएम मुरली पम्मी ने चल रहे कामों के बारे में बताया और टेक्निकल डिटेल्स दीं।

पोलावरम प्रोजेक्ट व्यू पॉइंट पर, वॉटर रिसोर्सेज़ डिपार्टमेंट और एमईआईएल के अधिकारियों ने सेंट्रल टीम को प्रोजेक्ट के स्टेटस और ओवरऑल प्रोग्रेस के बारे में जानकारी दी। बाद में टीम ने मॉडल बांध का दौरा किया, जहां अधिकारियों ने प्रत्येक घटक के कामकाज और डिजाइन पहलुओं को समझाया।

इसके बाद केंद्रीय टीम स्पिलवे की ओर बढ़ी, जहां उन्होंने गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्पिलवे, गेट, सिलेंडर और गेट संचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले पावर पैक की स्थिति और संचालन की समीक्षा की। प्रतिनिधिमंडल ने अपस्ट्रीम कॉफरडैम, गैप-1 कार्य, डायाफ्राम दीवार और जल विद्युत स्टेशन के चल रहे निर्माण की भी जांच की। प्रत्येक स्थान पर, टीम ने अधिकारियों के साथ बातचीत की और कार्यों की प्रगति और तकनीकी मापदंडों पर विस्तृत अपडेट मांगा।

## वीडियो बनाने के बाद युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम में एक दुखद घटना सामने आई, जहां एक युवक ने भावनात्मक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, साहेब नगर निवासी पीड़ित श्रीकांत ने हयातनगर के चार लोगों से लगभग दो लाख रुपये उधार लिए थे। हाल ही में उसकी शादी तय हुई थी। हालांकि, साहूकारों ने कथित तौर पर उसे धमकी दी कि वे उसके घर पर ताला लगा देंगे और वह शादी नहीं कर पाएगा। लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर श्रीकांत ने एक अज्ञात कीटनाशक खा लिया। यह कदम उठाने से पहले, उसने एक सेल्फी वीडियो भी रिकॉर्ड किया था जिसमें उसने अपने परिवार वालों से ध्यान रखने की गुहार लगाई थी। वनस्थलीपुरम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और ऋणदाताओं द्वारा कथित उत्पीड़न की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

## 32 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत 32 आईपीएस अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डीएस चौहान को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक) नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें एडीजी, मल्टीजोन-II का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। दक्षिण क्षेत्र की डीसीपी स्नेहा मेहरा का तबादला कर उन्हें विकाराबाद जिले का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जे. परिमाला हाना नूतन जैकब को डीआइजी, सीआईडी और चेतना मुलाबथौला को उप निदेशक, आरबीवीआरआर टीजीपीए, हैदराबाद के पद पर तैनात किया गया है।

## करीमनगर में किसानों के लिए राहत

### अनाज सुखाने के 'ग्रेन ड्रायर' उपलब्ध

करीमनगर, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी अनाज में नमी की दिक्कत अब दूर होने वाली है। मंडियों में आधुनिक 'ग्रेन ड्रायर' मशीनें उपलब्ध करा दी गई हैं। कुछ मंडियों में इनका संचालन शुरू हो चुका है, जबकि कुछ में मशीनें अभी चालू होना बाकी है। पहले किसान धान की कटाई मजदूरों से कराते थे और फसल को खेत में ही सुखा लेते थे, जिससे नमी की समस्या कम रहती थी। लेकिन अब हार्वेस्टर के उपयोग के कारण फसल को खेत में सुखाने का समय नहीं मिलता और बारिश होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। फलस्वरूप किसानों को सड़कों व खरीद केंद्रों पर अनाज सुखाना पड़ता था, जिससे विवाद भी होते थे।

किसानों की परेशानी को देखते हुए नागरिक आपूर्ति एवं विपणन विभाग ने 14-14 लाख रुपये कीमत वाले ग्रेन ड्रायर कई मंडियों में स्थापित किए हैं। इन मशीनों से गर्म हवा द्वारा धान, मक्का और गेहूं जैसी फसलें कंटेनर के अंदर तेजी से सूख जाती हैं। अधिकारियों के अनुसार, यदि अनाज में 30 प्रतिशत नमी हो तो एक घंटे में इसे लगभग 17 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है और 25 क्विंटल अनाज एक बार में सुखाया जा सकता है।

हालांकि मशीनें उपयोगी हैं, लेकिन किसानों पर अतिरिक्त भार भी पड़ रहा है। इन्हें चलाने के लिए ट्रैक्टर और डीजल की आवश्यकता होती है। एक घंटे में करीब 10 लीटर डीजल की जरूरत होती है, जिससे किसानों को लगभग 3,000 रुपये प्रति घंटा खर्च करना पड़ रहा है। विपणन विभाग की ओर से ट्रैक्टर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, पर ईंधन का खर्च किसानों को खुद उठाना पड़ रहा है। करीमनगर मार्केट कमेटी के सचिव अहमद ने बताया कि यह मशीन किसानों के लिए बेहद फायदेमंद है। सड़कों या पीपीसी केंद्रों पर अनाज फैलाकर सुखाने के बजाय अब किसान मशीन द्वारा सुरक्षित तरीके से अनाज सुखा सकेंगे।

# 'भारत की अब तक की सबसे बड़ी भूमि लूट' के लिए मंच तैयार

## बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति ने कांग्रेस सरकार पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में 'भारत की अब तक की सबसे बड़ी भूमि लूट' के लिए मंच तैयार करने का आरोप लगाया है। यह गंभीर आरोप शुक्रवार को तेलंगाना भवन में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामने आए। उन्होंने प्रशासन पर हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों में लगभग 9,292 एकड़ प्रमुख औद्योगिक भूमि के अवैध रूपांतरण, कम मूल्यांकन और पुनर्आवंटन से जुड़े 5 लाख करोड़ रुपये के भूमि घोटाले को अंजाम देने का आरोप लगाया। रामाराव ने आरोप लगाया

कि इस घोटाले का उद्देश्य रेवंत रेड्डी के निजी हित के अलावा उनके करीबी दोस्तों, परिवार के सदस्यों, वफादारों, ससुराल वालों और दलालों को फायदा पहुंचाना था।

उन्होंने कसम खाई कि बीआरएस नरम नहीं पड़ेगा और ऐसी जमीन खरीदने वालों को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने इसकी तुलना बीआरएस के एक दशक लंबे कार्यकाल से की, जिसके दौरान बिना किसी पक्षपात या धर्मांतरण के निजी निवेश आकर्षित करने के लिए उद्योगों को पारदर्शी तरीके से रियायती ज़मीनें आवंटित की गईं।

उन्होंने दिसंबर 2023 से सत्ता में काबिज रेवंत रेड्डी सरकार पर हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में घोषित 'हैदराबाद औद्योगिक भूमि परिवर्तन नीति' के जरिए औद्योगिक भूमि की स्थिति को उलटने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इस नीति का उद्देश्य 45 दिनों में औद्योगिक सम्पदाओं को उच्च-मूल्य वाली निजी संपत्तियों में बदलना है।

पिछले 50-60 वर्षों में, विभिन्न सरकारों ने उद्योगों के लिए रियायती दरों पर जमीनें उपलब्ध कराईं, जिससे निजी निवेश को बढ़ावा मिला।

ऐसे प्रोत्साहनों के कारण, पिछले एक दशक में, कई कंपनियों ने तेलंगाना का रुख किया, जिससे भ्रष्टाचार के बिना मजबूत औद्योगिक विस्तार हुआ। बीआरएस औद्योगिक या सरकारी भूमि के पुनर्प्रयोजन हेतु भूमि की स्थिति में परिवर्तन को स्वीकार नहीं करता था। लेकिन रेवंत रेड्डी ने अब औद्योगिक भूमि की स्थिति को वाणिज्यिक और अचल संपत्ति उद्देश्यों के लिए परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। यह नीति औद्योगिक विकास के लक्ष्यों की पूर्ति करने वाली सार्वजनिक संपत्तियों का अचल संपत्ति उद्देश्यों के लिए रूपांतरण सुनिश्चित करेगी।

## जुबली हिल्स में अधूरी सड़कों से नाराज निवासी

### उपचुनाव से पहले शुरू हुआ सीसी सड़क निर्माण कार्य कई हफ्तों से अधूरा

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के कल्याण नगर और वेंगलराव नगर के निवासियों में अधूरी पड़ी सीमेंट-कंक्रीट (सीसी) सड़कों को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा उपचुनाव से पहले शुरू किया गया सड़क निर्माण कार्य कई हफ्तों से अधूरा छूट गया है, जिससे स्थानीय लोगों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने आरोप लगाया कि अधूरी खुदाई और बिखरे मलबे के कारण सड़कें उबड़-खाबड़ हो गई हैं, जिससे दोपहिया और चार पहिया वाहनों का आवागमन कठिन हो रहा है। कल्याण नगर निवासी जी. कृष्ण रेड्डी ने कहा, दो दशक बाद जब सड़कें सुधरने की उम्मीद जगी थी, तभी अधिकारियों की लापरवाही ने सब खराब कर दिया। एक महीने से सड़कें खुदी पड़ी हैं और वाहन निकल नहीं पा रहे।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने बताया कि सड़कों की दुर्दशा ने रोजमर्रा की आवाजाही बाधित कर दी है और कई वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। 70 वर्षीय बी. उषा रानी ने कहा, खोदी गई सड़कों के कारण स्कूल बसें बच्चों को लेने नहीं आतीं, बुजुर्गों और बच्चों को पैदल चलकर मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जुबली हिल्स उपचुनाव समाप्त होने के बाद भी अधिकारी सड़क निर्माण को भूल गए, जिससे बैंक, दुकानों और आवश्यक सेवाओं पर असर पड़ा है। कल्याण नगर के एक बैंक कर्मचारी ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। क्षतिग्रस्त सड़कों का असर एलपीजी गैस, किराना और अन्य सामान की डिलीवरी पर भी पड़ रहा है। आरडब्ल्यूए ने जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन से जल्द से जल्द अधूरा काम दोबारा शुरू कर पूरा करने की मांग की है। निवासियों का कहना है कि समय पर मरम्मत न होने से जीवन अत्यंत कठिन हो गया है और प्रशासन को तुरंत दखल देना चाहिए।

# अयोग्यता मामले में और समय देने का आग्रह

## दलबदलू विधायक कडियम श्रीहरि की विधानसभा अध्यक्ष से गुहार

हैदराबाद, 21 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेशन घनपुर विधानसभा क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के दलबदलू विधायक कडियम श्रीहरि ने कथित तौर पर विधानसभा अध्यक्ष जी प्रसाद कुमार से अयोग्यता मामले में उन्हें और समय देने का आग्रह किया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी द्वारा दायर अयोग्यता याचिका पर सुनवाई के लिए उपस्थित होने का नोटिस मिलने के बाद श्रीहरि ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की। विधानसभा अध्यक्ष ने गुरुवार को स्टेशन घनपुर विधायक और खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र दोनों को 23 नवंबर से पहले पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, स्टेशन घनपुर विधायक ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष से उनके आवास पर मुलाकात की।

कडियम श्रीहरि ने कथित तौर पर स्पीकर द्वारा जारी नोटिस का जवाब देने के लिए और समय मांगा था। बताया जा रहा है कि स्पीकर ने विधायक की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। बीआरएस द्वारा अयोग्यता याचिका दायर करने के बाद, अध्यक्ष ने बीआरएस के 10 विधायकों को नोटिस जारी किए। इनमें से आठ विधायकों ने जवाब दिया और अपने हलफनामे पेश किए, जबकि कडियम श्रीहरि और दानम नागेंद्र सहित दो विधायकों ने दो महीने का समय मांगा था। अध्यक्ष ने उन्हें समय दे दिया। इस बीच, कडियम श्रीहरि ने शुक्रवार को स्पीकर से मुलाकात की, लेकिन दानम नागेंदर के 23 नवंबर से पहले पेश होने पर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है।

जब बीआरएस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो स्पीकर को 31 अक्टूबर से पहले अयोग्यता याचिका पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया। समय सीमा बीत जाने पर स्पीकर ने दो महीने का और समय मांगा और देरी पर आपत्ति जताते हुए बीआरएस ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। बीआरएस की याचिका पर सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को अवमानना नोटिस जारी किया और उनसे चार सप्ताह के भीतर बीआरएस के दलबदलू विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने को कहा। तदनुसार, अध्यक्ष ने सुनवाई में तेजी लायी और कडियम श्रीहरि तथा दानम नागेन्द्र दोनों को 23 नवंबर से पहले सुनवाई के लिए उपस्थित होने के लिए पुनः नोटिस जारी किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.